

# त्रिवर्षीय क्षमता विकास योजना

(२०७९/८०-२०८१/८२)

अन्तिम प्रतिवेदन

२०७९

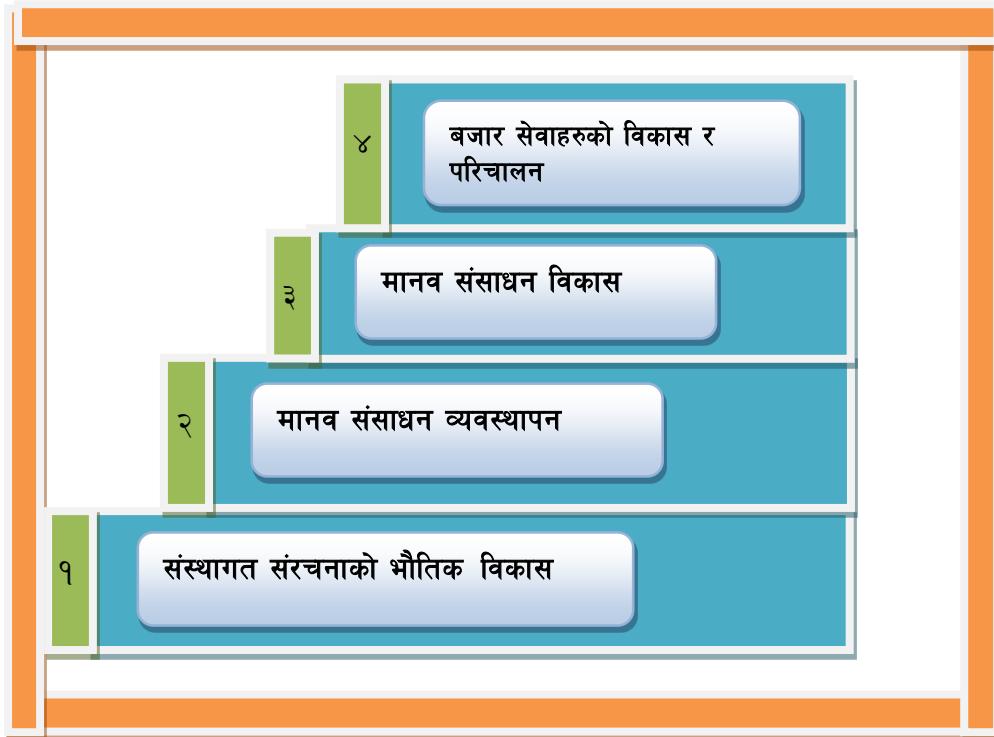


वराहपोखरी गाउँपालिका  
प्रदेश नं. १, खोटाङ

# त्रिवर्षीय क्षमता विकास योजना

(२०७९/८०-२०८१/८२)

स्थानीय सरकारको क्षमता विकासका मूल क्षेत्रहरु



## वराहपोखरी गाउँपालिका

प्रदेश नं. १, खोटाङ

# क्षमता विकास योजना तयारी प्रकृयाको एक झलक



## प्रतिवेदनको संरचना

---

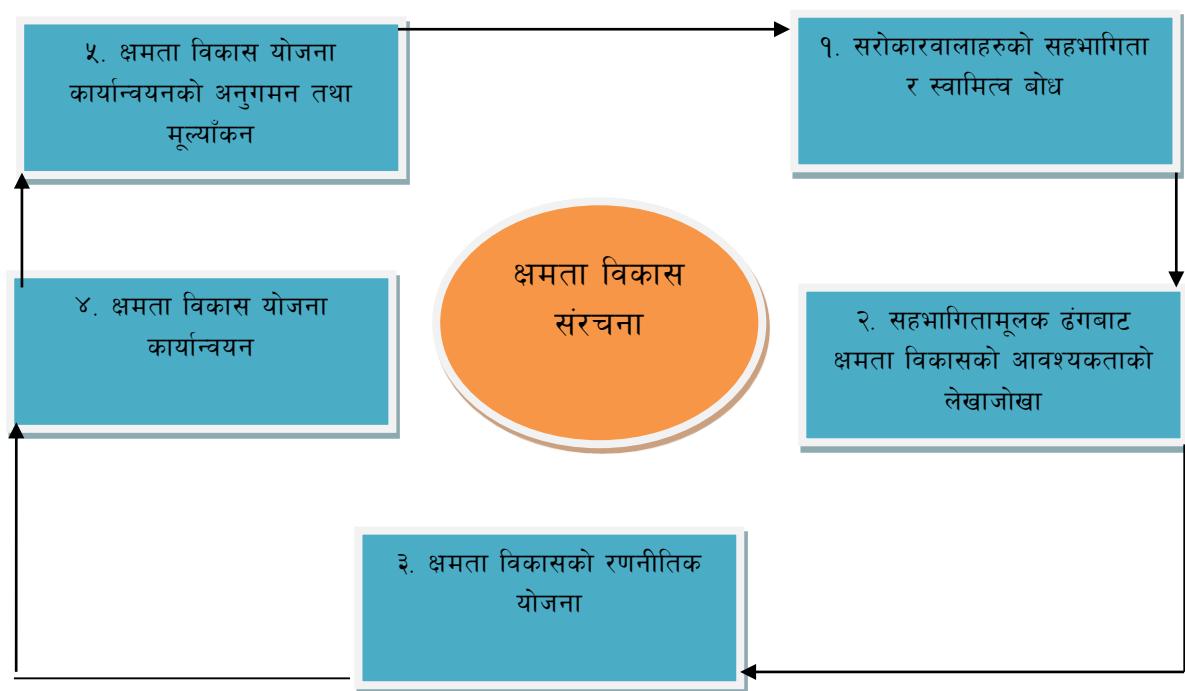
यो क्षमता विकास योजना ६ परिच्छेदमा विभाजित छ। परिच्छेद एकमा परिचय अन्तर्गत पृष्ठभूमि, क्षमता विकास योजनाको औचित्य, उद्देश्य, क्षमता विकास योजना तयारीको नीतिगत तथा कानूनी आधारहरु, संघ, प्रदेश र गाउँपालिकाको क्षमता विकासको अन्तर सम्बन्ध, योजना तर्जुमाको विधि तथा प्रकृया र योजना तर्जुमाका सीमा उल्लेख छ।

त्यसैगरी परिच्छेद दुईमा गाउँपालिकाको संक्षिप्त परिचय र परिच्छेद ३ मा क्षमता विकासको समग्र लेखाजोखा गरिएको छ, जस अन्तर्गत संस्थागत क्षमता विकासका तिन आयाम, संस्थागत, मानव संसाधन, बजार सेवाहरुको क्षमता लेखाजोखा गरिएको छ।

परिच्छेद चारमा समग्र योजना खाका उल्लेख छ। यस परिच्छेदमा संस्थागत क्षमता विकासको परिचय र स्थानीय सरकारको क्षमता विकास योजना उल्लेख छ। त्यसैगरी मानव संसाधन विकास एक परिचय र स्थानीय सरकारको मानव संसाधन विकास योजना र क्षमता विकास सँग सम्बन्धित स्रोत व्यक्ति (सरोकारवालाहरु) को पहिचान उल्लेख छ।

परिच्छेद पाँच योजना कार्यान्वयनको रणनीति सँग सम्बन्धित छ भने परिच्छेद ६ मा योजनाको व्यवस्थापन, अनुगमन तथा मूल्यांकनको विधि र जिम्मेवारी उल्लेख छ।

## क्षमता विकास प्रकृयागत संरचना



## क्षमता विकास योजना एक भलक

---

| प्रदेश                        | प्रदेश नं. १   |               |                |             |
|-------------------------------|--|---------------|----------------|-------------|
| अञ्चल                         | सगरमाथा  |               |                |             |
| जिल्ला                        | खोटाड़   |               |                |             |
| नगर/गाउँपालिका                | गाउँपालिका   |               |                |             |
| योजना तयारीको नेतृत्व         | वराहपोखरी गाउँपालिका   |               |                |             |
| आर्थिक सहयोग                  | प्रदेश प्रशिक्षण केन्द्र, प्रदेश १                               |               |                |             |
| सहजिकरण                       | गोरखकाली मनकामना अध्ययन तथा अनुसन्धान केन्द्र, सानोठिमी, भक्तपुर |               |                |             |
| कार्यक्रम अवधि                | ३ वर्ष (आ.व. २०७९/८०-२०८१/८२)                                    |               |                |             |
| कार्यान्वयन गर्ने मुख्य निकाय | वराहपोखरी गाउँपालिका   |               |                |             |
| मुख्य सरोकारवालाहरु           | संघिय सरकार, प्रदेश सरकार, विकास साभेदार संस्थाहरु               |               |                |             |
| सि.नं                         | क्षमता विकास क्षेत्र   | जम्मा रकम रु. | आन्तरिक योगदान | बाह्य सहयोग |
| १                             | संस्थागत क्षमता विकास तर्फ                                       |               |                |             |
| १.१                           | भौतिक स्रोत साधन<br>व्यवस्थापनसँग सम्बन्धित                      | ३४६२५०००      | ११९७५०००       | २२६५००००    |
| १.२                           | नीति, योजना,<br>ऐन/नियम/कार्यविधि प्रक्रियासँग<br>सम्बन्धित      | ३६५००००       | २१०००००        | १५५००००     |
| १.३                           | मानव संसाधन प्राप्तिसँग<br>सम्बन्धित                             | ९२५०००        | ९२५०००         | ०           |
|                               | जम्मा  | ३९२०००००      | १५००००००       | २४२०००००    |
|                               | प्रतिशत  | १००           | ३६             | ६२          |
| २                             | मानव संसाधन विकास तर्फ   |               |                |             |
| २.१                           | निर्वाचित पदाधिकारीहरूका<br>लागि                                 | १०४६०००       | २६१५००         | ७०४५००      |
| २.२                           | समिति, उपसमितिहरूका लागि   | १२५००००       | ३१२५०००        | ९३७५००      |
| २.३                           | कर्मचारीहरूका लागि   | १४९२०००       | ३७३०००         | १११९०००     |
| २.४                           | सेवाग्राही लक्षित क्षमता विकास                                   | ६०६५००        | १५१६२५         | ४५४८७५      |
| २.५                           | साभेदारहरूको क्षमता विकास  | २४७५००        | ६९८७५          | १८५६२५      |
|                               | जम्मा  | ४६४२०००       | ११,६०,५००      | ३४८१५००     |
|                               | कूल जम्मा रु   | ४३८४२०००      | १,६१,६०,५००    | २,७६,८१,५०० |
|                               | प्रतिशत  | १००           | ३६             | ६४          |

# विषय सूची

|   |    |
|---|----|
| परिच्छेद १: परिचय .....   | १  |
| १.१ पृष्ठभूमि .....   | १  |
| १.२ क्षमता विकास योजनाको औचित्य .....                                 | ३  |
| १.३ क्षमता विकास योजनाको उद्देश्य .....                               | ४  |
| १.४ क्षमता विकास योजनाको तयारीका नीतिगत तथा कानूनि आधारहरु .....      | ४  |
| १.५ क्षमता विकास योजना तर्जुमा प्रकृया .....                          | ५  |
| परिच्छेद २: वराहपोखरी गाउँपालिकाको परिचय .....                        | १० |
| २.१ गाउँपालिकाको संक्षिप्त परिचय .....                                | १० |
| २.२ सगाठन संरचना .....  | १८ |
| परिच्छेद ३: क्षमता विकासको समग्र लेखाजोखा .....                       | १९ |
| ३.१ संस्थागत क्षमता विकास तीन आयाम .....                              | १९ |
| ३.२ वराहपोखरी गाउँपालिकाको संस्थागत क्षमता विकास लेखाजोखा .....       | १९ |
| ३.३ मानव संसाधनको क्षमता विकास लेखाजोखा .....                         | २० |
| ३.४ सेवा बजारहरूको विकास .....  | २१ |
| परिच्छेद ४: समग्र योजना खाका .....                                    | २२ |
| ४.१ स्थानीय सरकारको क्षमता विकास एक परिचय .....                       | २२ |
| ४.१.२ संस्थागत क्षमता विकास एक परिचय .....                            | २२ |
| ४.१.२ मानव संसाधन विकास एक परिचय .....                                | २२ |
| ४.२ वर्तमान अवस्था: .....   | २३ |
| ४.३ संभावना र अवसर .....  | २३ |
| ४.४ समस्या तथा चुनौती .....   | २३ |
| ४.५ सोच: .....  | २३ |
| ४.६ क्षमता विकासको लक्ष्य .....                                       | २४ |
| ४.७ क्षमता विकासको उद्देश्य .....                                     | २४ |
| ४.८ संस्थागत क्षमता विकासको रणनीति तथा कार्यनीति .....                | २४ |
| ४.९ संस्थागत क्षमता विकासका प्रमुख योजनाहरु .....                     | २५ |
| ४.१० मानव संसाधन विकासका प्रमुख योजनाहरु .....                        | २८ |
| ४.११ प्रमुख उपलब्धिहरु .....  | ३३ |
| ४.४.बजेट बाँडफाँट .....   | ३४ |
| ४.५.स्रोत व्यक्ति र सरोकारवाला पक्षहरू .....                          | ३५ |
| परिच्छेद ५: क्षमता विकास योजना कार्यान्वयन रणनीति र कार्य योजना ..... | ३६ |
| ५.१ पृष्ठभूमि .....   | ३६ |
| ५.२ उद्देश्य .....  | ३६ |
| ५.३ कार्य क्षेत्र .....   | ३६ |
| ५.४ योजना कार्यान्वयनको रणनीति: .....                                 | ३८ |
| ५.५ कार्यान्वयनका सिद्धान्तहरु .....                                  | ३९ |
| ५.६ कार्यान्वयन तालीका प्रथम वर्ष .....                               | ३९ |
| परिच्छेद ६: कार्यक्रम व्यवस्थापन, अनुगमन तथा मूल्यांकन .....          | ४२ |
| ६.१ कार्यक्रम व्यवस्थापन .....  | ४२ |
| ६.२ योजना कार्यान्वयनको अनुगमन तथा मूल्यांकन .....                    | ४२ |
| सन्दर्भ सामाग्रीहरु .....   | ४४ |
| अनुसूचिहरु .....  | ४५ |

## तालिकाहरूको सूची

|  |    |
|--|----|
| तालिका १ वडागत परिवार संख्या र जनसंख्या सम्बन्धी विवरण .....   | १२ |
| तालिका २ जातिगत आधारमा जनसंख्या विवरण .....  | १२ |
| तालिका ३ मातृभाषा अनुसार परिवार संख्याको विवरण .....   | १३ |
| तालिका ४ मुख्य पेशा सम्बन्धी विवरण .....   | १४ |
| तालिका ५ वडागत रुपमा घरको छानाको प्रकार सम्बन्धी विवरण.....  | १५ |
| तालिका ६ सेवा बजारको विवरण .....   | २१ |
| तालिका ७ स्थानीय सरकारको संस्थागत क्षमता विकास योजनाको ढाँचा (अनुसूचि ७ मा आधारित).....                | २५ |
| तालिका ८ स्थानीय सरकारको मानव संसाधन विकास योजनाको ढाँचा (अनुसूचि १० मा आधारित) .....                  | २८ |
| तालिका ९ स्थानीय तहको क्षमता विकासको खर्च सारांश .....   | ३४ |
| तालिका १० क्षमता विकाससँग सम्बन्धित स्रोत व्यक्ति र सरोकारवाला पक्षहरू (अनुसूचि ६ सँग सम्बन्धित) ..... | ३५ |
| तालिका ११ पहिलो वर्षको कार्य योजना .....   | ४० |

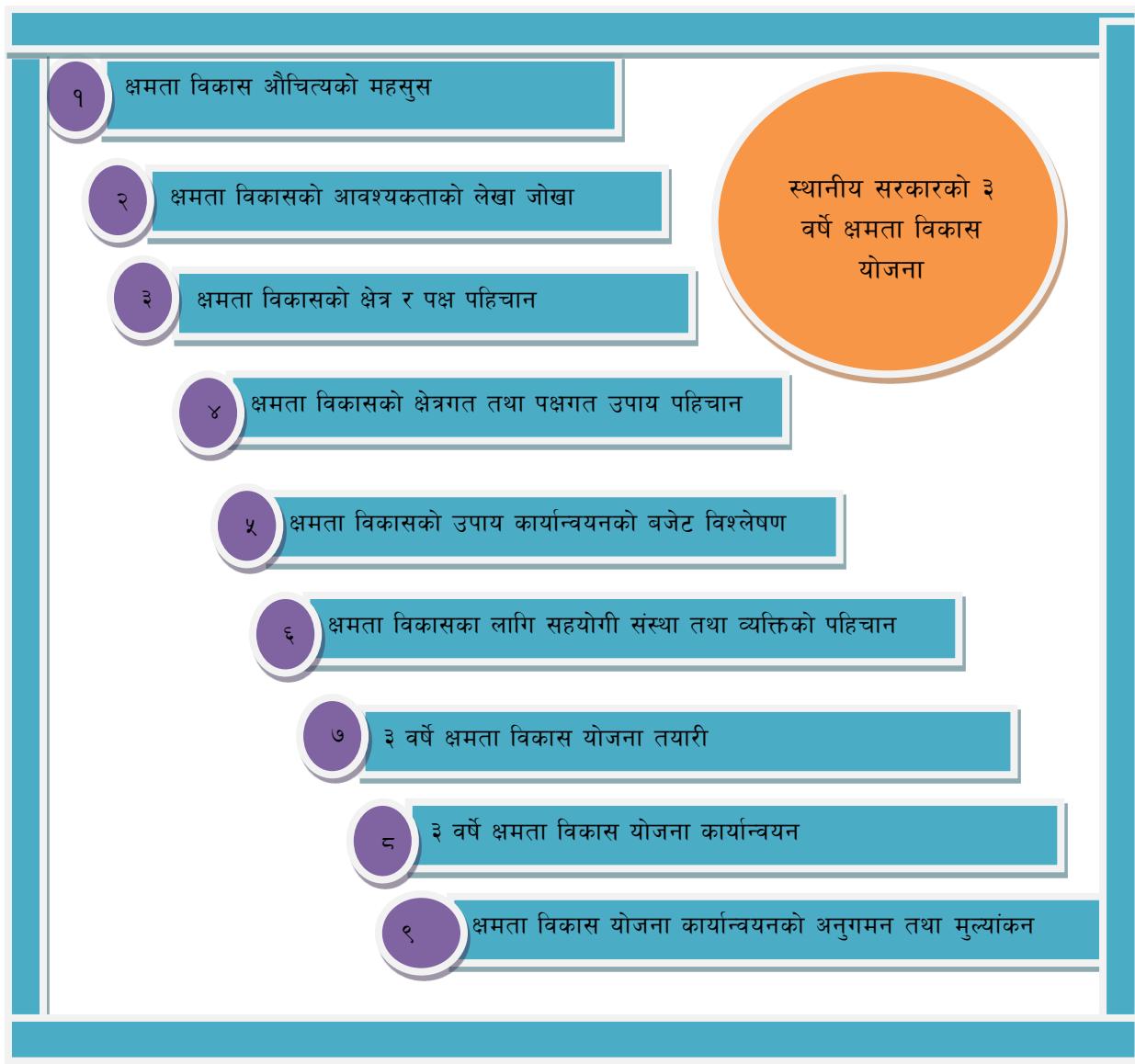
## अनुसूचीहरूको सूची

|  |    |
|--|----|
| अनुसूचि १ स्थानीय सरकारको संस्थागत क्षमता (सञ्चालन व्यवस्थापन) लेखाजोखा संक्षिप्त विवरण..... | ४५ |
| अनुसूचि २ स्थानीय सरकारको संस्थागत क्षमता (नेतृत्व तह) लेखाजोखा .....                        | ५० |
| अनुसूचि ३ आपूर्तिमा आधारित क्षमता विकास आवश्यकता पहिचानका फाराम .....                        | ५२ |
| अनुसूचि ४ स्थानीय सरकारको विद्यमान मानव संसाधनको क्षमता लेखाजोखा फाराम .....                 | ५७ |
| अनुसूचि ५ स्थानीय सरकारको विद्यमान मानव संसाधनको क्षमता लेखाजोखा फाराम .....                 | ६० |
| अनुसूचि ६ क्षमता विकास योजना तयारी कार्यशालामा उपस्थित सहभागीहरू .....                       | ६३ |
| अनुसूचि ७ क्षमता विकास योजना तयारीको क्रममा लिइएका तस्वीरहरू .....                           | ६६ |
| अनुसूचि ८ सम्बन्धित पालिकाले अन्तिम प्रतिवेदन प्राप्त गरेको पत्र .....                       | ६७ |

# परिच्छेद १: परिचय

## १.१ पृष्ठभूमी

स्थानीय सरकारको संस्थागत क्षमता विकास एक प्रकृया हो जसका माध्यमबाट स्थानीय सरकाको संस्थागत विकास र कार्यरत कर्मचारी, प्रतिनिधि र साभेदार लगायत लक्षित समूह सम्मका सेवालाई प्रभावकारी बनाउने उपायहरूको खोजि गरी योजना बनाएर सोको कार्यान्वयनकाबाट संस्थागत सेवा प्रवाहलाई चुस्त, छिटो, सरल, कम भण्फटिलो तथा पारदर्शी बनाउन सकिन्छ। सामान्यतया क्षमता विकास योजना बनाउँदा निम्न कार्यहरूलाई ध्यान दिईन्छ।



नेपालको संविधान अन्तर्गत स्थापित स्थानीय सरकारहरूले आफ्नो भूमिका निर्वाह गर्दै जवाफदेहितालाई दिगो ढंगले वहन गर्न उनीहरूले काम गर्ने तौरतरिका तथा योजना तर्जुमाको शैली र चिन्तन परिवर्तित सन्दर्भ अनुरूप प्रभावकारी र परिणाममुखी हुनु आवश्यक छ। यिनै विषयहरूलाई सम्बोधन गर्न स्थानीय सरकारका अवयवहरूको (संस्थागत र संगठनात्मक व्यवस्था, मानव संसाधन तथा भौतिक पूर्वाधार) क्षमतामा सुधार

ल्याउन आवश्यक छ । मानविय सीप र क्षमताको अधिकतम उपयोग गर्दै काममा नयाँपन तथा शैलीलाई सिर्जनशील एवम् परिणाममुखी नवनाइसम्म सेवा प्रवाह गर्ने निकायहरूको संस्थागत क्षमताको दीर्घकालीन विकास हुँदैन । स्थानीय सरकारद्वारा प्रवाह गरिएका सेवा, सुविधा तथा वस्तु आमनागरिकका अपेक्षा र चाहना अनुरूपका हुन सकेन् भने त्यसले जननिर्वाचित प्रतिनिधि र कर्मचारी संयन्त्रप्रति विश्वसनीयता घट्नुका साथै राज्य र व्यवस्थाप्रति पनि नागरिकहरूमा नैराश्यता बढ्छ । तसर्थ, सबै स्थानीय सरकारले मानव संसाधन, विधि र कार्य प्रणाली तथा संस्थागत क्षमताको क्रमिक रूपमा वृद्धि गरी नागरिकप्रति पूर्णरूपमा उत्तरदायी स्थानीय सरकारको रूपमा काम गर्न आवश्यक छ ।

संघीयताको सफल कार्यान्वयनमा स्थानीय तहको योजना तर्जुमाको महत्वपूर्ण भूमिका हुने भएकाले यो क्षमता विकास दिग्दर्शन तयार गरिएको छ । स्थानीय सरकारलाई आवश्यकतामा आधारित क्षमता विकास योजना तर्जुमा गर्न तथा उक्त योजनाको कार्यान्वयनबाट नागरिकहरूका लागि मितव्ययी तरिकाले गुणात्मक सेवा प्रदान गर्न सहज होस् भन्ने अभिप्रायले स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनको दफा ११४ बमोजिम संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयबाट तयार भएको “क्षमता विकास योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७६” अनुरूप यो वराहपोखरी गाउँपालिकाको ३ वर्षे क्षमता विकास योजना तयार गरिएको छ ।

नेपालका स्थानीय तहहरु नगरिकका घरदैलोका सरकार हुन् । नेपालको संविधानले स्थानीय तहलाई प्रशस्त विधायिकी, न्यायिक र कार्यकारी अधिकार प्रदान गरेको हुदा सबै स्थानीय तहहरु संस्थागत रूपमा सबल, पूर्ण प्रजातान्त्रिक, कुशल नेतृत्वका र पूर्ण जिम्मेवारीका साथ प्रभावकारी ढंगले सेवा प्रवाह गर्न सक्षम हुनु जरुरी छ ।

देशको भूगोल र जनता स्थानीय सरकार नजिक भएका हुदा स्थानीय तहहरु नागरिकको जीवनस्तर सुधारका लागि एकिकृत कार्य गर्ने जिम्मेवार निकाय भनिएका हुन् । सविधान प्रदत्त एकल र साभा अधिकार र जिम्मेवारीहरूलाई कुशल रूपमा सम्पादन गरी नागरिकहरूलाई छिटो, छरितो, कम भन्कटिलो, पारदर्शी र गुणात्मक सेवा प्रवाह प्रवाह गर्ने जिम्मेवारी र दायित्व स्थानीय सरकारको कार्यक्षेत्रमा रहेको छ । स्थानीय सरकारका अधिकार र जिम्मेवारीहरू कर्तिको कुशल रूपमा सम्पादन हुन्छन भन्ने कुरा विभिन्न पदीय जिम्मेवारीमा रहेका कर्मचारी तथा जननिर्वाचित प्रतिनिधिहरूको क्षमतामा भर पर्दछ । तर अधिकांश स्थानीय सरकारहरु बहुआमिक चुनौतिको सामन गर्नुपर्ने अवस्थामा छन् । तीमध्ये कर्मचारी तथा प्रतिनिधिमा क्षमताको कमी अधिक भएको पाईन्छ ।

स्थानीय सरकारबाट सञ्चालन गरिने सामाजिक, आर्थिक, वातावरणीय गतिविधि तथा पूर्वाधार विकास निर्माणका कार्यहरूलाई दिगो र परिणाममुखी बनाउनुपर्ने कानूनी र नैतिक दायित्व रहेको तर जिम्मेवारीका अनुपातमा पूर्ण कार्य क्षमतामा कमि हुदा सेवा प्रवाह चुस्त नहुने अवस्था छ । नागरिकका न्युनतम आवश्यकता पहिचान गर्न पनि कठिनाइ हुन्छ, । विकासका कार्यहरूको प्राथामिकिकरणमा तथा समृद्धिको यात्रा काँहाबाट सुरु गर्ने भन्नेमा अलमल हुन्छ । विकास प्रशासनका विभिन्न नवीनतम् आयाम, प्रविधि र मान्यता अनुसार स्थानीय सरकारलाई क्रमिक रूपमा प्रविधियुक्त बनाउदै नागरिकहरूको आशा र अपेक्षा अनुसार काम गर्न नसकिने अवस्था आउँछ ।

यसै परिप्रेक्षलाई ध्यानमा राखि स्थानीय तहका कर्मचारी तथा निर्वाचित प्रतिनिधिहरूको क्षमता विकास र कार्य सम्पादनमा सुधार लगायतका प्रदेश सरकारका कार्यक्रम कार्यान्वयनमा सहजिकरण गर्दै अन्य संस्थागत सुधार लगायतका कार्य गर्न प्रदेश प्रशिक्षण केन्द्र, प्रदेश नं. १ समेतको आर्थिक सहयोगमा खोटाड जिल्लाको वराहपोखरी गाउँपालिकाको ३ वर्षे क्षमता विकास योजना तयार गर्न वराहपोखरी गाउँपालिका र गोरखकाली

मनकामना अध्ययन तथा अनुसन्धान केन्द्र, सानोठिमी, भक्तपुर बिच मिति: २०७८/१२/२३ मा सम्झौता भएको हो ।

## १.२ क्षमता विकास योजनाको औचित्य

नेपालको संविधान अनुसार स्थानीय सरकारहरु नागरिकको धरदैलोका सरकारी निकाय हुन, जसलाई संविधानले विधायिकी, कार्यकारी र न्यायिक अधिकारहरु प्रदान गरेको छ । यिनीहरु संस्थागत रूपमा स्थापित सरकार भएर मात्र पुग्दैन । देशको संघियता बलियो र सुशासित बनाउन यिनीहरुले प्रजातान्त्रिक मूल्य र मान्यता स्थापित गर्दै नागरिकको जीवनस्तर सुधारका लागि सुशासन सहित विकास र सेवा प्रवाहको वातावरण तयार गरि सबैले महशुस गर्ने गरी विकास तथा सेवा प्रवाहमा, प्रभावकारिता सहित समृद्धि को यात्रामा अगाडी बढ्नुपर्ने हुन्छ ।

स्थानीय सरकारहरु संस्थागत रूपमा स्थापित त भए । तर परिवर्तन पछिको बढ्दो जनअपेक्षा अनुसार कार्य गर्न संस्थागत क्षमता र मानव संसाधनको क्षमता बढि महत्वपूर्ण हुन्छ । यसको विकासमा धेरै काम गर्न बाँकी छ ।

वराहपोखरी गाउँपालिकाको क्षमता विकास योजना तयार गर्नुको मूल कारण स्थानीय सरकारबाट सञ्चालन गरिने सामाजिक, आर्थिक, वातावरणीय गतिविधि तथा पूर्वाधार विकास निर्माणका कार्यहरूलाई दिगो र परिणाममुखी बनाउन तथा संस्थागत विकास, सेवा प्रवाह र सुशासनको सुनिश्चितता कायम गर्न संस्थागत संरचनामा भएको कमी तथा विविध विषयको जिम्मेवारीमा बसेका कर्मचारी, निर्वाचित प्रतिनिधि तथा सरोकारवालाहरुको क्षमतामा रहेको कमीलाई पहिचान गरी सो कमी पुरा गर्न संस्थागत र मानव संसाधन विकासका लागि उपायहरुको खोजि र कार्यान्वयनको खाका तयार गर्नु अपरिहार्य भएको छ ।

त्यसैगरी विकास प्रशासनका विभिन्न नवीनतम आयाम, प्रविधि र मान्यता अनुसार स्थानीय सरकारलाई क्रमिक रूपमा प्रविधियुक्त बनाउदै नागरिकहरुको आशा र अपेक्षा अनुसार काम गर्नसक्ने गरी स्थानीय सरकारको संस्थागत क्षमता विकासका साथै आपूर्ति र माग दुवैमा आधारित क्षमता विकास कार्यक्रम सञ्चालन गरी आवश्यकता बोध गरेका क्षेत्रमा ज्ञान, सीप र धारणा विकास तथा जनउत्तरदायी शासन प्रणाली स्थापित गर्न आवश्यक रहेको हुदा पनि यो योजना बनाउनु परेको हो । यसलाई निम्न अनुसार सक्षेपिकरण गरिएको छ ।

- १ स्थानीय सरकारबाट सञ्चालन गरिने विकासका विविध आयामहरु दिगो र परिणाममुखी बनाउन ।
- २ संस्थागत विकास, सेवा प्रवाह र सुशासनको सुनिश्चितता कायम गर्न ।
- ३ संस्थागत संरचनामा भएको कमी पहिचान गरी परिपूर्तिको उपाय पहिचान र कार्यान्वयन गर्न ।
- ४ जिम्मेवारीमा बसेका कर्मचारी, प्रतिनिधि तथा सरोकारवालाहरुमा रहेको कमी र सुधारका उपाय खोजि र कार्यान्वयन खाका तयार गर्न ।
- ५ विकास प्रशासनका नवीनतम आयाम, प्रविधि र मान्यता अनुसार स्थानीय सरकारलाई क्रमिक रूपमा प्रविधियुक्त बनाउदै लैजान ।
- ६ नागरिकहरुको आशा र अपेक्षा अनुसार काम गर्न सक्ने गरी आपूर्ति र माग दुवैमा आधारित क्षमता विकास गर्न ।

## १.३ क्षमता विकास योजनाको उद्देश्य

वराहपोखरी गाउँपालिकको विभिन्न जिम्मेवारी सहित पदमा रहेका कर्मचारी तथा नेतृत्व तहको जिम्मेवारीका अनुपातमा आवश्यक मात्रामा क्षमतामा कमी हुदा सेवा प्रवाह चुस्त नहुने अवस्था सक्छ, र नागरिकका न्युनतम् आवश्यकता पहिचान गर्न नसकि विकासका कार्यहरुको प्राथामिकिकरणमा अलमल भै समृद्धिको यात्रामा कठिनाई पर्न जाने अवस्थालाई संवोधन गर्न जरुरी छ ।

यो योजना तयार गर्नुको मूल उद्देश्य योजनाको कार्यान्वयनबाट वराहपोखरी गाउँपालिकाको कार्य सम्पादनमा सुधार ल्याउने हो । साथै यस क्षमता विकास योजना तर्जुमाको अर्को उद्देश्य विकास प्रशासनका विभिन्न नवीनतम् आयाम, प्रविधि र मान्यता अनुसार स्थानीय सरकारलाई क्रमिक रूपमा प्रविधियुक्त बनाई संस्थागत विकास गरी नागरिकहरुको आशा र अपेक्षा अनुसार काम गर्नसक्ने बनाउन संस्थागत क्षमता र मानव संसाधनमा रहेको क्षमताको कमीलाई पहिचान गरी क्षमता विकासका उपायहरुको खोज तथा विश्लेषण गरी ३ वर्षे योजना खाका (२०७९/२०८०-२०८१/२०८२) तयार गर्नु हो । यसको अन्य उद्देश्यहरु यस प्रकार छन्,

- स्थानीय सरकारको सबल र कमजोर पक्षहरूको पहिचान लगायत संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मंत्रालयबाट तयार पारिएको क्षमता विकास योजना तर्जुमा सम्बन्धि दिग्दर्शन, २०७६ को विधि र प्रकृया अपनाई संविधान तथा प्रचलित कानूनहरूबाट स्थानीय सरकारलाई प्राप्त अधिकार अनुरूप जनउत्तरदायीपूर्ण ढंगबाट कार्यसम्पादन गर्नका लागि संस्थागत र मानव संसाधनको क्षेत्रमा रहेको अभाव पहिचन र सोको परिपूर्ति गर्न क्षमता विकासका आश्वयक उपायहरुको सहभागितामूलक ढंगबाट पहिचन गरी विस्तृत योजना खाका तयारी गर्नु ।
- यो योजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक स्रोत साधनको आँकलन र परिपूर्तिका विभिन्न स्रोत र उपायहरुको खोजि गर्ने ।
- प्रभावकारी सेवा प्रवाहका लागि आवश्यक ज्ञान, सीप, धारणा र विद्यमान क्षमता वीचको फरक पहिचान र आवश्यकतामा आधारित क्षमता विकासका कार्यक्रम तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्न मार्गदर्शन गर्नु ।

## १.४ क्षमता विकास योजनाको तयारीका नीतिगत तथा कानूनि आधारहरु

यो क्षमता विकास योजना तयार गर्दा नेपालको संविधानमा उल्लेखित मौलिक हक र कर्तव्य, नीति र निर्देशक सिद्धान्त र संविधानको अनुसूचि ८ र ९ मा उल्लेखित स्थानीय सरकारहरुका एकल र साभा अधिकारहरुको उपयोग गर्नुपर्ने कुराहरुलाई मध्यनजर गरिएको छ ।

क्षमता विकास योजना तयारीका क्रममा नेपालको संविधानले अंगिकार गरेका धाराहरु, भाग ३ मौलिक हक र कर्तव्य सम्बन्धि समानताको हक (धारा १८), सम्पत्तिको हक (धारा २५), सूचनाको हक (धारा २७), शिक्षा सम्बन्धी हक (धारा ३१), रोजगारीको हक (धारा ३३), श्रमको हक (धारा ३४) स्वास्थ्य सम्बन्धी हक (धारा ३५), खाद्य सम्बन्धी हक (धारा ३६), आवासको हक (धारा ३७), महिलाको हक (धारा ३८), बालबालिकाको हक (धारा ३९), दलितको हक (धारा ४०) जेष्ठ नागरिकको हक (धारा ४१), सामाजिक न्यायको हक (धारा ४२), सामाजिक सुरक्षाको हक (धारा ४३) र उपभोक्ताको हक (धारा ४४) लाई यथेष्ट ध्यान दिईएको छ ।

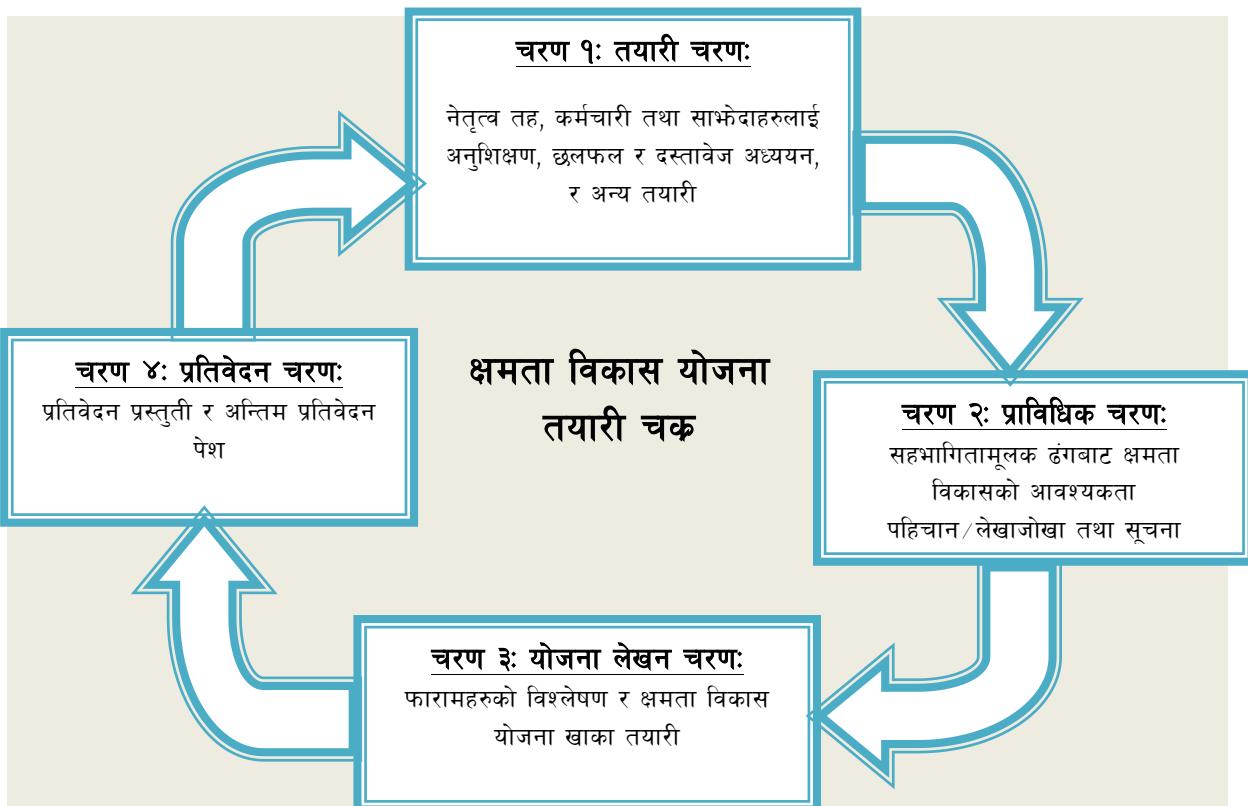
किनभने स्थानीय सरकारहरु प्रत्यक्ष वा परोक्ष रूपमा यी जनसरोकारका विषयहरु र यसका सेवा प्रवाहमा जोडिएका हुन्छन् ।

त्यसैगरी भाग ४ राज्यको निर्देशक सिद्धान्त, नीति तथा दायित्व सम्बन्धी धारा ५० अनुसारका सिद्धान्तहरु र धारा ५१ विकास सम्बन्धी नीति, प्राकृतिक साधन स्रोतको संरक्षण र उपयोग सम्बन्धी नीति, नागरिकका आधारभूत आवश्यकता सम्बन्धी नीति, श्रम र रोजगार सम्बन्धी नीति, सामाजिक न्याय र समावेशीकरण सम्बन्धी नीति, न्याय र दण्ड सम्बन्धी नीति, पर्यटन सम्बन्धी नीति र अन्तराष्ट्रिय सम्बन्ध सम्बन्धी नीतिगत पक्ष समेतलाई ध्यानमा राखिएको छ । स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ को दफा १०२ को २ मा उल्लेख भए बमोजिम स्थानीय सरकारले आफूलाई आवश्यक पर्ने ऐन तथा नीति नियम बनाउनुपर्ने सन्दर्भलाई पनि ख्याल गरिएको छ ।

## १.५ क्षमता विकास योजना तर्जुमा प्रकृया

क्षमता विकास योजना तयारी एक पटक र सामान्य ढंगले हुने कुरा होइन । यसको प्रयोजनका लागि निश्चित चार चरणका कार्यहरु गरी योजना तर्जुमा पुरा गरिएको छ । जुन तल चित्रमा दिईएको छ ।

### क्षमता विकास योजना तयारी चक्र



### चरण १: तयारी चरण:

२०७८ चैत्र २३ गते वराहपोखरी गाउँपालिका, खोटाड र गोरखकाली मनकामना अध्ययन तथा अनुसन्धान केन्द्र, सानोठिमी, भक्तपुर विच कार्य सम्झौता पश्चात् तयारी चरणको सुरुवातमा दस्तावेज अध्ययन र अन्य तयारीका साथ गाउँपालिकासँग भर्चुअल माध्यमबाट छलफल गरी कार्यतालिकामा सहमती गरियो ।

## चरण २: प्राविधिक चरण

क्षमता विकास योजना तयारीका लागि प्राविधिक चरणमा निम्न कार्यहरु सम्पादन गरिएको थियो ।

### सह चरण १

क्षमता विकास समन्वय समिति गठन: २०७८ चैत्र २४ गते

### सह चरण २

क्षमता विकासको योजना तर्जुमा प्रक्रियाबारे एक दिने अभिमुखीकरण: २०७८ चैत्र २४ गते

### सह चरण ३

मागमा आधारित संस्थागत क्षमता विकास आवश्यकताको लेखाजोखा: २०७८ चैत्र २४ गते देखी माघ ५ गतेसम्म

### सह चरण ४

नेतृत्व तहको क्षमता विकास आवश्यकताको लेखाजोखा: २०७८ चैत्र २४ गते देखी २०७९ वैशाख १५ गते सम्म

### सह चरण ५

आपूर्तिमा आधारित क्षमता विकास आवश्यकताको लेखाजोखा: २०७८ चैत्र २४ गते देखी २०७९ वैशाख १५ गतेसम्म

### सह चरण ६

क्षमता विकाससँग सम्बन्धित स्रोत व्यक्ति र सरोकारपक्षहरूको पहिचान: २०७८ चैत्र २४ गते देखी २०७९ वैशाख १५ गतेसम्म

### सह चरण ७

संस्थागत क्षमता विकास योजना कार्यान्वयनको समय र बजेट आँकलन तथा लागत व्यहोर्ने स्रोत पहिचान

### सह चरण ८

शाखागत र विषयगत रूपमा मानव संशाधनको क्षमता लेखाजोखा: २०७८ चैत्र २४ गते देखी २०७९ वैशाख १५ गते सम्म

### सह चरण ९

मानव संशाधन विकास योजना कार्यान्वयनको समय र बजेट आँकलन तथा लागत व्यहोर्ने स्रोत पहिचान: २०७८ चैत्र २४ गते देखी २०७९ वैशाख १५ गते सम्म

क्षमता विकास योजना तयारीमा यो प्रमुख चरण हो । यो चरणमा स्थानीय सरकारका कर्मचारी, निर्वाचित प्रतिनिधीहरु र अन्य सरोकारवालाहरूसँग प्रत्यक्ष भेटघाट, छलफल, अनुशिक्षण लगायत संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मंत्रालयबाट तयार पारिएको क्षमता विकास योजना तर्जुमा सम्बन्धित दिग्दर्शन, २०७६ मा उल्लेखित फारमहरु प्रयोग गरी क्षमता लेखाजोखा तथा क्षमता विकासका आवश्यकता पहिचान गरिएको थियो । यो चरण पुरागर्न विभिन्न सहचरणहरूको उपयोग गरिएको थियो ।

### १. क्षमता विकास समन्वय समिति गठन

क्षमता विकास योजना तयारी दिग्दर्शन, २०७६ ले निर्दिष्ट गरेका जिम्मेवारीहरूका लागि कार्यपालिकाका सदस्यहरु समेत सहभागी रहेका अनुशिक्षणका सहभागीहरूको निर्णयबाट निम्न अनुसारको क्षमता विकास समन्वय समिति गठन गरेको थियो :

## सुशासन समिति

संयोजक, सालिग्राम बन्जारा, गाउँ पालिका अध्यक्ष  
सदस्य, मान बहादुर वन, प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत  
सदस्य, रमेश पोखरेल, प्रशासन सहायक  
सदस्य, गणेश परियार, कार्यपालिका सदस्य  
सदस्य सचिव, सुजिब तामाड, सूचना प्रविधि शाखा

### २. क्षमता विकासको योजना तर्जुमा प्रक्रियाबारे एक दिने अभिमुखीकरण

मिति २०७८ चैत्र २४ का दिन निर्वाचित प्रतिनिधि, पालिका कर्मचारी, साभेदार संस्थाका प्रतिनिधि गरी जम्मा ४५ जनाको उपस्थितिमा एकदिने अनुशिक्षण संचालन गरियो । सो अनुशिक्षण पश्चात् विभिन्न चरणको छलफलबाट निम्न अनुसारको लेखाजोखा गरियो :

#### २.१ मागमा आधारित संस्थागत क्षमता विकास आवश्यकताको लेखाजोखा

क्षमता विकास योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७६ को अनुसूचि २ मा तोकिएको ढाँचा अनुसारका पाँच वटा विषयगत क्षेत्रमा सम्बन्धित महाशाखा/शाखा/एकाईका प्रमुखहरू सानो-सानो समूहमा छलफल गराई स्व-मूल्यांकन विधिबाट संस्थागत क्षमता लेखाजोखाका लागि विवरण संकलन गरी संकलित विवरणहरूको विश्लेषणबाट गाउँपालिकाका लागि आवश्यक महसुस गरिएका मागमा आधारित संस्थागत क्षमता विकासको आवश्यकता पहिचान गरियो ।

#### २.२ नेतृत्व तहको क्षमता विकास आवश्यकताको लेखाजोखा:

वराहपोखरी गाउँपालिकाका उपाध्यक्ष लगायत वडा अध्यक्ष, कार्यपालिका सदस्य र गठित समिति, उपसमितिका संयोजकहरूको लागि पनि सानो-सानो समूहमा संवाद गरी क्षमता विकास योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७६ को अनुसूचि ३ मा तोकिएको ढाँचा अनुसार नेतृत्व क्षमता लेखाजोखाका लागि स्व-मूल्यांकन विधिबाट विवरण संकलन गर्ने कार्य गरि नेतृत्व तहले आवश्यकता महसुस गरेको संस्थागत क्षमता विकासको आवश्यकता पहिचान गरियो ।

#### २.३ आपूर्तिमा आधारित क्षमता विकास आवश्यकताको लेखाजोखा:

सीमित संख्यामा पालिकाका पदाधिकारीहरू सँगै बसेर कार्य सम्पादन अवस्थाको अवलोकन गर्दै सम्पादन गरेका कार्यहरूको समीक्षा गर्दै स्थानीय सरकारको संस्थागत स्व-मूल्यांकन दस्तावेजहरूको नतिजाको अध्ययन गरि अनुसूचि ५ को उपयोगबाट आपूर्तिमा आधारित क्षमता विकास आवश्यकताको लेखाजोखा गरिएको थियो ।

## २.४ क्षमता विकाससँग सम्बन्धित स्रोत व्यक्ति र सरोकारपक्षहरूको पहिचान

योजना तर्जुमाकै समयमा सहभागितामूलक विधि र हाम्रो अनुभवका आधारमा अनुसूचि-६ अनुसार विभिन्न प्रकारका क्षमता विकास कार्यका लागि आवश्यक पर्ने स्रोत व्यक्ति र सरोकारवालाहरूको पहिचान गरिएको थियो ।

## २.५ संस्थागत क्षमता विकास योजना कार्यान्वयनको समय र बजेट आँकलन तथा लागत व्यहोर्ने स्रोत पहिचान

संस्थागत क्षमता विकासका लागि क्षमता विकासको प्रकृति अनुसारको समय र स्रोत व्यक्ति वा संस्था आवश्यक पर्ने हुदा छलफलकै माध्यमबाट समय निर्धारण गरियो र आवश्यक बजेटको हकमा कर्मचारी बढि अनुभवि हुने हुँदा अधिकांस बजेट आँकलन उनिहरूको अनुभवबाट र पहिचान गरिएका क्षमता विकाससँग सम्बन्धित स्रोत व्यक्ति र सरोकारवाला पक्षहरूसँगको संवादका माध्यमबाट तय गरिएको थियो । त्यसैगरी आवश्यक पर्ने लागत व्यहोर्ने स्रोत पनि छलफलबाटै तय गरिएको थियो ।

## २.६ शाखागत र विषयगत रूपमा मानव संसाधनको क्षमता लेखाजोखा

पदाधिकारी र कर्मचारी सँगको छलफलका आधारमा दिग्दर्शनको अनुसूचि-८ अनुसार स्थानीय सरकारको शाखागत रूपमा रूपमा विद्यमान मानव संसाधनको क्षमता लेखाजोखा गरि ज्ञान, सीप र दक्षता वृद्धिका लागि अपेक्षा गरिएको क्षमता विकास कार्यक्रम (विषयवस्तु) शाखाकै कर्मचारीहरूबाट प्रस्ताव गरियो ।

## २.७ मानव संसाधन विकास योजना कार्यान्वयनको समय र बजेट आँकलन तथा लागत व्यहोर्ने स्रोत पहिचान

मानव संसाधन विकासका लागि पनि क्षमता विकासको प्रकृति अनुसारको समय र स्रोत व्यक्ति वा संस्था आवश्यक पर्ने हुदा छलफलकै माध्यमबाट समय निर्धारण गरियो र आवश्यक बजेटको हकमा मानव संसाधन विकासका लागि पनि कर्मचारी र पहिचान गरिएका क्षमता विकाससँग सम्बन्धित स्रोत व्यक्ति र सरोकारवाला पक्षहरूसँगको संवादका माध्यमबाट आवश्यक लागत तय गरिएको थियो । त्यसैगरी आवश्यक पर्ने लागत व्यहोर्ने स्रोत पनि छलफलबाटै तय गरिएको थियो ।

## चरण ३: संस्थागत क्षमता विकास र मानव संसाधन विकास योजना लेखन चरण:

उपरोक्त विभिन्न स्तरको अध्ययन, स्वमूल्यांकन तथा विश्लेषणपछि क्षमता विकास योजना तर्जुमा सम्बन्धित दिग्दर्शन, २०७६ को अनुसूचि ७ र १० मा उल्लेख भएको फारामको ढाँचामा स्थानीय सरकारको संस्थागत क्षमता विकास योजना र स्थानीय सरकारको मानव संसाधन विकास योजना तयार गरियो र सोको आधारमा समग्ररूपमा स्थानीय सरकारको ३ वर्षे क्षमता विकास योजना तयार गरियो ।

## चरण ४: प्रस्तुति र प्रतिवेदन चरण

४.१ प्रारंभिक प्रगतिबारे प्रस्तुती: वराहपोखरी गाउँपालिकामा अध्ययन तथा क्षमता लेखाजोखा र क्षमता विकासका उपायहरूको पहिचान गर्ने, आवश्यक लागत तय गर्ने तथा कार्यान्वयनको समय सीमा र लागत व्यहोर्ने स्रोत पहिचान पछि को संश्लेषण गरी पालिका तहमामा प्रारंभिक उपलब्धी र प्रगतिबारे भर्चुअल माध्यमबाट प्रस्तुति गरीयो ।

४.२ क्षमता विकास योजनको मस्यौदा प्रतिवेदन तयारी र प्रस्तुतीः क्षमता लेखाजोखा र क्षमता विकासका उपायहरुको पहिचान गर्ने, आवश्यक लागत तय गर्ने तथा कार्यान्वयनको समय सीमा र लागत व्यहोर्ने स्रोत पहिचानपछिको समग्र विश्लेषण गरी मस्यौदा प्रतिवेदन तयार गरी आवश्यक अध्ययन र सुभावका लागि पालिका र प्रदेश प्रशिक्षण केन्द्र, प्रदेश नं. १ मा पठाईएको थियो ।

#### ४.४ अन्तिम प्रतिवेदन पेशः

सुभावका लागि पठाईएको प्रतिवेदन माथि २०७९ वैशाख २१ गते गाउँपालिकामा छलफल गरी सुभाव संकलन गरियो र उपलब्ध सुभावहरुलाई प्रतिवेदनमा समायोजन गरी अन्तिम प्रतिवेदन वराहपोखरी गाउँपालिका र प्रदेश प्रशिक्षण केन्द्र, प्रदेश नं. १ मा पेश गरिएको छ ।

## परिच्छेद २: वराहपोखरी गाउँपालिकाको परिचय

पालिकाको वर्तमान क्षमता विश्लेषण र विकासका आवश्यकता पहिचान गरी क्षमता विकास योजना तर्जुमा गर्न वर्तमान अवस्थामा वराहपोखरी गाउँपालिकाको संक्षिप्त वस्तुस्थिति र वर्तमानको भौतिक स्रोत साधन र मानव संसाधनको संस्थागत संरचनाको बढि सान्दर्भिक रहन्छ । यस परिच्छेदमा पालिकाको संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत गरिएको छ ।

### २.१ गाउँपालिकाको संक्षिप्त परिचय

हिन्दू धर्मावलम्बीहरूको महत्वपूर्ण धार्मिक क्षेत्रको रूपमा परिचित वराहपोखरीकै नामबाट नामाङ्कित यस गाउँपालिका जिल्लाकै चिसो क्षेत्रमा अवस्थित छ । यो खोटाड जिल्लाको दक्षिण पूर्वी भूभागमा रहेको राकुली खोला र टोवा खोलाको दोभानमा समुन्द्र सतहबाट करिब १६१ देखि १८२६ मिटरको उचाइमा अवस्थित छ । साविक वराहपोखरी गा.वि.स. अन्तर्गत पर्ने वराहपोखरी ताल यस गाउँपालिकाको उत्तरी भेगमा अवस्थित छ । पर्यटकीय दृष्टिकोणले समेत महत्वपूर्ण मानिएको यस वराहताललाई स्थानीय भाषामा ‘वहा पोखरी’ भनिन्छ ।

मनोरम प्राकृतिक सौन्दर्यले भरिएको वराहपोखरी स्थानीय किम्बदन्ती अनुसार यस क्षेत्रमा परापूर्व कालमा १२ वटा घरहरु रहेको र त्यसमध्ये एउटा घर राई समुदायका धामी भाकीको काम गर्ने विजुवा बिजुइन बस्थे । एक रात बाह्र बहिनी मध्येकी एक बहिनीले “हामी पोखरी यहाँ सर्दैछौं तिमीहरुले यो ठाउँ छोडिदेऊ” भनेको त्यहाँ बस्ने विजुवाले सपना देखेछन् । तर ती बिजुवाले सपनाको कुरा वास्ता गरेनन् । २/३ दिन पछाडी विहानै विजुवाको घरमा एउटा भ्यागुता निस्कियो । विजुवाले त्यस भ्यागुतोलाई मारिदिए । एकछिन पछि रातो माछा निस्कियो । त्यस माछालाई पकाएर खाइदिए । त्यसपछि एकै क्षणमा पानी निस्किएर जलमग्न भयो र त्यहाँ भएका सबै १२ वटै घर ढुबायो र सबै मानिस मरे । १२ वटा घरहरु ढुबेको कारणले गर्दा यस पोखरीको नाम वाराहापोखरी रहन गएको भन्ने एउटा किम्बदन्ती छ ।

अर्को किम्बदन्ती अनुसार १२ बहिनी पोखरीमध्ये यो पोखरी कान्छी बहिनी रहेको हुदा यस पोखरीको नाम वाराहापोखरी रहन गएको भन्ने भनाइ रहेको छ । त्यस्तै अर्को किम्बदन्ती अनुसार भगवान विष्णुले राक्षससँग लडाइ गर्दा भाने क्रममा यो ठाउँमा जलक्रिडा गर्नको लागि बराहा अवतार लिएर जलक्रिडा गरिरहेको बेला राक्षसले देखेपछी भगवान विष्णु पोखरीको मुनिबाट भुल्के भन्ने ठाउँमा निस्केर चार पाँच कोष पर सुनकोशी नदीको दोभानबाट पौडिदै बराहा क्षेत्र पुग्नु भएको कारणले गर्दा यस ठाउँको नाम वाराहापोखरी रहन गएको हो भन्नेपनि रहेकोछ । यसै प्रसिद्ध ठाउँको नामबाट वराहपोखरी गाउँपालिकाको समेत नामकरण भएको छ ।

वराहपोखरी गाउँपालिका खोटाड जिल्लाका १० वटा स्थानीय तहमध्ये प्राकृतिक स्रोत साधन र सुन्दरताले भरिपूर्ण एक प्रमुख गाउँपालिका हो । यो गाउँपालिका खोटाड जिल्ला सदरमुकाम दिक्तेल (रुपाकोट मझुवागढी नगरपालिका) देखि अन्तिम बिन्दु पूर्वदक्षिण भेगमा अवस्थित छ । वराहपोखरी खोटाड जिल्लाकै अग्ला अग्ला पहाड तथा महाभारत पर्वतले ओगटेगको अत्यन्तै रमणीय र स्वस्थकर मौसम तथा हावापानी भएको गाउँपालिका हो । निर्माणाधीन गाईघाट-दिक्तेल सडकखण्डको दक्षिणपूर्व धाप्लाडघाट व्यापारिक नाकाबाट छिमेकी जन्तेढुङ्गा तथा वराहपोखरी गाउँपालिकासम्मका लागि रणनीतिक महत्व रहेको मुख्य सडकले विचबाट काटेर गएको यो गाउँपालिकाको केन्द्र बाघखोरभञ्ज्याड समुद्री सतहबाट १२५५ मिटरको उचाइमा अवस्थित छ ।

दोस्रो पशुपतिनाथ हलेसी मन्दिर, रूपाकोट मझुवागढी नगरपालिकाको बुझ्पा, खोटेहाड गाउँपालिकाको खोटाड बजार, सिम्पानी बजार, छितापोखरी, इन्द्रेणीपोखरी लगायत खोटाड जिल्लाकै अन्य रमणीय तथा दर्शनीय स्थलहरू तथा भित्री मधेस उदयपुरका प्रमुख स्थल तथा सहरहरू: बेल्टार, बसाहा, गाईघाट, हडिया, रौतामाइ, लिम्चुडबुड र तराईका अन्य जिल्ला मोरडको विराटनगर, सुनसरी जिल्लाको धरान, सप्तकोशी व्यारेज, धनुषा जिल्लाको जनकपुरधाम लगायत काठमाडौंको चन्द्रगिरी पहाड समेतको दृश्यावलोकन गर्न सकिने जिल्लाकै प्रसिद्ध १८२६ मिटर उचाइमा फैलिएको सुनापातल डाँडा रहेको छ;

## अवस्थिती, क्षेत्रफल र भूवनौट

स्थानीय तहको पुनःसंरचना भएसँगै खोटाड जिल्लामा दूई वटा नगरपालिका र आठ वटा गाउँपालिकाहरू कायम भएको थियो । खोटाड जिल्लाको ८ वटा गाउँपालिकाहरू मध्ये वराहपोखरी गाउँपालिका पनि एक हो । खोटाड जिल्लाका १० वटा स्थानीय तहमध्ये प्राकृतिक स्रोत साधन र सुन्दरताले भरिपूर्ण एक प्रमुख यो गाउँपालिका खोटाड जिल्ला सरदरमुकाम दिक्तेल रुपाकोट मझुवागढी नगरपालिका) देखि अन्तिम विन्दु पूर्वदक्षिण भेगमा अवस्थित छ । काठमाडौंबाट वि.पी. राजमार्ग सिन्धुली हुँदै २३८ कि.मि. तथा दिक्तेलबाट ७६.८ किलोमिटर टाढाको दुरीमा अवस्थित वराहपोखरी खोटाड जिल्लाकै अग्ला अग्ला पहाड तथा महाभारत पर्वतले ओगटेगको अन्यन्तै रमणीय र स्वस्थकर मौसम तथा हावापानी भएको गाउँपालिका हो । वराहपोखरी गाउँपालिका खोटाड जिल्ला सदरमुकाम दिक्तेलबाट दक्षिणी भेगमा करीब २१ कोष (६७.२ कि.मि.) को दूरीमा अवस्थीत छ । प्रसिद्ध वराहपोखरीको नामले प्रख्यात यो गाउँपालिका वराहपोखरी तालबाट दक्षिणपट्टि १५ कि.मि.को दूरीमा रहेको बाघखोर भञ्ज्याडमा पर्दछ । साविकका गा.वि.स.हरु कमशः वराहपोखरी, सुन्तले, साउनेचौर, फाक्टाड, पौवासेरा र मौवाबोटे गरी ६ वटा वडामा विभाजित यस गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफल १४१.६ वर्ग किमि रहेको छ । पूर्वमा जन्तेढुङ्गा गाउँपालिका, पश्चिममा उदयपुर जिल्ला, उत्तरमा खोटेहाड गाउँपालिका र दक्षिणमा उदयपुर जिल्लाको चौदण्डीगढी नगरपालिकासँग जोडिएको छ ।

समुन्द्री सतहदेखि करीब १६१ देखि १८२६ मिटरसम्मको उचाईमा रहेको वराहपोखरी गाउँपालिका भौगोलिक अवस्थितिका हिसाबले २६ डिग्री ५२ मिनेट १२ सेकेण्ड उत्तरी अक्षांश र ८६ डिग्री ४५ मिनेट १८ सेकेन्ड देखि ८६ डिग्री ५५ मिनेट २० सेकेन्ड पूर्वी देशान्तरमा फैलिएको छ । प्रमुख पर्यटकीय तथा धार्मिक स्थल शङ्खेश्वरी शिव मन्दिर, वराहपोखरी, वराहपोखरी ताल, सुनापाताल, गोकुलथुम्का, सिन्ताड, घोप्टेथलो, वंशिलाघाट, धाप्लाडघाट, सुनकोशी नदी किनार आदिले यस क्षेत्रलाई विशेष आर्कषणको केन्द्र विन्दु बनाएको छ ।

## जनसंख्या, जातजाती र भाषा

### जनसंख्या:

घरधुरी सर्वेक्षण, २०७५ अनुसार वराहपोखरी गाउँपालिकाको समग्र तथा वडागत आधारमा जनसंख्या १५८९९ र घरपरिवार संख्या २७३० रहेको छ, । यस गाउँपालिकाको वडा नं १ मा अन्य वडाको तुलनामा सबैभन्दा बढी जनसंख्या रहेको छ, भने सबैभन्दा कम जनसंख्या वडा नं ६ मा रहेको छ । त्यस्तै यस गाउँपालिकाको वडागत घरधुरी संख्या सबैभन्दा बढी वडा नं १ मा ७०३ र सबैभन्दा कम वडा नं ६ मा २६६ घरधुरी संख्या रहेका छ ।

## तालिका १ वडागत परिवार संख्या र जनसंख्या सम्बन्धी विवरण

| वडा नं. | घरघुरी | पुरुष | महिला | जम्मा |
|---------|--------|-------|-------|-------|
| १       | ७०३    | २०९४  | १९२६  | ४०२०  |
| २       | ४६५    | १३६२  | १२७२  | २६३४  |
| ३       | ४३४    | १२८६  | ११९९  | २४८५  |
| ४       | ४२६    | १२३५  | ११९५  | २४३०  |
| ५       | ४३६    | १३७३  | १२७४  | २६४७  |
| ६       | २६६    | ८६९   | ८१४   | १६८३  |
| जम्मा   | २७३०   | ८२१९  | ७६८०  | १५८९९ |

श्रोत: घरधुरी सर्वेक्षण, २०७५

### जातजाती:

यस गाउँपालिकामा रहेका कुल जनसंख्याको जातिय बनावट हेर्दा बहु-सम्प्रदायीक जातजातिहरू पाउन सकिन्छ। खासगरी मंगोलियन र आर्य सम्प्रदायहरू अन्तर्गतका विभिन्न जातजातिहरू विगतदेखि नै बसोवास गर्दै आएकाछन्। मंगोलियन सम्प्रदायहरूमा तामाङ्ग, मगर, गुरुङ, आदि मुख्य रहेका छन्। अर्को प्रमुख सम्प्रदायमा तहगत हिन्दु जात समुह रहेको छ। यस गाउँपालिकामा रहेका जातजातिहरू मध्ये राई र मगरहरूको बाहुल्यता धेरै रहेको छ। यस गाउँपालिकामा १२ भन्दा बढि प्रकारका जातजातिका मानिसहरू बसोवास गर्ने गरेका छन्।

## तालिका २ जातिगत आधारमा जनसंख्या विवरण

| सि.न | जाती             | जम्मा परिवार संख्या | प्रतिशत |
|------|------------------|---------------------|---------|
| १    | राई              | १०४५                | ३८.२६   |
| २    | मगर              | ६०२                 | २२.०४   |
| ३    | क्षेत्री         | ३०२                 | ११.०५   |
| ४    | नेवार            | २०५                 | ७.५०    |
| ५    | तामाङ्ग          | १८३                 | ६.७०    |
| ६    | ब्राह्मण         | १४८                 | ५.४९    |
| ७    | वि.क             | ९२                  | ३.३६    |
| ८    | सार्की           | ४३                  | १.६६    |
| ९    | दमाई             | ६५                  | २.३६    |
| १०   | घर्ती र भुजेल    | २४                  | ०.८७    |
| ११   | सन्धारी र दशनामी | १०                  | ०.३६    |
| १२   | अन्य             | १                   | ०.०३    |
|      | जम्मा            | २७३०                | १००.००  |

श्रोत: घरधुरी सर्वेक्षण, २०७५

## भाषाका आधारमा जनसंख्या:

मातृभाषाका आधारमा वराहपोखरी गाउँपालिकामा नेपाली भाषा बोल्ने मानिसहरुको संख्या अत्याधिक मात्रामा रहेको देखिन्छ। यस गाउँपालिकामा रहेको जम्मा जनसंख्या मध्ये १५८९९ जनसंख्या मध्ये कूल जनसंख्याको ४० प्रतिशत भन्दा बढिले नेपाली भाषा बोल्ने गरेको पाइएको छ। यस गाउँपालिकामा रहेका कूल जनसंख्याको जातिय बनावट हेर्दा बहु-सम्प्रदायीक जातजातिहरू पाउन सकिन्छ। खासगरी मंगोलियन र आर्य सम्प्रदायहरू अन्तर्गतका विभिन्न जातजातिहरू विगतदेखि नै बसोवास गर्दै आएका छन्। मंगोलियन सम्प्रदायहरूमा तामाङ्ग, मगर, गुरुङ, राई आदि मुख्य रहेका छन्। मातृभाषाका आधारमा गाउँपालिका भित्र रहेको जनसंख्याको विवरणलाई तलको तालिकामा देखाईएको छ।

## तालिका ३ मातृभाषा अनुसार परिवार संख्याको विवरण

| सि.न | मातृभाषा | परिवार संख्या | प्रतिशत |
|------|----------|---------------|---------|
| १    | नेपाली   | ११०१          | ४०.३१   |
| २    | राई      | ७४८           | २७.३८   |
| ३    | मगर      | ५४५           | १९.९५   |
| ४    | गुरुङ    | १३१           | ४.७९    |
| ५    | तामाङ्ग  | १०२           | ३.७३    |
| ६    | नेवारी   | ९६            | ३.३५    |
| ७    | लिम्बु   | १             | ०.०३    |
| ८    | अन्य     | ४             | ०.१४    |

श्रोत: घरधुरी सर्वेक्षण, २०७५

## आर्थिक रूपले सक्रिय जनसंख्या

वराहपोखरी गाउँपालिकामा आर्थिक रूपले सक्रिय जनसंख्या अर्थात् आर्थिक आयका लागि काम गर्न सक्ने उमेरका जनसंख्या (१५-५९ वर्ष) ९६८० (६०.८८ प्रतिशत) रहेका छन्। आर्थिक रूपले सक्रिय जनसंख्याको विवरणलाई विश्लेषण गर्दा ४८.१८ प्रतिशत महिलाहरू र ५१.८२ प्रतिशत पुरुषहरू रहेका छन्।

## मुख्य पेशा सम्बन्धी विवरण

आर्थिक विकास सरकारको प्रमुख उद्देश्यका रूपमा रहेको हुन्छ। रोजगारीको अवस्था, उद्योगधन्दाको पूर्ण विकास तथा व्यावसायिक खेति प्रणालीको प्रवर्द्धनबाट आर्थिक विकास हुन सक्ने मानिन्छ। यस गाउँपालिकामा उद्योगधन्दाको अवस्था निकै कम मात्रमा रहेको छ। ठुला र रोजगारमुलक उद्योगधन्दाको अभाव रहेकाले यस गाउँपालिकाका अधिकांश मानिसहरु कृषि पेशामा आधारीत छन्। यसैगरी यस गाउँपालिकामा कृषिमा ५८.९२ प्रतिशत, नोकरीमा २.१३ प्रतिशत, व्यापार व्यवसायमा ०.७६ प्रतिशत रहेको देखिन्छ।

## तालिका ४ मुख्य पेशा सम्बन्धी विवरण

| विवरण / वडा नं | १    | २    | ३    | ४    | ५    | ६    | जम्मा | प्रतिशत |
|----------------|------|------|------|------|------|------|-------|---------|
| कृषि           | २३०६ | १३९७ | १५५४ | १५८३ | १५४७ | ९८१  | ९३६८  | ५८.९२   |
| व्यापार        | ३४   | ४६   | ९    | २९   | २    | २    | १२२   | ०.७६    |
| नोकरी          | १११  | ४६   | ७८   | ५०   | २१   | ३३   | ३३९   | २.१३    |
| वैदेशिक रोजगार | १६८  | १४१  | ११७  | ११२  | १३०  | १०२  | ७७०   | ४.८४    |
| ज्यामी         | ५१   | ९    | ६२   | ५२   | १    | ७    | १८२   | १.१४    |
| पशुपालन        | ३६   | ७    | १    | २१२  | २    | ८    | २६६   | १.६७    |
| विद्यार्थी     | ९९५  | ८७६  | ५४८  | ३१३  | ७९९  | ४९९  | ४०३०  | २५.३४   |
| अन्य           | ३१९  | ११२  | ११६  | ७९   | १४५  | ५१   | ८२२   | ५.१७    |
| जम्मा          | ४०२० | २६३४ | २४८५ | २४३० | २६४७ | १६८३ | १५८९९ | १००     |

श्रोत: घरधुरी सर्वेक्षण, २०७५

यस गाउँपालिकाका वासिन्दाहरुको प्रति महिना आम्दानिको हेर्दा मासिक रूपमा औषत रु ५,००० भन्दा कम कमाउने परिवार संख्या १६८ रहेको सबै भन्दा धेरै देखिन्छ, भने ३५,००० देखि ४०,००० सम्म आम्दानी गर्ने को संख्या सबै भन्दा कम ४१२ रहेको देखिन्छ। मासिक रूपमा जति आम्दानी हुन्छ उत्तिकै मात्रामा खर्च हुनुले उनीहरुको आर्थिक अवस्था पनि कमजोर रहेको देखिन्छ। व्यापार व्यवसायको कमी, खेतीको असमान वितरण, चेतना र प्राविधिक ज्ञानको कमी आदि कारणले गर्दा यस गाउँपालिकाको मासिक आयस्तर कम भएको हो।

यस गाउँपालिकाका अधिकांश परिवारको बचतको अवस्था प्रायः शुन्य नै रहेको छ। किनभने आफ्नो भू-स्वामित्व कम भएका परिवार संख्याको अवस्था उल्लेख्य रहेको र भू-स्वामित्व भएका परिवार संख्याहरूको पनि जग्गा जमिनको मात्रा ज्यादै कम भएको हुदा बचत गर्न सक्ने अवस्था देखिदैन्। जति आम्दानी हुन्छ त्यसैलाई परिवार पाल्नको लागि खर्च गर्ने भएको हुदा बचतको अवस्था नगण्य नै रहेको छ।

यस गाउँपालिकाका मानिसहरूलाई उर्वरभुमी भएको कारण वर्षभर कृषि पेशामा लाग्दा खान लगाउन भने समस्या नरहेको देखिन्छ। खाद्यान्न उपलब्धताको स्थितिलाई हेर्दा यस गाउँपालिकाका भित्र आफ्नो उत्पादन खान पुगेर बेच विखन गर्ने परिवारको संख्या १३ रहेको छ। कुल घरपरिवार संख्या मध्ये ११७७ परिवारलाई आफ्नो उत्पादनले ३ देखि ६ महिना सम्म खान पुगदछ भन ७५५ घरपरिवारलाई आफ्नो उत्पादनले ३ महिना भन्दा कम खान पुग्ने देखिन्छ।

## आवास माथिको स्वामित्वका आधारमा घरपरिवार विवरण

यस गाउँपालिकामा बसोबास गर्ने २७३० (९७.५४ प्रतिशत) घरपरिवारको आफ्नै निजी घर रहेको देखिन्छ भने १७ (०.६२) बहालमा, ३३ घरपरिवार अरुसगाँ मिलेर बस्ने, १७ घरपरिवार सुकुम्बासीको रूपमा बसोबास गर्दै आएको देखिन्छ।

## छानाको प्रकारका आधारमा घरको वनावट

यस गाउँपालिकाको कुल घरपरिवार संख्या २७३० मध्ये ४८४ घरपरिवार कच्ची र भुप्रो घरमा बस्ने रहेको छ। यो संख्या कुल घरपरिवार संख्याको १७.७२ प्रतिशत हुन आउछ। यसैगरी यस गाउँपालिकामा ढुंगा, माटो र खरको छाना भएको घरपरिवार संख्या १३३८ रहेको छ र यो कुल घरपरिवार संख्याको ४९.०१

प्रतिशत हुन आउछ । साथै यस गाउँपालिकामा सबैभन्दा कम घरपरिवार संख्या ४ रहेको छ र यो ०.१४ प्रतिशत हुन आउछ ।

#### तालिका ५ वडागत रूपमा घरको छानाको प्रकार सम्बन्धी विवरण

| विवरण/ वडा नं.               | १   | २   | ३   | ४   | ५   | ६   | जम्मा |
|------------------------------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| कच्ची र भुप्रो               | १९३ | ७९  | २०  | ११३ | ७०  | ९   | ४८४   |
| दुंगा, माटो र खरको छाना      | ३८५ | १५२ | २९२ | १४९ | १७४ | १८६ | १३३८  |
| दुंगा, माटो र टिनको छाना     | १२४ | १६५ | ११९ | १६४ | १९३ | ६८  | ८३३   |
| प्लाष्टर गरिएको र टिनको छाना | १   | ६४  | २   | ०   | ०   | ३   | ७०    |
| ढलान (फ्रेम स्ट्रक्चर)       | ०   | ३   | ०   | ०   | ०   | ०   | ४     |
| अन्य                         | ०   | १   | १   | ०   | ०   | ०   | २     |
| जम्मा                        | ७०३ | ४६४ | ४३४ | ४२६ | ४३७ | २६६ | २७३०  |

श्रोत: घरधुरी सर्वेक्षण, २०७५

#### भौतिक पूर्वाधार:

**सडक:** वराहपोखरी गाउँपालिका भित्र रहेका ग्रामेल तथा कच्ची सडक लगायत धुले सडकको लम्बाइलाई हेर्दा यहाँ जम्मा जम्मी १०७ कि.मि. सडक रहेको अवस्था छ, भने यस गाउँपालिकामा पक्की तथा कालोपत्रे सडक रहेको छैन ।

**सञ्चार:** नेपाल टेलिकम तथा एनसेल मार्फत वराहपोखरी गाउँपालिकामा विभिन्न दूर सञ्चार सेवाहरु उपलब्ध रहेका छन् । सञ्चार प्रणालीमा हुलाक, निजी टेलिफोन, जस्ता आधुनिक सञ्चार सुविधाहरु पनि वराहपोखरी गाउँपालिकामा उपलब्ध रहेका छन् । सि.डि.एम.ए. फोन सेवा पनि सञ्चालनमा आयको छ । सञ्चार क्षेत्रमा हालैका दिनहरुमा देशमा भएको तिब्र विकास सँगसँगै यस गाउँपालिकाका वडाहरु टेलिफोन सम्पर्कमा समेटिन आएको हो । नेपाल टेलिकम र नीजि क्षेत्रबाट सञ्चालित Ncell का मोबाइलहरुबाट देश विदेशमा सिधै सम्पर्क राख्न सकिने भएको छ । गाउँपालिकाका अन्य स्थानमा सि.डि.एम.ए. मोबाइलबाट समेत इन्टरनेट सेवा उपयोग गर्न सकिन्छ ।

**सिंचाई:** यस गाउँपालिकाका प्राय वडाहरुमा सिंचाई पुर्वाधारको सुविधा रहेको देखिएन र हालसम्म पनि यहाँ बसोबास गर्ने वासिन्दाहरुले परम्परागत रूपमा नै पुराना राजकूलो, खोला, कुल कुलेसा हरुको सहायता वाट सिंचाई गरेको देखिन्छ । यस क्षेत्रमा वढदो जनसंख्यासँगै कृषियोग्य जमिन मासिदै गएको अवस्थामा कृषियोग्य जमिनलाई बचाइ राखी व्यवस्थित सिंचाईको प्रक्रियालाई अवलम्बन गरी भएका सिंचाइका स्रोतबाट आधुनिक सिंचाई प्रणाली अपनाउनु पर्ने आवश्यकता रहेको छ । यस गाउँपालिकामा सिंचाईको लागि वराहखोला, साँवाखोला, राकुलीखोला, लुकुवाखोला, मासिन्यर सिंचाई योजना, यावाला सिंचाई योजना, भयाम्टे सिंचाई योजना, बुयाटार सिंचाई योजना, पुम्लुपा सिंचाई योजना, कुलो (रुक्ना खोला) र आकाशे पानीको प्रयोग गरिन्छ ।

यस गाउँपालिकाको भू-उपयोग सम्बन्धी विवरण हेर्दा वराहपोखरी गाउँपालिकाले जम्मा १४१.६ वर्ग कि.मि. क्षेत्रफल आगटेको देखिन्छ । जसमध्ये कृषि क्षेत्रको क्षेत्रफल ४९.२० वर्ग कि.मि. रहेको छ । वन जंगलले ओगटेको क्षेत्र ८१.३९ वर्ग कि.मि. रहेको छ, भने घाँसे मैदान १.६९ वर्ग कि.मि. रहेको छ । त्यसैगरी भाडी क्षेत्रको ३.८४ वर्ग कि.मि. रहेको छ भने नदी/नाला तथा पोखरीले ओगटेको क्षेत्रफल १.३५ वर्ग कि.मि.

रहेको छ भने अन्यको (बगर, ढुङ्गान, तथा भीर) क्षेत्रफल ४.५ वर्ग कि.मि रहेको छ। समग्रमा हेर्दा यस गाउँपालिकाभित्र सबैभन्दा बढि वनजंगलले ओगटेको देखिन्छ भने दोश्रोमा कृषियोग्य भुमी रहेको छ।

**बत्तिबाल्न उर्जाको उपयोग:** वराहपोखरी गाउँपालिकाको कुल जनसंख्या मध्ये प्रायः जसो परिवारमा सोलार बत्ती उपलब्ध छ। जस अनुसार २६१३ परिवारले सोलार बत्ती प्रयोग गरेका छन्। यो संख्या वराहपोखरी गाउँपालिकाको कुल घरपरिवार संख्याको ९५.७१ प्रतिशत हुन आउदछ। त्यस्तै टुकी बत्ती र बजुली बत्ती प्रयोग गर्ने घरपरिवार क्रमशः २७ र ७३ घरपरिवार रहेको छ।

**खाना पकाउँन उर्जाको उपयोग:** वराहपोखरी गाउँपालिकामा काठ र दाउरा इन्धनको प्रमुख स्रोतको रूपमा प्रयोग गरिएको छ। यहाँ काठ र दाउरा प्रयोग गर्नेको संख्या २७२७ रहेको छ र यो कुल घरपरिवारको ९९.८ प्रतिशत हुन आउछ। त्यस्तै एल.पी र्याँसको प्रयोग गर्ने घरपरिवार ३ रहेको छ।

**परिवारले प्रयोग गर्ने सुविधाहरू:** देश विकासको साथसाथै देशमा आधुनिक सुविधाका साधनहरूको प्रयोग पनि बढौदै गरेको छ। वराहपोखरी गाउँपालिकाबासीहरू यस्ता सुविधाका साधनको उच्चतम प्रयोग गर्दै आएका छन्। यस गाउँपालिका मा रेडियो, टेलिभिजन, टेलिफोन र मोबाइल फोन, कम्प्युटर, इन्टरनेट प्रयोगकर्ता बढी रहेको छन्।

**शिक्षा:** वराहपोखरी गाउँपालिकाको साक्षरता प्रतिशत ८२.०८ प्रतिशत रहेको छ, जसमध्ये महिला साक्षरता प्रतिशत ७८.४ र पुरुष साक्षरता ८५.७५ प्रतिशत रहेको छ। त्यस्तै यस गाउँपालिकामा कुल जनसंख्याको १७.९२ प्रतिशत मानिसहरू निरक्षर रहेका छन्। साक्षर मानिसहरूमा पनि २८.८६ प्रतिशत साक्षर, ३१.७६ प्रतिशत आधाभूत, १९.६८ मा.वि., १.४६ स्नातक, ०.३० स्नातकोत्तर गरेका मानिसहरू रहेका छन्। त्यस्तै यस गाउँपालिकामा आधारभूत, मा.वि. गरी कुल ३० वटा शैक्षिक संस्था, १२ वटा बाल विकास केन्द्रहरू रहेका छन्।

**स्वास्थ्य:** गाउँपालिका भित्र वस्ने अधिकांश घरपरिवारहरूले विरामी हुदा सरकारी अस्पतालको सेवामा निर्भर रहेका हुन्छन भने केहि मात्रामा नीजि क्लिनिक जाने गरेको पनि देखिन्छ। गाउँपालिकाभित्र स्वास्थ्य चौकी संख्या ६, सामुदायिक स्वास्थ्य इकाई २, वराहपोखरी रेडक्रस संख्या १, फार्मेसी संख्या ३ बर्थिङ्झ सेन्टर संख्या ४, खोपकेन्द्र संख्या १८, गाउँघर क्लिनिक संख्या १८, महिला स्वयंसेवीकाको संख्या ८३ ले सेवा दिइरहेको देखिन्छ।

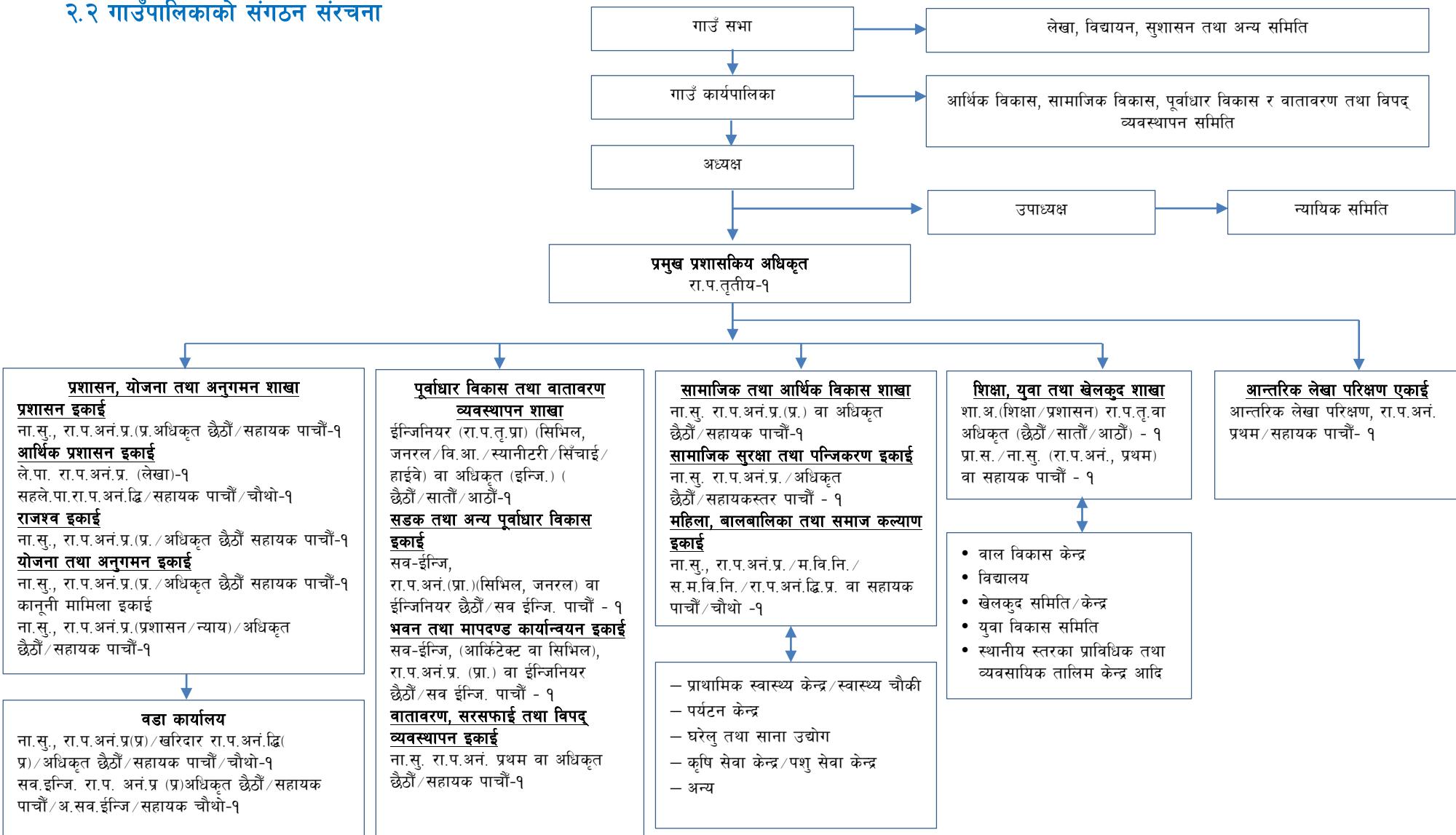
**खानेपानी तथा सरसफाई:** वराहपोखरी गाउँपालिकामा बसोबास गर्ने अधिकांश घरपरिवारमा धाराको पानीको सुविधा रहेको देखिन्छ, तर २०७२ बैशाख १२ गतेको महाभुकम्पका कारण अधिकांश पानीका श्रोतहरू नष्ट भएको स्थानीयवासीको गुनासो रहेको छ। वराहपोखरी गाउँपालिकामा धैरजसो घरपरिवारमा सामुदायीक तथा सार्वजनिक धाराहरू रहेको र यहाँ खानेपानीको सुविधा प्रशस्त रहेका छन्। धारामा पानी नआउँदा मानिसहरू घरबाट टाढा रहेको जरुवा वा मूलको पानी प्रयोग गर्ने गरेको देखिन्छ।

वराहपोखरी गाउँपालिकामा खानेपानी सुविधाको अवस्थालाई हेर्दा यहाँ प्रशस्त जलभण्डार रहेका छन्। तर वराहपोखरी गाउँपालिकामा प्रयोग हुने पानीको मुख्य स्रोत भनेको सार्वजनिक पाईपधारा रहेको छ। यहाँ सार्वजनिक पाईपधारा प्रयोग गर्ने घरपरिवार संख्या जम्मा १२७२ रहेको छ र यो कुल घरपरिवार संख्याको ४६.५९ प्रतिशत हुन आउदछ। यस्तै निजी पाईपधारा प्रयोग गर्ने घरपरिवार संख्या २१२ रहेको र यो कुल घरपरिवार संख्याको ७.७६ रहेको छ। यस्तै सामुदायीक धारा प्रयोग गर्ने घरपरिवार संख्या ११८२ रहेको र

यो कुल घरपरिवार संख्याको ४३.२९ रहेको छ । अन्य खानेपानीको स्रोतमा मुलको पानी, कुवा र नदी पनि रहेको छ ।

वराहपोखरी गाउँपालिका भित्र बस्न २७३० घरपरिवार संख्या मध्ये ७३.३५ प्रतिशत अर्थात ४३६३ परिवारले शौचालयको रूपमा साधारण चर्पी प्रयोग गर्ने गरेको देखिन्छ भने १२४१ (२०.८६ प्रतिशत) को फलस भएको (सेप्टिक ट्याङ्क) रहेको छ । यस गाउँपालिकाको कुल ९९.२६ घरमा शौचालय रहेको छ भने ०.७३ प्रतिशत घरमा शौचालय छैन । त्यस्तै यस गाउँपालिकामा फोहोरमैला व्यवस्थापनको लागि फोहोरलाई फोहोर फाल्ने ठाउँमा थुपार्ने, आफ्नै कम्पाउन्डमा राख्ने वा कम्पोष्ट मल बनाइन्छ भने केहि परिवारले फोहोरलाई नदि वा खोल्सामा फाल्ने गरेको देखिन्छ ।

## २.२ गाउँपालिकाको संगठन संरचना



## परिच्छेद ३: क्षमता विकासको समग्र लेखाजोखा

क्षमता विकास योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७६ अनुसार स्थानीय सरकारको क्षमता विकासलाई संस्थागत र मानव संसाधन क्षमता विकास गरी दुई आयाममा विभाजन गरि सोहि अनुकूलका प्रकृयाबाट क्षमता योजना निर्माणलाई अगाडी बढाईएको छ ।

### ३.१ संस्थागत क्षमता विकास तीन आयाम

सामान्यतया क्षमता विकासलाई तीन आयाममा विश्लेषण गर्न सकिन्छ । सर्वप्रथम संस्थाको संरचनालाई दुरुस्त पार्नुपर्ने एउटा पाटो हो भने संरचनाको जिम्मेवारी अनुकूलन हुने गरी आवश्यक संख्यामा मानव संसाधनको व्यवस्था र तिनिहरूको जिम्मेवारी अनुसारका कार्य गर्न सक्ने गरी ज्ञान, सीप र क्षमताको विकास गर्नु जरूरी छ । यसका अतिरिक्त पालिकाले जनसमक्ष घरघरै र निरन्तर पुऱ्याउँनु पर्ने सेवाहरू पनि हुन्छन् जस्तै: कृषि सेवा, पशु सेवा, खानेपानीहरूको मर्मत सेवा, बालि तथा पशु बिमा सेवा, पकेट क्षेत्र विकास सेवा, मानव स्वास्थ्य सेवा आदि । यी सबै प्रकारका सेवाहरू पालिका तथा बडामा रहेको सीमित जनशक्तिबाट मात्र संभव नहुने हुदा अन्य सरोकारवालाहरू तथा वस्तीस्तरकै युवा युवतीको क्षमता विकास गरी सेवा बजारहरूको स्थापना गर्दा पालिकाबाट प्रवाह हुने क्तिपय सेवाहरू स्थानीयस्तरबाटै प्रवाह हुन सक्ने बनाउनु पनि क्षमता विकासको परिधिभित्र पर्न जान्छ ।

#### क्षमता विकासका तीन आयाम



### ३.२ वराहपोखरी गाउँपालिकाको संस्थागत क्षमता विकास लेखाजोखा

क्षमता विकास योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७६ को अनुसूचि २, ३ र ५ अनुसार स्थानीय सरकार संस्थागत क्षमता (सञ्चालन व्यवस्थापन) लेखाजोखा, संस्थागत क्षमता (नेतृत्व तह) लेखाजोखा, आपूर्तिमा आधारित क्षमता विकास आवश्यकताको लेखाजोखा तथा समुदायका सेवा समुदायबाटै भन्ने मान्यतालाई पनि आत्मसात गरी आवश्यक सेवा बजारहरूको समेत लेखाजोखा गर्दा विकास व्यवस्थापन, संस्थागत संरचना तथा संगठन व्यवस्थापन, वित्तीय व्यवस्थापन, सूचना व्यवस्थापन, सुशासन, समन्वय र सहकार्य, मानव संसाधन विकास,

संस्थागत क्षमता विकास, सेवा प्रवाह मापदण्ड निर्धारण, राजस्व परिचालन र वित्तिय अनुशासन जस्ता एकल साभा तथा संघीय कानूनबाट व्यवस्थित अधिकारहरुको प्रभावकारी उपयोगका लागि भौतिक स्रोत साधन व्यवस्था, नीति, योजना, ऐन/नियम/कार्यविधि तयारी, मानव संसाधन प्राप्ती र तालिम, गोष्ठी, अध्ययन, अनुसन्धान जस्ता हरेक क्षेत्रमा क्षमता विकासका लागि माग भएको छ ।

आर्थिक, सामाजिक, पूर्वाधार, वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन र संस्थागत विकास, सेवा प्रवाह र सुशासन अन्तर्गत

१. **मागमा आधारित क्षमता लेखाजोखा:** दिग्दर्शनको अनुसूचि २ अन्तर्गतका क्षमता विकास क्षेत्र जस्तै: विकास व्यवस्थापन, संस्थागत संरचना तथा संगठन व्यवस्थापन, वित्तिय व्यवस्थापन, सूचना व्यवस्थापन, सुशासन र समन्वय र सहकार्य जस्ता विषयहरुका अतिरिक्त मानव संसाधन विकास, संस्थागत क्षमता विकास, सेवा प्रवाह मापदण्ड निर्धारण जस्ता अतिरिक्त विषयहरुमाथि शाखागत रूपमा छलफल हुदा अधिकांस शाखाहरुबाट माथी भनिएका क्षमता विकास क्षेत्रमा अभिमुखिकरण तथा तालिमहरुको अपेक्षा गरिएको छ भने दिग्दर्शनकै अनुसूचि ३ अन्तर्गत नेतृत्व तहको क्षमता लेखाजोखा हुदा पनि क्षमता विकासका हरेक क्षेत्रमा प्रशिक्षण, अनुशिक्षण, स्रोत साधनको व्यवस्थापन, थप कर्मचारी दरबन्दी जस्ता कुराहरु माग भएको अवस्था छ ।
२. **आपूर्तिमा आधारित क्षमता लेखाजोखा:** त्यसै गरी अनुसूचि ५ को आपूर्तिमा आधारित क्षमताको लेखाजोखा अन्तर्गत गाउँपालिकाको अधिकारको उपयोगको अवस्था, ऐन, नियम, विधि र प्रणालीको स्थापनाको अवस्था, शाखा तथा इकाईगत कर्मचारी तथा पूर्वाधार अवस्था र नयाँ अवधारणा, नीति तथा सूचना प्राविधिको उपयोगको विश्लेषण गर्दा केहि ऐन नियम तथा कार्यविधिहरु तयार गर्न बाँकी भएको अवस्था, कर्मचारी दरबन्दि थपको व्यवस्था र नया अवधारण अन्तर्गत केहि योजना, गुरुयोजना तयारी तथा अद्यावधिक गर्नुपर्ने जस्ता विषयहरुको योजना बनाउनुपर्ने देखियो । (लेखाजोखाको विस्तृत विवरण अनुसूचि १ देखि ३ सम्म र क्षमता विकास योजनाको विवरण तल तालिका २ मा दिइएको छ)

### ३.३ मानव संसाधनको क्षमता विकास लेखाजोखा

क्षमता विकास योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७६ को अनुसूचि ८, र ९ अनुसार स्थानीय सरकार विद्यमान मानव संसाधनको क्षमता लेखाजोखा (शाखागत रूपमा) र स्थानीय सरकारको विद्यमान मानव संसाधनको क्षमता लेखाजोखा (विषयक्षेत्रगत रूपमा) क्षमता विकास आवश्यकताको लेखाजोखा गर्दा आवश्यक ठानिएका ज्ञान, सीप र दक्षता वृद्धिका लागि सामान्यतया निम्न अनुसार अपेक्षा गरिएको अवस्था छ,

- दिग्दर्शनको अनुसूचि ८ अन्तरगत सबै शाखाका कर्मचारीले स्वमूल्यांकन गरी आफ्नो तोकिएको जिम्मेवारी पुरा गर्न ज्ञान, सीप र क्षमता मध्यम रहेको जाहेर गरेका छन र थप क्षमता विकासमा कुनै अपेक्षा नराखेको अवस्था छ ।
- त्यसैगरी दिग्दर्शनको अनुसूचि ९ अन्तर्गत विषयगत क्षेत्रका रूपमा स्थानीय सरकारको विद्यमान मानव संसाधनको क्षमता लेखाजोखा गर्दा विभिन्न नेतृत्व तह, वडासमिति तथा कर्मचारी र पालिकाका विभिन्न कर्मचारीलाई विभिन्न विषयमा तालिम तथा प्रशिक्षणको माग भएको अवस्था छ । खास गरी पालिका तथा वडाहरुको नेतृत्व तह (समिति तथा उपसमिती समेत) लाई १० प्रकारका तालिम तथा प्रशिक्षणहरुको माग भएको छ भने पालिकाका विभिन्न तहका कर्मचारीलाई १३ प्रकारका तालिम तथा प्रशिक्षणहरुको माग भएको अवस्था छ । (लेखाजोखाको विस्तृत विवरण अनुसूचि ४ र ५मा) र क्षमता विकास योजनाको विवरण तल तालिका ३ मा दिइएको छ)

### ३.४ सेवा बजारहरुको विकास

गाउँपालिकाले जनसमक्ष घरघरै र निरन्तर पुऱ्याउँनु पर्ने सेवाहरु पनि हुन्छन् जस्तै कृषि सेवा, पशु सेवा, खानेपानीहरुको मर्मत सेवा, बालि तथा पशु विमा सेवा, पकेट क्षेत्र विकास सेवा, मानव स्वास्थ्य सेवा आदि । यी सबै प्रकारका सेवाहरु गाउँपालिका तथा वडामा रहेको सीमित जनशक्तिवाट मात्र संभव नहुने हुदा वस्तीस्तरकै युवा युवतीको क्षमता विकास गरी सेवा बजारहरुको स्थापना गर्दा गाउँपालिकाबाट प्रवाह हुने कतिपय सेवाहरु स्थानीय स्तरबाटै प्रवाह हुनसक्ने र स्थानीय सीपले स्थानीय रूपमै बजार पाउँने हुदा समुदायको सेवा समुदायबाटै बनाउनु पनि क्षमता विकासको परिधिभित्र पर्न जान्छ । यसैलाई ध्यानमा राखी गाउँपालिकाका जिम्मेवार पदाधिकारीहरुको समन्वयमा विकास भैसकेको निम्न अनुसारको सेवा बजारको परिचालन योजना बनाईएको छ:

### तालिका ६ सेवा बजारको विवरण

| सि.नं  | विकास गरिने सेवा   | आवश्यक संख्या | यसबाट पर्ने प्रभाव  |
|--|--|---------------|---|
| १.   | ग्रामिण कृषि प्राविधिक जनशक्ति तयारी                           | १२            | कृषकले स्थानीय स्तरमै न्युनतम कृषि सेवा पाउने र १२ जना युवा स्थानीय स्तरमै रोजगार हुने ।                |
| २.   | ग्रामिण पशु प्राविधिक जनशक्ति तयारी                            | १२            | पशुपालक कृषकले स्थानीयस्तरमै न्युनतम पशुसेवा पाउने र १२ जना युवा स्थानीय स्तरमै रोजगार हुने ।           |
| ३.   | खानेपानीका लागि ग्रामिण मर्मत संभार कार्यकर्ता तयारी र परिचालन | १२            | खानेपानी उपभोक्ताले स्थानीयस्तरमै न्युनतम प्लम्बिङ सेवा पाउने र १२ जना युवा स्थानीयस्तरमै रोजगार हुने । |
| समग्रमा समुदायलाई आवश्यक सेवा प्रवाह चुस्त हुनेछ र बजार सेवाको विकास हुनेछ । |  |               |   |

## परिच्छेद ४: समग्र योजना खाका

### ४.१ स्थानीय सरकारको क्षमता विकास : एक परिचय

स्थानीय तहका क्षमता विकासका तीन आयाम १) संस्थागत संरचना र प्रणालीमा सुधार, २) मानव संसाधन व्यवस्थापन र विकास तथा ३) सेवा बजारहरूको विकासलाई लिईन्छ। स्थानीय विकासमा यी तीनै आयमको अन्तरसम्बन्ध रहन्छ। संस्थागत प्रणाली राम्रो र साधन स्रोत सम्पन्न भएपनि यदि उचित प्रणालीमा क्षमतावान मानव संसाधनको व्यवस्थापन भएन भने प्रणाली एकलैले केहि गर्न सक्दैन। यदि आवश्यक सीप र दक्षता सहितको माव संसाधान प्रचूर मात्रामा छ तर प्रणालीमा अभाव छ, भनेपनि मानव संसाधनले गति लिन सक्दैन। त्यसैगरी यी दुवै चुस्त भएतापनि यदि सेवा बजारको विकास गरी सहकार्य वृद्धि भएन भनेपनि विकासले गति लिन संभव छैन।

### ४.१.२ संस्थागत क्षमता विकासको अवधारणा

स्थानीय सरकारको संस्थागत क्षमता विकास भित्र उसको भूमिका तथा जिम्मेवारी पूरा गर्नका लागि तथा उसको प्रत्यक्ष पहुँचभित्र रहेको दक्षता, सीप, बुझाइ, धारणा, मूल्य, सम्बन्ध, व्यवहार, स्रोत र साधनको समग्र अवस्था हो। क्षमता विकासले भूमिका तथा जिम्मेवारी पूरा गर्नका लागि व्यक्ति, संगठन तथा समाजमा रहेको त्यस्तो ज्ञान, सीप र धारणा सीप, क्षमता तथा स्रोतको उपयोगितामा वृद्धि गर्ने, बुझाइ तथा सम्बन्धलाई सुदृढ बनाउने र दिगोपनाका लागि मूल्य, धारणा र उत्प्रेरणाका मुद्दाहरूलाई सम्बोधन गर्नुपर्ने हुदा यसलाई व्यक्तिको ज्ञान, सिप र धारणामा सकारात्मक प्रभाव ल्याउनुका साथै समग्र संस्था र प्रणालीको कार्य दक्षता र प्रभावकारिता वृद्धि गर्ने उपायको रूपमा उपयोग गर्नुपर्ने हुन्छ।

त्यसैले संस्थागत क्षमता विकासले संगठनको उद्देश्य हासिल गर्नका लागि संगठन संरचना, नीति तथा कार्य प्रक्रिया, स्रोत तथा व्यवस्थापनका मुद्दाहरूलाई सम्बोधन गर्दछ, गर्नुपर्ने हुदा सो को विश्लेषणलाई बढि ध्यान दिइएको थियो जसको माध्यमले व्यक्ति, संगठन र समाजमा आइपर्ने समस्याहरु समाधान गर्न, सम्भावनाहरूको उपयोग गर्न तथा समय सापेक्ष विकासका निर्धारित उद्देश्यहरू प्राप्त गर्न आवश्यक ज्ञान, सीप र धारणा प्राप्त गर्न मद्दत मिल्ने अपेक्षा गरिएको छ।

तसर्थ पुराना तथा अनुपयुक्त क्षमताहरूलाई हटाउने वा रूपान्तरण गर्न विद्यमान क्षमतालाई अधिकतम प्रयोग गर्न, विद्यमान क्षमताको विकास तथा सुदृढीकरण गर्न र नयाँ क्षमता स्थापना गर्ने विषयमा विश्लेषण र योजना तयारीलाई भौतिक स्रोत साधन, ऐन, नियम, विधि र प्रणाली, मानव संसाधन व्यवस्था गरी चार भागमा छुट्याएर विश्लेषण गरिएको छ।

### ४.१.२ मानव संसाधन विकासको परिचय

भनिन्छ, "Any value add to an employee is value added to organization" तसर्थ, मानव संसाधनको क्षमता विकास भनेको गाउँपालिकाको खर्च नभई लगानी र कार्य क्षमता वृद्धि दुवै हो। त्यसैले भनिन्छ ज्ञान र सीपले संस्थालाई चलायमान बनाउँदछ। सामान्यतया मानव संसाधन विकास भनेको संस्थामा कार्यरत कर्मचारी, प्रतिनिधि तथा विविध कार्यमा सहयोग गर्ने सेवा बजारको व्यक्तिगत र संस्थागत सीप, ज्ञान र क्षमता विकासको संरचना हो।

यसले मानव संसाधन विकास केवल तालिम अध्ययन अवलोकन गोष्ठी, अन्तर्राष्ट्रीय आदि मात्र नभै यो संगठनमा आवद्ध मानिस, संस्थाको आन्तरिक तथा बाह्य व्यवस्थापन, संरचना, विधि, प्रस्तुति समेत भएको हुदा यो क्षमता विकास योजना बनाउदा वर्तमानमा भएको जनशक्तिको विद्यमान क्षमताको मूल्यांकन तथा विश्लेषण गरी त्यस अनुरूप क्षमता विकास रणनीति तथा योजनाको तर्जुमा गरिएको छ। अध्ययन क्रममा पालिकाका कर्मचारीसँग दुवै व्यक्तिगत र समूहगत रूपमा कर्मचारीको कार्यविवरण अनुसार गर्नुपर्ने कार्यका लागि आवश्यक पर्ने ज्ञान, सीप र धारणा तथा उनिहरुमा रहेको विद्यमान ज्ञान, सीप र धारणाबीचको अन्तर पहिचान गरी यसरी प्राप्त भएका सूचनाहरूको अध्ययन तथा विश्लेषण गरी मानव संसाधन विकासका लागि गर्नुपर्ने कार्यहरूको पहिचान गरी योजना बनाईएको हो।

#### ४.२ वर्तमान अवस्था:

गाउँपालिकाको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वे हालसम्म नभएको अवस्था छ। गाउँपालिकाको वर्तमान संगठन संरचना अनुसार गाउँसभा, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत र न्यायिक समिति लगायत अध्यक्ष र उपाध्यक्षको निज सचिवालयको व्यवस्था संस्थागत संरचनामा उल्लेख छ, र प्रमुख प्रशासकिय अधिकृतको प्रत्यक्ष मातहतमा रहने गरी प्रशासन, आर्थिक प्रशासन, योजना तथा कार्यक्रम, सामाजिक तथा आर्थिक विकास, भौतिक पूर्वाधार र कानून महाशाखा, आ.ले.प, सूचना प्रविधि शाखा गरी विभिन्न शाखा व्यवस्था गरेको छ। विभिन्न ओहोदामा रहेका कतिपय कर्मचारीहरू र विभिन्न तहका अधिकांश जननिर्वाचित प्रतिनिधिहरूले पदिय जिम्मेवारी पुरागर्न आवश्यक क्षमता विकासका लागि न्युनतम तालिम पनि नपाएको अवस्था रहेको छ।

#### ४.३ संभावना र अवसर

यो गाउँपालिका दुर्गम स्थानमा रहेको भए तापनि यातायातबाट जोडिएको, केहि मात्रामा भए पनि आन्तरिक आय वृद्धि गर्न सक्ने अवस्थामा रहेको र आफ्नै भवन (अस्थाई) को सुविधा भएको हुँदा संस्थागत संरचनामा भएका शाखाहरूलाई भौतिक स्रोत साधन, आवश्यक संख्यामा मानव संसाधन व्यवस्थापन र सेवा बजारहरूको विकास गर्न सक्ने संभावना प्रचूर मात्रामा रहेको अवस्था छ। त्यसैगरी पालिकाको आन्तरिक आय र संभावित सहयोगको दायराका आधारमा पनि मानव संसाधन विकासमा लगानी गर्न सक्ने संभावना राख्न छ।

#### ४.४ समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिका भित्र समायोजन भई आएका संघीय लोकसेवा आयोग उत्तिर्ण गरी आएका, प्रदेश लोकसेवा आयोग, साविकका स्थानीय तहहरूबाट र ज्यालादारी तथा करार गरी विभिन्न स्रोतबाट उपलब्ध जनशक्ति कार्यरत छन्। संघबाट आएको जनशक्ति छिटो छिटो सरुवा भै जाने-आउने कमले गर्दा पालिकाले आफ्नो स्रोतबाट क्षमता विकासमा लगानी गर्न त्यति उत्साह नदेखाउँने अवस्था रहेको छ। त्यसैगरी ज्यालादारी तथा करारका कर्मचारी नितान्त अस्थायी प्रकृतिका भएका हुदा त्यसमा लगानी गर्न पनि पालिकालाई उत्साह नहुने अवस्था छ। नीतिगत तहमा बस्नेलाई मानव संसाधन विकासमा खर्च गर्दा आर्थिक बोझका रूपमा हेर्न खोजिए जस्तो पनि देखिन्छ।

#### ४.५ सोच:

“कम भण्डारिलो, पारदर्शी र द्रुत सेवा प्रवाह”

#### ४.६ क्षमता विकासको लक्ष्य

संस्थागत रूपमा सबल, पूर्ण प्रजातान्त्रिक, कुशल नेतृत्वका र पूर्ण जिम्मेवारीका साथ प्रभावकारी ढंगले सेवा प्रवाह गर्न सक्षम गाउँपालिकाको रूपमा वराहपोखरी गाउँपालिकाको विकास गर्नु हो ।

#### ४.७ क्षमता विकासको उद्देश्य

- वराहपोखरी गाउँपालिकाको संस्थागत प्रणालीमा भौतिक स्रोत साधन तथा प्राविधिको उचित व्यवस्थापन गर्ने ।
- कार्य जिम्मेवारीका आधारमा मानव संसाधनको व्यवस्थापन गर्ने ।
- कार्य जिम्मेवारी राम्रोसँग निर्वाह गर्न सक्ने गरी उपलब्ध मानव संसाधनको क्षमता विकास गर्ने ।
- निर्वाचित प्रतिनिधीहरूलाई पदीय जिम्मेवारी अनुरूपको कार्य गर्नसक्ने गरी जिम्मेवारी र काम तथा कर्तव्यबारे क्षमता विकास गर्ने ।
- सेवा बजार जस्तै टोल विकास समितिको क्षमता विकास गर्ने तथा कृषि, पशु तथा खानेपानी मर्मत कार्यकर्ताको व्यवस्थापन, क्षमता विकास र परिचालन गर्ने ।

#### ४.८ संस्थागत क्षमता विकासको रणनीति तथा कार्यनीति

क्षमता विकास योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७६ अनुसार गाउँपालिकाका कर्मचारी तथा प्रतिनिधि तथा वडा सचिव तथा कर्मचारी लगायत र सरोकारवालाहरूलाई एक दिने अनुशिक्षण पश्चात दिग्दर्शनको अनुसूचि २ देखी ५ सम्मका फारमहरु प्रयोग गरी लेखाजोखा गरी अनुसूची ७ अनुसारको योजना तयार गरिएको छ, भने सोहि दिग्दर्शन अनुसार गाउँपालिकाका कर्मचारी तथा प्रतिनिधि तथा वडा सचिवहरु/कर्मचारी लगायत र सरोकारवालाहरूलाई एकदिने अनुशिक्षण पश्चात दिग्दर्शनको अनुसूचि ८ र ९ का फारमहरु प्रयोग गरी लेखाजोखा तथा छलफलका आधारमा अनुसूची १० अनुसारको योजना तयार गरिएको छ । विस्तृत रणनीति, योजना कार्यान्वयनका सिद्धान्त र पहिलो वर्षको कार्ययोजना अनुसूची ५ मा दिइएको छ ।

## ४.९ संस्थागत क्षमता विकासका प्रमुख योजनाहरु

### तालिका ७: स्थानीय सरकारको संस्थागत क्षमता विकास योजना (अनुसूचि ७ मा आधारित)

| क्षमता विकासका क्रियाकलापहरू                                    | एकाई   | परिमाण | मुख्य जिम्मेवारी         | समयावधि  |          |          |       | जम्मा          | बजेट            |                 |                 | जम्मा           | लागत व्यहोर्ने स्रोत |       |
|---|--------|--------|--------------------------|----------|----------|----------|-------|----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|----------------------|-------|
|   |        |        |                          | २०७९ /८० | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | जम्मा |                | २०७९/८०         | २०८०/८१         | २०८१/८२         |                 | आन्तरिक              | बाह्य |
| <b>१. भौतिक स्रोत साधन व्यवस्थापनसँग सम्बन्धित</b>              |        |        |                          |          |          |          |       |                |                 |                 |                 |                 |                      |       |
| प्राविधिक शाखालाई Total Station                                 | सेट    | १      | प्र प्र.अ, खरिद शाखा     | ०        | १        | ०        | १     | ०              | ५५०००           | ०               | ५५०००           | ५००००           | ५०००००               |       |
| प्राविधिक शाखालाई वाईक  | संख्या | १      | प्र प्र.अ, खरिद शाखा     | १        | ०        | ०        | १     | २२५०००         | ०               | ०               | २२५०००          | २२५०००          | ०                    |       |
| प्राविधिक शाखालाई Road Softner, Water sprayer                   | सेट    | २      | प्र प्र.अ, खरिद शाखा     | ०        | १        | १        | २     | ०              | ३०००००          | ३०००००          | ६००००००         | २००००००         | ४०००००               | ०     |
| स्वास्थ्य शाखालाई भवन   | संख्या | ६      | प्र प्र.अ, खरिद शाखा     | २        | २        | २        | ६     | ८००००००        | ८००००००         | ८००००००         | २४००००००        | ७००००००         | १७०००००              | ०     |
| स्वास्थ्य शाखालाई सवारी साधन (वाईक)                             | संख्या | ८      | प्र प्र.अ, खरिद शाखा     | २        | ३        | ३        | ८     | ४५००००         | ७५००००          | ७५००००          | १९५००००         | १००००००         | ९५००००               |       |
| स्वास्थ्य शाखालाई सूचना प्रविधि सफ्टवेर                         | संख्या | २      | प्र प्र.अ, खरिद शाखा     | ०        | १        | १        | २     | ०              | २०००००          | २०००००          | ४०००००          | २०००००          | २०००००               |       |
| स्वास्थ्य शाखालाई फर्निचर                                       | सेट    | २      | प्र प्र.अ, खरिद शाखा     | २        | ०        | ०        | २     | १०००००         | ०               | ०               | १०००००          | १०००००          | ०                    |       |
| ६ वडा वडाहरुका लागि डेस्कटप                                     | संख्या | ६      | प्र प्र.अ, खरिद शाखा     | २        | २        | २        | ६     | ७००००          | ७००००           | ७५०००           | २१५०००          | २१५०००          | ०                    |       |
| ६ वडा वडाहरुका लागि ल्याप्टप                                    | संख्या | ६      | प्र प्र.अ, खरिद शाखा     | २        | २        | २        | ६     | २२५०००         | २५००००          | २५००००          | ७२५०००          | ७२५०००          | ०                    |       |
| ६ वडा वडाहरुका लागि प्रिन्टर                                    | संख्या | ६      | प्र प्र.अ, खरिद शाखा     | २        | २        | २        | ६     | ५००००          | ५००००           | ६००००           | १६००००          | १६००००          | ०                    |       |
| ६ वडा वडाहरुका लागि सूचना पाठी र नागरिक बडापत्र                 | संख्या | १२     | प्र प्र.अ, खरिद शाखा     | ४        | ४        | ४        | १२    | १०००००         | १०००००          | १०००००          | ३०००००          | ३०००००          | ०                    |       |
| <b>भौतिक स्रोत साधन सँग सम्बन्धित जम्मा बजेट रु.</b>            |        |        |                          |          |          |          |       | <b>९२२००००</b> | <b>१२९७००००</b> | <b>१२४३५०००</b> | <b>३४६२५०००</b> | <b>११९७५०००</b> | <b>२२६५००००</b>      |       |
| <b>२. नीति, योजना, ऐन/नियम/कार्यविधि प्रक्रियासँग सम्बन्धित</b> |        |        |                          |          |          |          |       |                |                 |                 |                 |                 |                      |       |
| गाउँपालिकाको आवधिक योजना अद्यावधिक गर्ने                        | संख्या | १      | योजना शाखा/प्रशा सन शाखा | १        | ०        | ०        | १     | १००००००        | ०               | ०               | १००००००         | ३०००००          | ७०००००               |       |

|   |           |  |    |    |   |    |         |        |         |         |         |         |
|---|-----------|--|----|----|---|----|---------|--------|---------|---------|---------|---------|
| राजस्व सुधार योजना<br>तथा राजस्व प्रक्षेपण गर्ने<br>मध्यावधिक खर्च संरचना<br>तयार गर्ने   | संख्या १  | राजश्व<br>शाखा   | १  | ०  | ० | १  | ६०००००  | ०      | ०       | ६०००००  | १५००००  | ४५००००  |
| नितिजामुखी अनुगमन<br>प्रणालीका स्थापना  | संख्या १  | योजना र<br>लेखा शाखा                                     | १  | ०  | ० | १  | ३५००००  | ०      | ०       | ३५००००  | ३५००००  | ०       |
| लैंडिंग तथा सामाजिक<br>समावेशीकरण नीति<br>तयारी   | संख्या १  | सा.वि.सा.<br>र.म.तथा<br>बालबालिका<br>शाखा                | ०  | १  | ० | १  | ०       | १५०००० | ०       | १५००००  | १५००००  | ४०००००  |
| जलवायु परिवर्तन तथा<br>कार्बन उत्सर्जन<br>न्यूनीकरण नीति तथा<br>दिव्यदर्शन तयारी  | संख्या १  | प्राविधिक<br>शाखा  | ०  | ०  | १ | १  | ०       | ०      | २५००००  | २५००००  | २५००००  | ०       |
| निर्माण मापदण्ड तथा<br>भवन संहिता तयारी   | संख्या १  | प्राविधिक<br>शाखा  | ०  | १  | ० | १  | ०       | २५०००० | ०       | २५००००  | २५००००  | ०       |
| फोहोरमैला व्यवस्थापन<br>दिव्यदर्शन, प्रणाली वा<br>नीति  | संख्या १  | प्राविधिक<br>शाखा  | १  | ०  | ० | १  | १५००००  | ०      | ०       | १५००००  | १५००००  | ०       |
| समावेशी विकास<br>नीतिको तयारी   | संख्या १  | सामाजिक<br>विकास<br>शाखा /<br>महिला<br>बालबालिका<br>शाखा | ०  | ०  | १ | १  | ०       | ०      | २०००००  | २०००००  | २०००००  | ०       |
| गैसस तथा समुदायमा<br>आधारित संस्थाहरू, संघ<br>संस्था र नीजि क्षेत्रसँग<br>समन्वय र सहकार्यका<br>लागि छुटौटै नीति तयार<br>गर्नुपर्ने । | संख्या १  | प्रशासन  | ०  | ०  | १ | १  | ०       | ०      | २०००००  | २०००००  | २०००००  | ०       |
| नीति, योजना, ऐन/नियम/कार्यविधि प्रक्रियासँग सम्बन्धित जम्मा बजेट रु   |           |  |    |    |   |    | २१००००० | ४००००० | ११५०००० | ३६५०००० | २१००००० | १५५०००० |
| <b>३. मानव संसाधन प्राप्तिसँग सम्बन्धित</b>   |           |  |    |    |   |    |         |        |         |         |         |         |
| ग्रामिण कृषि प्रविधि<br>परिचालन   | संख्या १२ | ६ वटा वडा  | १२ | ०  | ० | १२ | ३०००००  | ०      | ०       | ३०००००  | ३०००००  | ०       |
| ग्रामिण पशु प्रविधि<br>परिचालन  | संख्या १२ | ६ वटा वडा  | ०  | १२ | ० | १२ | ०       | ३००००० | ०       | ३०००००  | ३०००००  | ०       |

|  |        |    |           |   |   |    |          |          |          |          |           |          |   |
|--|--------|----|-----------|---|---|----|----------|----------|----------|----------|-----------|----------|---|
| खानेपानीका लागि<br>ग्रामिण मर्मत संभार<br>कार्यकर्ताका परिचालन | संख्या | १२ | ६ वटा वडा | ० | ० | १२ | १२       | ०        | ०        | ३२५०००   | ३२५०००    | ३२५०००   | ० |
| रोजगार शाखामा पदपूर्ति   | संख्या | २  | प्रशासन   | १ | ० | १  | २        | चालूखर्च | चालूखर्च | चालूखर्च | चालूखर्च  | ०        | ० |
| मानव संसाधन प्राप्तिसंग्रह सम्बन्धित जम्मा बजेट रु.            |        |    |           |   |   |    | ३०००००   | ३०००००   | ३२५०००   | ९२५०००   | ९२५०००    | ९२५०००   | ० |
| जम्मा संस्थागत क्षमता विकास बजेट रु.                           |        |    |           |   |   |    | ११६२०००० | १३६७०००० | १३९१०००० | ३९२००००० | १५००००००० | २४२००००० |   |

## ४.१० मानव संसाधन विकासका प्रमुख योजनाहरु

सहभागीहरुसँग क्षमता विकासका विकल्पहरुबारे छलफल गरी छनौट भएका विकल्पहरु र सोको लागत सहितको योजना निम्न अनुसार छ :

**तालिका ८: स्थानीय सरकारको मानव संसाधन विकास योजना (अनुसूचि १० मा आधारित)**

| मानव संसाधन विकास क्रियाकलापहरु   | प्राप्त हुने सिकाइ   | सेवा प्रवाहमा आउने प्रभावकारिता                           | मुख्य जिम्मेवारी                             | इकाई          | परिमाण | समयावधि  |          |          |       | बजेट    |         |         |        |
|---|--|---|--|---------------|--------|----------|----------|----------|-------|---------|---------|---------|--------|
|   |  |   |  |               |        | २०७९ /८० | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | जम्मा | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | जम्मा  |
| <b>१. निर्वाचित पदाधिकारीहरुका लागि</b>   |  |   |  |               |        |          |          |          |       |         |         |         |        |
| १.१. स्थानीय शासन सम्बन्धी नीति, कानून र सार्वजनिक प्रशासन र सुआसनबाटे सबै निर्वाचित प्रतिनिधिहरुलाई प्रशिक्षण              | सुशासन सहितको सेवा प्रवाहको ज्ञान  | स्थानीय शासन सञ्चालनमा सहजता                              | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा  | सहभागी संख्या | ३९     | ३९       | ०        | ०        | ३९    | १९५०००  | ०       | ०       | १९५००० |
| १.२. न्याय सम्पादन तथा मध्यस्थता बारे न्यायिक समितिका पदाधिकारी र कार्यपालिका सदस्यहरुलाई प्रशिक्षण                         | न्याय सम्पादन मा सहजता र मेलमिलापमा वृद्धि                                     | स्थानीय भै भगडा मिलाउन सक्षम हुने                         | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा  | सहभागी संख्या | १५     | १५       | ०        | ०        | १५    | ६५०००   | ६५०००   | ६५०००   | १९५००० |
| १.३. नतिजामा आधारित योजना तर्जुमा र अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीबाटे कार्यपालिका सदस्यहरु, वडाका सबै प्रतिनिधीहरुलाई तालिम | ग्रामिण योजना तर्जुमा, कायान्वयन र अनुगमन तथा मूल्यांकनबाटे ज्ञान प्राप्त हुने | योजना चक्र व्यवस्थापन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीमा सहजता आउने | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स. को सहयोगमा | सहभागी संख्या | ४२     | १४       | १४       | १४       | ४२    | ७००००   | ७५०००   | ९५०००   | २४०००० |
| १.४. लैंगिक समानता र सामाजिक समावेशीकरण बारे वडा समितिका पदाधिकारीलाई प्रशिक्षण   | GESI बारे सबैदानिश्लता आउने  | समावेशी विकास हुने  | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा  | संख्या        | ३०     | ०        | १५       | १५       | ३०    | ५५०००   | ६००००   | ६००००   | ११५००० |

|   |   |  |   |                  |      |     |     |     |     |        |        |        |        |
|---|---|--|---|------------------|------|-----|-----|-----|-----|--------|--------|--------|--------|
| १.५ सार्वजनिक समारोह व्यवस्थापनः अंतिथी व्यवस्थापन, उद्घोषण बारे कार्यपालिका पदाधिकारीलाई प्रशिक्षण   | विषयवस्तुमा ज्ञान प्राप्त हुने              | स्थानीय परिवेसमा सुधार हुने र विकृति नियन्त्रण हुने। | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | संख्या           | १२   | ०   | ०   | १२  | १२  | ०      | ०      | ६००००  | ६००००  |
| १.६ नेतृत्व सीप, Team Building, इन्ड व्यवस्थापन बारे कार्यपालिका र बडा समितिलाई तालिम   | विवाद व्यवस्थापनमा विज्ञता प्राप्त हुने     | गुनासो व्यवस्थापन हुने                               | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | संख्या           | ४२   | १४  | १४  | १४  | ४२  | ५६०००  | ६००००  | ६५०००  | १८९००० |
| १.७ अनुगमन, मूल्यांकन, प्रतिवेदन कार्यपालिका पदाधिकारीलाई प्रशिक्षण   | अनुगमनको सीप विकास हुने                     |  | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | संख्या           | १२   | ०   | १२  | ०   | १२  | ०      | ६००००  | ०      | ६००००  |
| निर्वाचित पदाधिकारीहरूका लागि रु.   |   |  |   |                  |      |     |     |     |     |        |        |        |        |
| २. समिति, उपसमितिहरूका लागि   |   |  |   |                  |      |     |     |     |     |        |        |        |        |
| २.१ विकासमा सहभागिता र सूचनाको हक बारे टोल विकास समितिहरूलाई बस्तिरस्तरको तालिम   | जनसहभागिताको ज्ञान                          | जनसहभागिता जुट्ने                                    | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | कार्यक्रम संख्या | ३००० | १०० | १०० | १०० | ३०० | २००००० | २००००० | २००००० | ६००००० |
| २.२ पूर्ण खोप, सररसफाई, साक्षर, बालविवाह, घटना दर्ता तथा छुवाछुत, भेदभाव, दाइजो, बोक्सी, जस्ता विकृति बारे टोल विकास समितिहरूलाई बस्तिरस्तरको तालिम | स्थानीय परिवेसमा सुधारको ज्ञान प्राप्त हुने | स्थानीय परिवेसमा सुधार हुने र विकृति नियन्त्रण हुने। | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | संख्या           | ३००० | १०० | १०० | १०० | ३०० | २००००० | २००००० | २००००० | ६००००० |
| २.३ गाउँपालिका भित्रका विभिन्न विषयगत समितिका पदाधिकारीहरूलाई उनिहरूको औचित्य र   | जिम्मेवारी प्रष्ट हुने                      | जिम्मेवारी निर्वाह हुने।                             | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | सहभाग संख्या     | २५   | ०   | १०  | १५  | २५  | ०      | २००००  | ३००००  | ५००००  |

|  |  |   |   |        |        |        |         |   |    |       |        |       |        |
|--|--|---|---|--------|--------|--------|---------|---|----|-------|--------|-------|--------|
| जिम्मेवारी बारे प्रशिक्षण  |  |   |   |        |        |        |         |   |    |       |        |       |        |
| जम्मा समिति, उपसमितिहरूका लागि रु  |  |   |   | ४००००० | ४२०००० | ४३०००० | १२५०००० |   |    |       |        |       |        |
| <b>३. कर्मचारीहरूका लागि</b>   |  |   |   |        |        |        |         |   |    |       |        |       |        |
| ३.१ स्थानीय शासनसम्बन्धी नीति, कानून र सार्वजनिक प्रशासन बारे गाउँपालिकाका अधिकृत र बडा सचिवहरूलाई प्रशिक्षण                                       | सुशासन सहितको सेवा प्रवाहको ज्ञान  | स्थानीय शासन सञ्चालनमा सहजता                                | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | संख्या | १५     | ०      | १५      | ० | १५ | ०     | १००००  | ०     | १००००  |
| ३.२ न्याय सम्पादन तथा मध्यस्थिता बारे न्यायिक समिति हेतु कर्मचारीलाई पुनर्ताङ्की प्रशिक्षण   | न्याय सम्पादन मा सहजता र मेलमिलापमा वृद्धि   | स्थानीय भैङ्गगडा मिलाउन सक्षम हुने                          | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | संख्या | ३      | ३      | ०       | ० | ३  | १५००० | ०      | ०     | १५०००  |
| ३.३ नतिजामा आधारित योजना तर्जुमा र अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणाली बारे गाउँपालिकाको योजना शाखा र प्राविधिक शाखाका कर्मचारी तथा बडा सचिवहरूलाई तालिम | ग्रामिण योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन र अनुगमन तथा मूल्यांकनबाटे ज्ञान प्राप्त हुन्ने | योजना चक्र व्यवस्थापन तथा मुल्याङ्कन प्रणालीमा सहजता आउन्ने | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | संख्या | १२     | ०      | १२      | ० | १२ | ०     | १२०००० | ०     | १२०००० |
| ३.४ कार्यालय व्यवस्थापन तथा अभिलेख प्रणाली बारे बडा सचिवहरू र सबै शाखा प्रमुखलाई प्रशिक्षण   | सेवा प्रवाह सहज  | जनता सेवामा चुस्तता महशुस गर्ने                             | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | संख्या | २५     | १०     | १०      | ५ | २५ | ५०००० | ५५०००  | ३०००० | १३५००० |
| ३.५ लैंगिक समानता र सामाजिक समावेशीकरण बारे गाउँपालिकाका सा.बि.अ. तथा म.बा.अ.र अन्य कर्मचारी र बडा सचिवहरूलाई प्रशिक्षण                            | GESI बारे सबैदनशिलता आउन्ने  | समावेशी विकास हुने।   | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | संख्या | १२     | ६      | ६       | ० | १२ | ४८००० | ५००००  | ०     | ९८०००  |

|  |  |   |   |        |        |        |        |        |        |       |       |        |        |
|--|--|---|---|--------|--------|--------|--------|--------|--------|-------|-------|--------|--------|
| ३.६ लेखा व्यवस्थापन, आन्तरिक लेखापरीक्षण, बेरुजु फँच्चौटवारे लेखा शाखाका कर्मचारी र प्र.प्र.अ.लाई प्रशिक्षण            | लेखा सम्बन्धी दैनिक कार्यसञ्चालन तथा लेखापरीक्षण ज्ञान                   | लेखा व्यवस्थापनमा कुसलता र बेरुजु रकम घटाउने                                    | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | संख्या | ५      | ५      | ०      | ०      | ५      | ५०००० | ०     | ०      | ५००००  |
| ३.७ सार्वजनिक खरिद व्यवस्थापन बारे खरिद इकाई, जिन्सी हेन्टे, लेखा हेन्टे कर्मचारी र प्र.प्र.अ.लाई अभिमत्तिकरण          | खरिदलाई व्यवस्थित गन   | सरकारी सम्पत्तीको व्यवस्थापन र आर्थिक पारदर्शिता                                | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | संख्या | १२     | ६      | ०      | ६      | १२     | ६०००० | ०     | ८४०००  | १४४००० |
| ३.८ सार्वजनिक समारोह व्यवस्थापन: अतिथी व्यवस्थापन, उद्घोषण बारे सा.बि.अ. तथा अन्य कर्मचारी र वडा कर्मचारीलाई प्रशिक्षण | सार्वजनिक कार्यक्रम सञ्चालनका लागि                                       | अतिथी सत्कार तथा उद्घोषण गर्न सक्षम   | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | संख्या | ३०     | ०      | ०      | १५     | १५     | ०     | ०     | ७५०००  | ७५०००  |
| ३.९ अनुगमन, मूल्यांकन, प्रतिवेदन बारे गाउँपालिका स्तरीय अनुगमन समिति र वडा स्तरीय अनुगमन समितिका कर्मचारीलाई प्रशिक्षण | योजना लगायत विभिन्न क्षेत्र जस्तै बजार, खानी अनुगमन मूल्यांकन बारे जान्न | अनुगमनका चरणहरू, मूल्यांकनका विधिहरू र प्रतिवेदनका बुदाहरुका बारेमा जानकार हुने | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | संख्या | २०     | ६      | ६      | ७      | १९     | ६०००० | ६०००० | ७५०००  | १९५००० |
| ३.१० जनसम्पर्क तथा संवादशैली र सूचना प्रविधिवारे गाउँपालिकाका सम्पूर्ण कर्मचारी र वडाका कर्मचारीलाई प्रशिक्षण          | समन्वय तथा सहकार्यका लागि, सुचना प्रविधि तथा इमेल, इन्टरनेट बारे जान्ने  | आपसी समझदारी तथा समन्वय र पारस्पारिक सहअस्तीत्व, सुचना प्रविधिवारे ज्ञान हासिल  | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | संख्या | ५०     | १०     | १५     | २५     | ५०     | ५०००० | ७५००० | १२५००० | २५०००० |
| ३.११ सबै तहका नयाँ कर्मचारी र वडाका कर्मचारीलाई सेवा प्रवेश तालिम  | आफ्नो जिम्मेवारी बोध हुने  | जिम्मेवारी पुरा हुने  | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा | नियमित | नियमित | नियमित | नियमित | नियमित | नियमित | ७५००० | ५०००० | २५०००  | १५०००० |

|  |   |   |   |        |    |    |    |    |    |         |         |         |         |
|--|---|---|---|--------|----|----|----|----|----|---------|---------|---------|---------|
| ३.१२ पशु सेवाका प्राविधिकलाई कृतिम गर्वधान तथा TOT को तालिम  | सीप बढ्ने                                 | सीपको उपयोग हुने                                  | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा |        | ६  | ३  | ३  | ०  | ६  | ५००००   | ५५०००   | ०       | ९०५०००  |
| ३.१३ पशु सेवाका प्राविधिकलाई SBA सम्बन्धी तालिम  | सीप बढ्ने                                 | सीपको उपयोग हुने                                  | प्र.प्र.अ., प्रशासन प्रमुख र स.स.को सहयोगमा |        | ६  | ०  | ०  | ६  | ६  | ०       | ०       | ६५०००   | ६५०००   |
| जम्मा कर्मचारीहरूका लागि रु  |   |   |   |        |    |    |    |    |    |         |         |         |         |
| ४. सेवाग्राही लक्षित क्षमता विकास  |   |   |   |        |    |    |    |    |    | ४५८०००  | ५५५०००  | ४७९०००  | १४९२००० |
| ४.१ मेलमिलाप अभियन्ताका लागि पुनरताजगी तालिम तालिम   | स्थानीयको क्षमता विकास                    | स्थानीय विवाद स्थानीय स्तरमै न्युनिकरण हुने       | ६ बटा बडा र न.पा.                           | संख्या | १८ | ८  | ०  | १० | १८ | ३२०००   | ०       | ५००००   | ८२०००   |
| ४.२ महिला स्वयंसेविकाहरूलाई पोषण सुधारवारे थप प्रशिक्षण  | पोषण सुधारका विविध उपायहरूको जानकारी हुने | पोषण सुधारका उपायहरू अवलम्बन हुने                 | ६ बटा बडा कार्यालय                          | संख्या | ८० | २५ | २५ | ३० | ८० | १०००००  | ११२५००  | १५००००  | ३६२५००  |
| ४.३ कृषि, पशु सेवा र खानेपानी क्षमत कार्यकर्ता तयारीका लागि CTEVT को पाठ्यक्रम अनुसारको तालिम            | सेवा विस्तार हुने                         | बडाहरूलाई सेवा प्रवाहमा सहजता                     | सबै ६ बडामा                                 | संख्या | ३६ | १२ | १२ | १२ | ३६ | ४८०००   | ५४०००   | ६००००   | १६२०००  |
| जम्मा सेवाग्राही लक्षित क्षमता विकास रु  |   |   |   |        |    |    |    |    |    |         |         |         |         |
| ५. साफेदारहरूको क्षमता विकास   |   |   |   |        |    |    |    |    |    | १८००००  | १६६५००  | २६००००  | ६०६५००  |
| ५.१ विद्यालयका शिक्षकहरूलाई वाल उद्यान स्थापना र वालमैत्री पूर्वाधारको आवश्यकता र उपयोगितावारे अनुशिक्षण | वाल उद्यान र वालमैत्री पूर्वाधारको ज्ञान  | उद्यान स्थापना र वालमैत्री पूर्वाधार निर्माण हुने | ६ बटा बडा कार्यालय                          | संख्या | ३५ | १० | १० | १५ | ३५ | ५००००   | ५५०००   | ८२५००   | १८७५००  |
| ५.२ स्थानीय सहकारीहरूलाई कृषि उद्यमबाटे प्रशिक्षण  | कृषिलाई उद्यमको रूपमा बुझाइ हुने।         | कृषिमा व्यवसायिकरण                                | ६ बटा बडा कार्यालय                          | संख्या | १२ | ०  | ०  | १२ | १२ | ०       | ०       | ६००००   | ६००००   |
| जम्मा साफेदारहरूको क्षमता विकास रु   |   |   |   |        |    |    |    |    |    |         |         |         |         |
| जम्मा मानव संसाधन विकास रु   |   |   |   |        |    |    |    |    |    |         |         |         |         |
|  |   |   |   |        |    |    |    |    |    | ५००००   | ५५०००   | १४२५००  | २४७५००  |
|  |   |   |   |        |    |    |    |    |    | १४७४००० | १५११५०० | १६५६५०० | ४६४२००० |

स्थनीय सरकारको मानव संसाधन विकासको लागि अनुमान गरिएको कुल बजेट रु. ४६,४२,००० मध्ये रु. ११,६०,५०० अर्थात २५ प्रतिशत आन्तरिक तथा रु ३४,८१,५०० अर्थात ७५ प्रतिशत बाह्य स्रोतको आँकलन गरिएको छ ।

#### ४.११ प्रमुख उपलब्धिहरु

यो क्षमता विकास योजना कार्यान्वयन भएपछि गाउँपालिका र यसको सेवा प्रवाह क्षमतामा निम्न अनुसारको परिवर्तन भएको हुनेछ ।

१. गाउँपालिकाका सबै शाखा तथा वडाहरु भौतिक स्रोत साधन र उपकरणबाट सुसज्जित भएका हुनेछन् ।
२. सबै वडा र शाखाहरुमा रिक्त दरबन्दि परिपूर्ति भएको हुनेछ ।
३. ४२ जना सम्म जन-प्रतिनिधि, ५० जना सम्म कर्मचारी र १२७ जना सम्म साफेदाहरु तथा सेवाग्राही लक्षित व्यक्तिहरुको क्षमता विकास भएको हुनेछ ।
४. सबै ६ वटा वडामा गरी १२ जना कृषि सेवा कार्यकर्ता, १२ जना पशुसेवा कार्यकर्ता र १२ जना खानेपानी मर्मत संभार कार्यकर्ता छनौट भै तालिम पाएर वडाहरुको समन्वयमा समुदायमा सेवा प्रवाह गरी स्वरोजगार समेत भएका हुनेछन् ।
५. गाउँपालिकाका सेवाहरु पहिले भन्दा छिटो, पारदर्शि र कम भन्भटिलो भएका हुनेछन् ।

## ४.४.बजेट बाँडफाँट

तालिका ९: स्थानीय तहको क्षमता विकासको खर्च सारांश

| सि.नं | क्षमता विकास क्षेत्र                                  | जम्मा रकम रु. | आन्तरिक योगदान | बाह्य सहयोग |
|-------|---|---------------|----------------|-------------|
| १     | संस्थागत क्षमता विकास तर्फ                            |               |                |             |
| १.१   | भौतिक स्रोत साधन व्यवस्थापनसँग सम्बन्धित              | ३४६२५०००      | ११९७५०००       | २२६५००००    |
| १.२   | नीति, योजना, ऐन/नियम/कार्यविधि प्रक्रियासँग सम्बन्धित | ३६५००००       | २१०००००        | १५५००००     |
| १.३   | मानव संसाधन प्राप्तिसँग सम्बन्धित                     | ९२५०००        | ९२५०००         | ०           |
|       | जम्मा   | ३९२०००००      | १५०००००००      | २४२०००००    |
|       | प्रतिशत   | १००           | ३८             | ६२          |
| २     | मानव संसाधन विकास तर्फ                                |               |                |             |
| २.१   | निर्वाचित पदाधिकारीहरूका लागि                         | १०४६०००       | २६१५००         | ७०४५००      |
| २.२   | समिति, उपसमितिहरूका लागि                              | १२५००००       | ३१२५०००        | ९३७५००      |
| २.३   | कर्मचारीहरूका लागि                                    | १४९२०००       | ३७३०००         | १११९०००     |
| २.४   | सेवाग्राही लक्षित क्षमता विकास                        | ६०६५००        | १५१६२५         | ४५४८७५      |
| २.५   | सामेदारहरूको क्षमता विकास                             | २४७५००        | ६१८७५          | १८५६२५      |
|       | जम्मा   | ४६४२०००       | ११,६०,५००      | ३४८१५००     |
|       | कूल जम्मा रु  | ४३८४२०००      | १,६१,६०,५००    | २,७६,८१,५०० |
|       | प्रतिशत   | १००           | ३६             | ६४          |

#### ४.५. स्रोत व्यक्ति र सरोकारवाला पक्षहरू

तालिका १०: क्षमता विकाससँग सम्बन्धित स्रोत व्यक्ति र सरोकारवाला पक्षहरू (अनुसूचि ६ सँग सम्बन्धित)

| स्रोत व्यक्ति वा सरोकारवाला पक्षको नाम                              | क्षमता विकास सहकार्य वा सहयोगका क्षेत्र | सम्भावित भूमिका   |
|---|---|---|
| संघिय सरकार   | आर्थिक स्रोत                            | योजनामा आधारित विशेष अनुदान   |
| प्रदेश सरकार  | आर्थिक स्रोत र दातृनिकायसँग समन्वय      | योजनामा आधारित अतिरिक्त स्रोत, दातृ संस्थासँग सम्पर्क र समन्वय,   |
| प्रदेश प्रशिक्षण केन्द्र  | आर्थिक र प्राविधिक सहयोग                | आर्थिक स्रोत, प्राविधिक सहयोग र विशेषज्ञ सेवाको व्यवस्था र विशेषज्ञ सेवा उपलब्ध, सेवाग्राही लक्षित तथा सेवा बजारमा आधारित तालिम संचालन।<br>निर्वाचित पदाधिकारीहरु, समिति तथा उपसमितिहरु, कर्मचारी र साभेदारहरु लक्षित विभिन्न क्षमता विकास तालिम, गोष्ठि तथा अनुशिक्षणहरु सहजिकरण |
| प्रदेश योजना आयोग, प्रदेश १   | नीतिगत व्यवस्था विभिन्न पक्षसँग समन्वय  | प्रदेशमा बजेट व्यवस्थापन, दातृ निकायसँग समन्वय र सहयोगको वातावरण तयारी  |
| काठमाडौं, विराटनगर, धरान लगायतका अन्य स्थानमा रहेका कन्सल्टेन्सीहरु |   | सेवा सम्झौता भएमा निर्वाचित पदाधिकारीहरु, समिति तथा उपसमितिहरु, कर्मचारी र साभेदारहरु लक्षित विभिन्न क्षमता विकास तालिम, गोष्ठि तथा अनुशिक्षणहरु सहजिकरण तथा कार्यविधिहरु तयारी   |

नोट: योजना कार्यान्वयन गर्ने बेलामा स्रोत व्यक्ति वा संस्थाहरु पहिचान गर्न थप प्रयास गर्नुपर्ने हुन्छ।

## परिच्छेद ५ क्षमता विकास योजना कार्यान्वयन रणनीति र कार्य योजना

### ५.१ पृष्ठभूमि

नेपालका सबै स्थानीय तहहरु नागरिकका घरदैलोका सरकार हुन् र यिनलाई नेपालको संविधानले प्रशस्त विधायिकी, न्यायिक र कार्यकारी अधिकार प्रदान गरेको छ, तर नागरिकको जीवनस्तर सुधारका लागि यी अधिकारहरु उपयोग गर्न सबै स्थानीय तहहरु संस्थागत रूपमा सबल, संरचनागत रूपमा व्यापक र मानव संसाधनको क्षेत्रमा पर्याप्त ज्ञान, सीप र क्षमता युक्त हुनु जरुरी छ।

अर्को अर्थमा भन्ने हो भने स्थानीय सरकारका अधिकार र जिम्मेवारीहरू कर्तिको कुशल रूपमा सम्पादन हुन्छन् भन्ने कुरा स्थानीय सरकारको भौतिक सु-सम्पन्नता, विभिन्न पदीय जिम्मेवारीमा रहेका जननिर्वाचित प्रतिनिधिहरू र पालिकाका जनशक्तिमा मानव संसाधनको ज्ञान, सीप र क्षमतामा भर पर्दछ। तसर्थ, यो क्षमता विकास योजना कार्यान्वयन गर्न केहि निश्चित रणनीति कार्यविधि अवलम्बन गरिनेछ, जो तल दिईएको छ।

### ५.२ उद्देश्य

वराहपोखरी गाउँपालिकाको २०७९ मा तयार भएको यो क्षमता विकास योजना लागु भए पछिका वर्षहरुमा तयार हुने अन्य क्षमता विकास योजनाहरूको सफल र नतिजामूलक कार्यान्वयन भै योजनाले लिएको लक्ष्य तथा उद्देश्यहरु पुरा गर्न मद्दत पुऱ्याउनु हो।

### ५.३ कार्य क्षेत्र

पालिकाको क्षमता विकासको कार्यक्षेत्र व्यापक छ। खास गरी योजनामा निर्दिष्ट भएका क्षमता विकासका कार्यहरु सम्पादन गर्न दुई भागमा प्रस्तुत गरिएका योजनाहरूलाई कार्यान्वयन गर्ने हो।

#### क. संस्थागत क्षमता विकास

१. भौतिक स्रोत साधन व्यवस्थापनसँग सम्बन्धित
२. नीति, योजना, ऐन/नियम/कार्यविधि प्रक्रियासँग सम्बन्धित
३. मानव संसाधन प्राप्तिसँग सम्बन्धित
४. तालिम, गोष्ठी, अध्ययन, अनुसन्धानसँग सम्बन्धित

#### ख. मानव संसाधन विकास मा तालिम, गोष्ठि, सेमिनार, अवलोकन भ्रमण, अन्तरकृया आदि

१. निर्वाचित पदाधिकारीहरूका लागि
२. विभिन्न समिति, उपसमिति टोल विकास समितीहरूका लागि
३. वडाहरु सरोकारवालाहरु समेत पालिकाका कर्मचारीहरूका लागि
४. सेवाग्राही लक्षित क्षमता विकास
५. साझेदारहरूको क्षमता विकास

यी माथिका दुबै क्षेका कार्यहरु सम्पादन गर्न तल उल्लेखित चार चरणका कार्यहरु गरिनेछः

#### **चरण १: योजना स्वीकृती र बजेट सुनिश्चितता**

- क. क्षमता विकास योजना कार्यपालिका मार्फत् गाउँसभाबाट पारित गराउने,
- ख. योजना कार्यान्वयनका लागि आन्तरिक स्रोतको बजेट सुनिश्चित गर्ने,
- ग. बाह्य सहयोगको खोजि गर्दै स्रोतको पहिचानको सुनिश्चिता गर्ने ।

#### **चरण २: सहयोगी संस्था तथा स्रोत व्यक्तिको पहिचान, लागत र कार्य सम्भौता**

- क. क्षमता विकास सम्बन्धमा विभिन्ना सहयोगी निकायहरूबीच समन्वय गर्ने,
- ख. मानव संसाधनको ज्ञान तथा सीप विकासका लागि स्रोत व्यक्ति तथा संस्थाको पहिचान गर्ने,
- ग. संस्थागत तथा मानव संसाधन विकासलाई निश्चित गरिएका गतिविधिहरूका लागि आवश्यक पर्ने लागत तयारी,
- घ. संस्थागत क्षमता विकास तथा मानव संसाधन विकासको स्रोत व्यक्ति वा संस्थासँग कार्य सम्भौता ।

#### **चरण ३: क्षमता विकास योजना कार्यान्वयन चरण**

- क. थप मानव संसाधन व्यवस्थापनको लागि नीति नियम र दरबन्दी मातहतमा रहेर भर्ना प्रकृया पुरा गर्ने,
- ख. संस्थागत संरचना भित्रको तथा समुदायस्तरको मानव संसाधनको क्षमता विकासको हकमा आवश्यक स्थान तथा सामाग्री व्यवस्थापन,
- ग. तालिम, गोष्ठि, सेमिनार वा अन्य सीप विकास तालिम संचालनमा सहजिकरण,
- घ. संस्थागत संरचनामा सुधारका कार्यहरु सम्पन्न गर्ने ।

#### **चरण ४: अनुगमन, अध्ययन तथा अध्यावधिक**

- क. क्षमता विकास कार्यक्रम कार्यान्वयनको नियमित अनुगमन र समिक्षा गर्ने,
- ख. क्षमता विकास योजनालाई वार्षिक रूपमा अध्यावधिक गर्ने गराउने,
- ग. क्षमता विकासबाट आएको परिवर्तन तथा सेवा प्रवाह र सुशासनमा आएको सुधारबारे अध्ययन गराउने ।

## ५.४ योजना कार्यान्वयनको रणनीति:

- रणनीति १:** पालिकाबाट योजनाको स्वामित्व ग्रहणः यो योजना पालिकासँगको सहभागितामा तयार भएको हुदा यसको स्वामित्व यस पालिकाले ग्रहण गर्दछ ।
- रणनीति २:** क्षमता विकास योजना कार्यान्वयनका लागि कार्यविधि तयारीः यो योजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक परे छूटै कार्यविधि बनाईनेछ ।
- रणनीति ३:** बजेट सुनिश्चित गर्ने: यो योजना कार्यान्वयनका लागि बजेटको सुनिश्चितता गर्न पालिकाको वार्षिक चालू खर्चको कम्तिमा पनि १.५ प्रतिशत बजेट पालिकाले विनियोजन गर्नेछ ।
- रणनीति ४** नयाँ निर्वाचित पदाधिकारीलाई अनुशिक्षणः नयाँ निर्वाचनपछि आएको सबै निर्वाचित प्रतिनिधिहरूलाई पालिकाका एकल तथा साभा अधिकारहरु, तिनिहरूको प्रयोग, संघिय कानूनले प्रदान गरेका कार्यहरु र ऐन नियम र प्रतिनिधीहरूका कार्य जिम्मेवारीबारे निर्वाचन लगातै सेवा प्रवेश अनुशिक्षण प्रदान गरिनेछ ।
- रणनीति ५:** सम्पर्क व्यक्तिको व्यवस्था: क्षमता विकास योजना समन्वय समितिको व्यवस्था गरिने र योजनामा अतिरिक्त व्यक्तिहरूलाई पनि जिम्मेवारी दिईएकोछ । तथापी योजनाको संवेदनशिलतालाई ध्यानमा राखी यसका समग्र प्रशासनिक जटिलताहरूको व्यवस्थापन, कार्य योजना अनुसारका कार्यहरु चलायमान बनाउन र भएका कार्यहरुको दस्तावेज सहितको व्यवस्था तथा योजना कार्यान्वयनको अनुगमन, मूल्यांकलन तथा प्रतिवेदनको व्यवस्थापनका लागि सिनियर कर्मचारीमध्ये कसै एकलाई सम्पर्क व्यक्तिका रूपमा कार्य तोकिनेछ ।
- रणनीति ६:** पहिलो सुरुवात संस्थागत संरचनामा सुधारः संस्थागत क्षमता भनेका संस्थाको भौतिक स्रोत साधन, ऐन, नियम, विधि तथा प्रणाली, आवश्यक मात्रामा मानव संसाधन व्यवस्था र मानव संसाधनको क्षमता विकास पर्न जाने हुदा यो क्षमता विकास योजना तयार गर्दा माथि भनिएकै सर्वप्रथम संस्थागत संरचनाको सुधार गर्न प्राथामिकता दिईनेछ ।
- रणनीति ७:** दोस्रो आयाम मानव संसाधनको विकासः संस्थागत संचरना जतिसुकै चुस्त भए पनि यदि त्यसको उपयोग गर्ने क्षमता संस्थागत संरचना भित्र भएन भने विकास व्यवस्थापन, सेवा प्रवाह र सुशासनमा असर पर्दछ । तसर्थ क्षमता विकासको दोस्रो प्राथामिकता स्वरूप मानव संसाधनको विकासलाई अगाडी बढाईनेछ । अर्थात संस्थागत स्रोत विकास र मानव संसाधन विकास सँगसँगै लिगिनेछ ।
- रणनीति ८** तेस्रो आयाम सेवा बजारहरूको व्यापकिकरण अथवा क्षमता उपयोगको दायरा विस्तारः संस्थागत क्षमता विकासलाई व्यक्तिको ज्ञान, सिप र धारणामा सकारात्मक प्रभाव ल्याउनुका साथै समग्र संस्था र प्रणालीको कार्य दक्षता र प्रभावकारिता वृद्धि गर्ने उपाय भनिन्छ । गाउँपालिकाले आफ्ना सेवाहरु पालिका भित्रका मानव स्रोतसँग मात्र भर पर्दा सेवा प्रवाहको दायरा सीमित भै जनताका आवश्यक न्युनतम सेवाहरुमा शंकुचन आउँछ । तसर्थ यो क्षमता विकास योजना कार्यान्वयन

गर्दा गाउँपालिका भित्रका नेतृत्व तह तथा कर्मचारी मात्र नभै जनतालाई आवश्यक परेका हरेक सेवाहरुका लागि स्थानीय सरोकारवालाहरु वा निजि क्षेत्र तथा समुदायलाई समेत समेटिनेछ ।

समुदाय स्तरका सेवा समुदाय स्तरबाटै भन्ने मूल्य र मान्यतालाई अगालिनेछ । कतिपय समुदाय स्तरमा घरदैलोमा नै सेवा प्रवाह जरुरी पर्दछ जस्तो खानेपानीको मर्मत संभार कार्यकर्ता, पशु सेवा कार्यकर्ता, कृषि सेवा कार्यकर्ता, कृषि तथा पशु विमा सहजकर्ता आदि । यस्ता सेवाहरु केवल गाउँपालिकामा रहेका सीमित जनशक्ति माथि भर पर्नुपर्दा सेवामा चुस्तता आउदैन । तसर्थ यो क्षमता विकास योजना कार्यान्वयन गर्दा समुदायस्तरका सेवा समुदायबाटै भन्ने मान्यतालाई कार्यान्वयनमा ल्याईने छ । त्यसैगरी टोल विकास समितिहरु पालिकाका बलिया साभेदार पक्ष हुन् र तिनीहरुको क्षमता युक्त परिचालन पनि गाउँपालिकाको कार्य क्षमता विकासको अर्को उपाय हो ।

## ५.५ कार्यान्वयनका सिद्धान्तहरु

- सिद्धान्त १** **विशेद शुन्यः** संस्था भित्र वा संस्था बाहिरका सरोकारवालाहरु र समुदायस्तरका सेवा समुदायस्तरबाटै भन्ने मान्यता अनुसार मानव संसाधनको क्षमता विकास गर्दा नेतृत्व, सानो वा ठूलो कर्मचारी वा समुदाय सदस्यमा कुनै भेदभाव गरिने छैन ।
- सिद्धान्त २** **पारदर्शितः** यो योजना कार्यान्वयन पूर्ण पारदर्शि ढंगबाट संचालन हुनेछ र हाम्रा गराई, प्रकृया र खर्चहरु गाउँपालिकाको सार्वजनिक सुनुवाई तथा चासो राख्नेलाई सूचना दिएर पूर्ण पारदर्शि बनाईनेछ ।
- सिद्धान्त ३** **समन्वय र सहकार्यः** यो योजना कार्यान्वयन गर्दा गाउँपालिका एकलै अगाडी नबढि विभिन्न सरोकारवालाहरु, सेवा प्रदायक तथा स्रोत दाताहरुसँगको सहकार्यमा कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- सिद्धान्त ४** **योगदानमा आधारित कार्यक्रमः** यो क्षमता विकास योजनालाई केवल डोनर निर्भर नबनाई गाउँपालिकाको योगदानलाई पनि सँगसँगै लगिनेछ ।

## ५.६ कार्यान्वयन तालीका प्रथम वर्ष

यो क्षमता विकास योजनाको कार्यान्वयन एकल प्रयासबाट संभव हुँदैन । यसमा सबै सरोकारवाला, विषयगत कार्यालयहरु, पालिकाभित्रका विषयगत विभाग तथा शाखाहरु समेत सबै निर्वाचित जनप्रतिनिधि र राजनीतिक दलहरुको जिम्मेवारी हुन्छ । यो क्षमता विकास योजनाका मूल कार्यहरुका लागि निम्नअनुसार जिम्मेवारी बहनको अपेक्षा गरिएको छ ।

आगामी आ.व. २०७९/२०८० को कार्ययोजना

**तालिका ११ पहिलो वर्षको कार्य योजना**

| कार्यान्वयन<br>चरण  | योजना कार्यान्वयन गतिविधि  | प्रथम<br>त्रैमासिक                               | दोस्रो<br>त्रैमासिक | तेस्रो त्रैमासिक | चौथो<br>त्रैमासिक | मूल जिम्मेवारी   |
|---|--|--|---------------------|------------------|-------------------|--|
| <b>चरण १: योजना स्वीकृती र बजेट सुनिश्चितता</b>                             |  |  |                     |                  |                   |  |
| १.१   | क्षमता विकास योजना कार्यपालिका मार्फत् गाउँ सभावाट पारित गराउने ।                            | यसै आ.व.मा पारित गराउँनु पर्ने                   |                     |                  |                   | संस्थागत सुशासन समिती, प्रशासन प्रमुख, समन्वय समिति र प्र.प्र अधिकृत |
| १.२   | योजना कार्यान्वयनका लागि आन्तरिक स्रोतको बजेट सुनिश्चित गर्ने ।                              | गाउँ परिषद २०७९ असार भित्र पारित भएको हुनु पर्ने |                     |                  |                   | संस्थागत सुशासन समिती, प्रशासन प्रमुख, समन्वय समिति र प्र.प्र अधिकृत |
| १.३   | बाहिरी सहयोगको खोजि र स्रोत पहिचान र सुनिश्चित गर्ने ।                                       |  |                     |                  |                   | संस्थागत सुशासन समिती, प्रशासन प्रमुख, समन्वय समिति र प्र.प्र अधिकृत |
| <b>चरण २: सहयोगी संस्था तथा स्रोत व्यक्तिको पहिचन, लागत र कार्य सम्झौता</b> |  |  |                     |                  |                   |  |
| २.१   | क्षमता विकास सम्बन्धमा विभिन्न सहयोगी निकायहरूबीच समन्वय गर्ने ।                             |  |                     |                  |                   | संस्थागत सुशासन समिती, प्रशासन प्रमुख, समन्वय समिति र प्र.प्र अधिकृत |
| २.२   | मानव संसाधनको ज्ञान तथा सीप विकासका लागि स्रोत व्यक्ति तथा संस्थाको पहिचान ।                 |  |                     |                  |                   | संस्थागत सुशासन समिती, प्रशासन प्रमुख, समन्वय समिति र प्र.प्र अधिकृत |
| २.३   | संस्थागत तथा मानव संसाधन विकासलाई निश्चित गरिएका गतिविधिहरुका लागि आवश्यक पर्ने लागत तयारी । |  |                     |                  |                   | संस्थागत सुशासन समिती  |

|  |   |  |  |  |  |  |
|--|---|--|--|--|--|--|
| २.४  | संस्थागत क्षमता विकास तथा मानव संसाधन विकासको स्रोत व्यक्ति वा संस्था सँग कार्य सम्झौता ।                         |  |  |  |  | संस्थागत सुशासन समिती                      |
| <b>चरण ३: क्षमता विकास योजना कार्यान्वयन चरण</b> |   |  |  |  |  |  |
| ३.१  | थप मानव संसाधन व्यवस्थापनको लागि नीति नियम र दरबन्द मातहतमा रहेर भर्ना प्रकृया पुरागर्ने ।                        |  |  |  |  | प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत                    |
| ३.२  | संस्थगत संरचना भित्रको तथा समुदाय स्तरको मानव संसाधनको क्षमता विकासको हकमा आवश्यक स्थान तथा सामाज्री व्यवस्थापन । |  |  |  |  | प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत र प्रशासन प्रमुख । |
| ३.३  | तालिम, गोष्ठि, सेमिनार वा अन्य सीप विकास तालिम संचालनमा सहजिकरण ।   |  |  |  |  | प्रशासन प्रमुख ।                           |
| ३.४  | संस्थागत संरचनामा सुधारका कार्यहरु सम्पन्न गर्ने ।  |  |  |  |  | प्रशासन प्रमुख ।                           |
| <b>चरण ४: अनुगमन, अध्ययन तथा अध्यावधिक</b>       |   |  |  |  |  |  |
| ४.१  | क्षमता विकास कार्यक्रम कार्यान्वयनको नियमित अनुगमन र समिक्षा गर्ने ।  |  |  |  |  | संस्थागत सुशासन समिती                      |
| ४.२  | क्षमता विकास योजनालाई वार्षिक रूपमा अध्यावधिक गर्ने गराउने ।  |  |  |  |  | संस्थागत सुशासन समिती                      |
| ४.३  | क्षमता विकासबाट आएको परिवर्तन तथा सेवा प्रवाह र सुसाशनमा आएको सुधार बारे अध्ययन गराउने ।                          |  |  |  |  | संस्थागत सुशासन समिती                      |

## परिच्छेद ६: कार्यक्रम व्यवस्थापन, अनुगमन तथा मूल्यांकन

### ६.१ कार्यक्रम व्यवस्थापन

गाउँपालिकाको क्षमता विकास योजना कार्यान्वयनका मूल जिम्मेवारी निम्न जिम्मेवारीका साथ क्षमता विकास समन्वय समिति (जसको जिम्मेवारी साविककै सुशासन समितिलाई दिईएको छ) ले गाउँपालिकाका अध्यक्ष/उपाध्यक्ष, प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत सँगको समन्वयमा व्यवस्थापन गर्नेछ ।

#### क्षमता विकास समन्वय समितिको जिम्मेवारी:

- क्षमता विकाससम्बन्धी नीति तथा रणनीतिहरू कार्यपालिका मार्फत् सभाबाट पारित गराउने र कार्यान्वयनका लागि बजेटको सुनिश्चितता गर्ने,
- क्षमता विकास योजनालाई वार्षिक रूपमा अध्यावधिक गर्ने गराउने,
- क्षमता विकासका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने गराउने,
- स्थानीय सरकारको क्षेत्रभित्र सञ्चालन हुने क्षमता विकासका कार्यक्रमहरू बीच समन्वय गर्ने गराउने,
- समितिले सूचकमा आधारित भई क्षमता विकास कार्यक्रमको अनुगमन गर्ने,
- कार्यक्रमको गुणस्तर सुनिश्चित गर्न नियमित रूपमा कार्यक्रमको अनुगमन र समीक्षा गर्ने,
- क्षमता विकास सम्बन्धमा अन्य सहयोगी निकायहरूबीच समन्वय गर्ने,
- क्षमता विकास सम्बन्धी अध्ययन, अन्वेषण गर्ने गराउने,
- क्षमता विकास सम्बन्धी अन्य आवश्यक कार्यहरू गर्ने ।

### ६.२ योजना कार्यान्वयनको अनुगमन तथा मूल्यांकन

गाउँपालिका भनेको स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ को परिधी भित्र रही कार्य गर्ने संस्था भएको हुदा सोहि ऐनको परिधिमा रहि यस गाउँपालिकाबाट आयोजना कार्यान्वयनको अनुगमन तथा मूल्यांकन गरिनेछ । यो क्षमता विकास योजनाको कार्यान्वयनबाट लक्षित उद्देश्य तथा आयोजनाबाट हुनुपर्ने विकास प्रयास र सेवा प्रवाहमा भएको परिवर्तन कुन हदसम्म भयो वा भएन तथा अपक्षित नतिजा प्राप्त भए-नभएको बारे निम्न अनुसार अनुगमन तथा मूल्यांकन गरिनेछ ।

**६.२.१ नियमित अनुगमन:** क्षमता विकास योजनाको कार्यान्वयन चरणमा नियमित अनुगमन गरिनेछ । कार्यान्वयन चरणमा योजनाका गतिविधिहरूको लागत, परिमाण, समय सीमा तथा गुणस्तर लगायत कार्यान्वयन चरणमा आईपरेका समस्या तथा संभावित विकल्पहरू समेतको पहिचान गरी कार्यपालिकालाई पृष्ठपोषण दिन यो अनुगमन गरिनेछ । यो अनुगमनको जिम्मेवारी गाउँपालिकाको मौजुदा अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समितिले क्षमता विकास योजना समन्वय समितिको सहकार्यमा गर्नेछ ।

योजना कार्यान्वयनको अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण निम्न अनुसार गरिनेछ,

- योजनाको प्रत्येक वर्षको कायक्रम स्वीकृत भएपछि, कार्यान्वयनका लागि सम्बन्धित शाखाहरूबाट कार्यपालिकामा पेश भएको एकिकृत कार्य योजनाका आधारमा अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समितिले वार्षिक अनुगमन कार्ययोजना बनाई कार्यान्वयन गर्नेछ ।
- अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समितिले गरेको अनुगमन प्रतिवेदन प्रत्येक २ महिनामा कार्यपालिका बैठकमा पेश गरी छलफल गरिनेछ ।

- यसरी कार्यपालिकामा पेश भएर छलफल गर्दा योजना कार्यान्वयनमा त्रुटिहरू सच्चाउन तथा समय व्यवस्थापन र गुणस्तर कायम राख्न सम्बन्धित पक्षहरूलाई आवश्यक निर्देशन दिईनेछ र यो मान्य सबैको कर्तव्य हुनेछ ।

**६.२.२ मध्यावधिक समिक्षा:** यो क्षमता विकास योजनाले लिएको गति तथा समग्र कार्यान्वयनको अवस्थाको समिक्षा तेस्रो पक्षको तेतृत्वमा योजना सुरु भएको दोस्रो वर्षको अन्त्यमा क्षमता विकास योजना समन्वय समिति समेतको सहभागितामा संयुक्त कार्यदलबाट गराईने छ । यो समिक्षाबाट ३ वर्षमा सम्पन्न गर्नुपर्ने कार्यहरूको गति मापन गरी आवश्यक परे क्षमता विकास योजनाको लक्ष्यहरूको समिक्षा गरी थप वा घट गरी योजनाको नयाँ प्रारूप पनि तयार गर्न सकिनेछ ।

**६.२.३ आयोजना कार्यान्वयन समाप्ति पछिको मूल्याङ्कन:** यो ३ वर्षे क्षमता विकास योजनाले तया गरेका लक्ष्यहरू कुन तहसम्म पुरा भयो र स्रोत साधनको उपयोग, त्यसको तात्पर्यता, प्रभावकारिता, पारदर्शिता, योजनाको कार्यान्वयनबाट निक्तिएका नतिजाहरू तथा तिनिहरूको दिगोपनाको बारेमा यो योजनाको कार्य समाप्ती लगतै तेस्रो पक्षबाट मूल्यांकन गराईनेछ र यसका सिकाईहरूलाई आगामी योजनाहरूमा कार्यान्वयनमा ल्याईनेछ ।

**६.२.४ प्रभाव मूल्यांकन:** यो क्षमता विकास योजनाले समाज तथा समग्र गाउँपालिकामा पारेको प्रभाव बारेमा योजना कार्यान्वयन समाप्तिको १ वर्षपछि तेस्रो पक्षबाट मूल्यांकन गराईनेछ ।

## सन्दर्भ सामाग्रीहरू

- गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०७४
- गाउँपालिकामा मिति २०७८ चैत्र २४ गते भएको अनुशिष्टण तथा सोपछि भएको लेखाजोजाबाट प्राप्त जानकारीहरू
- गाउँपालिकाबाट उपलब्ध विभिन्न दस्तावेजहरू जस्तै गाउँपालिकाको विगत ३ वर्षको नीति, कार्यक्रम तथा बजेट, आवधिक योजना, गाउँपालिकाको कर्मचारी दरबन्दी तथा पदपूर्तिको अवस्था, गाउँपालिकाको भवन, मेसिन, उपकरण तथा भौतिक स्रोत साधनहरू, गाउँपालिकाले पारित गरेका ऐन, नियम, कार्यविधिहरू, गाउँपालिकाको प्रगति प्रतिवेदनहरू आदि।
- नेपालको संविधान
- संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मंत्रालयबाट तयार पारिएको स्थानीय तहहरुको क्षमता विकास योजना तर्जुमा सम्बन्धित दिग्दर्शन, २०७६
- स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ र स्थानीय सरकार संचालन कार्यविधि, २०७६

## अनुसूचिहरू

### अनुसूची १ स्थानीय सरकारको संस्थागत क्षमता (सञ्चालन व्यवस्थापन) लेखाजोखा संक्षिप्त विवरण (एकल तथा साझा आधिकार सँग सम्बन्धित)

|  |  |  |   |
|--|--|--|---|
| <p>१. आर्थिक विकास: कृषि, उद्योग तथा वाणिज्य, पर्यटन, सहकारी, वित्तीय क्षेत्र (संघीय ऐनको थप व्यवस्था: घरेलु तथा साना उद्योग समेत)</p> <p>२. सामाजिक विकास: शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी तथा सरसफाई, संस्कृति, लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण।</p> <p>३. भौतिक पूर्वाधार: सडक तथा पुल, झोलुङ्गो पुल, सिंचाइ, भवन तथा शहरी विकास, ऊर्जा, लघु तथा साना जलविद्युत, वैकल्पिक ऊर्जा, सञ्चार</p> <p>४. वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन: वन तथा भूसंरक्षण, जलाधार संरक्षण, वातावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, फोहरमैला व्यवस्थापन, जलउत्पन्न प्रकोप नियन्त्रण, विपद् व्यवस्थापन</p> |  |  |   |
| क्षमता विकास क्षेत्र   | भूमिका हुने महाशाखा, शाखा तथा इकाई र वडा नं. सहित        | कार्य सम्पादनलाई प्रभाव पारेको विषय  | क्षमता विकासका उपायहरू (शाखा तथा वडागत रूपमा)   |
| <b>(क) विकास व्यवस्थापन</b>  |  |  |   |
| विषयक्षेत्रगत विकास आवधिक/गुरुक योजना तथा नीति नियमहरू   | योजना शाखा/पूर्वाधार विकास शाखा                          | कर्मचारी र सीपको अभाव  | कर्मचारी पदपूर्ति र क्षमता विकास  |
| समावेशी विकास नीति (लैङ्गिक, बालबालिका, सीमान्तीकृत वर्ग, गरीबमुखी विकास)  | सामाजिक विकास शाखा/महिला बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक इकाई | कर्मचारी अभाव<br>नीति निर्माणका लागि छाता कानूनको अभाव भएको, लक्षित वर्गको विकासका लागि स्रोत साधन र जनशक्तिको अभावका कारण                         | कर्मचारी पदपूर्ति र आवश्यक बजेटको व्यवस्थापन र विभिन्न नीति नियमहरूको बारेमा अभिमुखीकरण गर्नुपर्ने। |
| वातावरण, जलवायु परिवर्तन व्यवस्थापन नीति   | पूर्वाधार र वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा            | मार्गदर्शक निर्देशिका र विज्ञ जनशक्तिको अभावका कारणले जलवायु परिवर्तन व्यवस्थापन नीति निर्माण गर्न नसकिएको। योजना बैक तयार गरी सहि सदुपयोग नगरिएको | मार्गदर्शक निर्देशिकाहरूको उपलब्धता र विज्ञहरूबाट तालिमको व्यवस्थापन                                |
| वार्षिक योजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयन सम्बर्भमा  | प्राविधिक शाखा र योजना शाखा                              | योजना तर्जुमा गर्दा जनतामैत्री नभएको, योजना कार्यान्वयन गर्दा दक्ष शिकर्मी तथा डकर्मीको अभाव, डिपाइर भएको योजना कार्यान्वयनमा अपछ्यारो।            | योजना तर्जुमा र दिगो विकास लक्ष्यको स्थानीयकरणबारे तालीम डकर्मी तालिमको आवश्यकता                    |
| दिगो विकास लक्ष्यको स्थानीयकरण   | योजना शाखा   | दिगो विकास लक्ष्य कार्यान्वयन केन्द्रित नभएको र कर्मचारी अभाव  | दिगो विकास लक्ष्यको स्थानीयकरण बारे तालीम   |

|  |   |   |  |
|--|---|---|--|
| वार्षिक योजना कार्यान्वयन                          | योजना शाखा, पूर्वाधार विकास शाखा र अन्य सामाजिक, शिक्ष, स्वास्थ्य, आर्थिक विकास सबै | योजनाहरूको प्राथामिककरणमा समस्या, संघ र प्रदेशसँग समन्वयको अभाव, निजी र सरकारी क्षेत्रको सहकार्यमा योजना निर्माणमा समस्या कर्मचारी र क्षमता अभाव, | दुरदर्शी तथा धेरै लक्षित वर्ग समेट्ने योजनाहरूलाई प्राथामिकता दिने र संघ र प्रदेशसँग समन्वय गरी गौरवका योजनाहरू संचालन गर्ने र साभेदारीमा योजना निर्माण तथा कार्यान्वयन गर्ने विषयमा तालिम |
| मर्मत संभार व्यवस्थापन                             | योजना शाखा, पूर्वाधार शाखा र जिन्सी शाखा  | योजना सम्पन्न पश्चात मर्मत संभार कोष स्थापना नभएको कर्मचारी अभाव र अभिलेख व्यवस्थापनमा समस्या   | कर्मचारी थप र अधिलेख व्यवस्थापनमा आवश्यक तालिम   |
| अनुगमन तथा मूल्यांकन प्रणाली तथा प्रतिवेदन प्रणाली | योजना शाखा /अनुगमन समिती र पूर्वाधार शाखा   | नतीजा मुखी अनुगमन गर्न सीप नपुगेको  | नतीजामुखी अनुगमन प्रणलीबारे सीप  |
| <b>(ख) संस्थागत संगठन र संरचना व्यवस्थापन</b>      |   |   |  |
| कर्मचारी संगठन र संरचना तथा कार्यविभाजन            | प्रशासन शाखा  | संगठन संरचना सर्भे नभएको  | संगठन संरचना सर्भे गर्नुपर्ने  |
| आन्तरिक सञ्चार                                     | प्रशासन शाखा  |   |  |
| कर्मचारीहरूको आचारसंहिता                           | प्रशासन शाखा  |   |  |
| कर्मचारीको कार्यविवरण र कार्यसम्पादन मूल्यांकन     | प्रशासन शाखा  |   |  |
| <b>(ग) वित्तीय व्यवस्थापन</b>                      |   |   |  |
| बजेट र आमदानी तथा खर्च प्रणाली                     | आर्थिक प्रशासन शाखा   | दरवन्दि अनुसार कर्मचारीको अभाव  | कर्मचारी पदपूर्ति र कर्मचारीलाई लेखा सम्बन्धी सफृतवेयरका तालिमहरू आवश्यक   |
| खरिद प्रणाली                                       | जिन्सी र योजना  | खरिद गुरुयोजना तयार गर्न नसकिएको  | गुरुयोजना बनाउन आवश्यक तालिम   |
| सम्पत्ति व्यवस्थापन                                | जिन्सी शाखा   | पुरानो अभिलेख नभएको र कर्मचारी अभाव   | कर्मचारी पूर्ति  |
| आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली र लेखा परिक्षण           | प्रशासन, आ.ले.प शाखा र लेखा शाखा  |   |  |
| प्रतिवेदन प्रणाली                                  | आर्थिक प्रशासन शाखा   | एकै प्रकृतिको सूचना विभिन्न निकायबाट माग हुनु।  | SUTRA प्रणालीलाई Update गर्नु पर्ने  |
| <b>(घ) सूचना व्यवस्थापन</b>                        |   |   |  |

|   |  |   |  |
|---|--|---|--|
| अभिलेख व्यवस्थापन   | सुचना प्रविधि शाखा र प्रशासन                     | पूर्ण विद्युतिय अभिलेख तया गर्न नसकिएको र कर्मचारी अभाव   | कर्मचारी व्यवस्था  |
| सूचना प्राविधिको उपयोग  | सुचना प्रविधि शाखा र प्रशासन                     | पूर्ण विद्युतिय अभिलेख तया गर्न नसकिएको र कर्मचारी अभाव   | कर्मचारी व्यवस्था  |
| <b>(ङ) सुशासन</b>   |  |   |  |
| जनसहभागिता (नितिगत तह र कार्यान्वयन तह)<br>योजनाचक्र, समावेशी, सरोकारवाला | योजना शाखा/वडा कार्यालय/उपभोक्ता समिति           | योजना कार्यान्वयन तहमा जनसहभागिता रामोसँग जुटाउन नसकिएको र टोल विकास संस्थालाई सक्रिय बनाउन नसकिएको | योजना अपनत्वको लागि नागरिक चेतनाका साथै उपभोक्ता समिति र टोल विकास संस्थहरूलाई अभिमुखिकरण सञ्चालन गर्नुपर्ने   |
| पालिकाका समग्र गतिविधि र आर्थिक कारोबारको पारदर्शिता तथा सूचना प्रवाह     | योजना, आर्थिक प्रशासन र सूचना प्रविधि शाखा       | कर्मचारी अभाव र सार्वजनिक सुनुवाई गर्न नसकिएको  | कर्मचारी पदपूर्ति  |
| जवाफदेहिता र गुनासो व्यवस्थापन  | कार्यालय प्रमुख, न्यायिक समिति र वडा कार्यालयहरु |   |  |
| <b>(च) समन्वय र सहकार्य</b>   |  |   |  |
| संघीय निकायहरू तथा प्रदेश सरकार   | अध्यक्ष, उपाध्यक्ष र प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत     | गा.पा.बाट गरिएको समन्वय तथा अनुरोधबारे प्रदेश र संघीय कार्यालयहरुबाट त्यति वास्ता नभएको             | संघ तथा प्रदेश कार्यालयहरू र स्थानीय तहको समन्वय र सहकार्यका लागि बेलाबेलामा गोष्ठि तथा सेमिनार र वार्षिक योजना समिक्षा जस्ता कार्यक्रमहरु सञ्चालन हुनुपर्ने |
| सम्बन्धित कार्यक्रम तथा परियोजनाहरू                                       | विषयगत सबै शाखा                                  | कार्यक्रम तथा परियोजनाहरुका सरोकारवालाहरु समन्वय गर्दागर्दै पनि कार्यक्रम सञ्चालनमा ढिलो गर्ने      | सरोकारवालाहरुका लागि बेलाबेलामा अन्तरक्रिया गर्नुपर्ने   |
| गैसस तथा समुदायमा आधारित संस्थाहरू  | योजना शाखा र गै.स.स. समन्वय शाखा                 |   | पालिकाबाट समन्वयकारी नीति निर्माण हुनुका साथै संघसंस्थालाई गा.पा.मा समन्वयको आधार बनाउनुपर्ने  |
| निजी क्षेत्र  | अध्यक्ष  | सबै नीजिसंस्थासँग समन्वय गर्न गाहो,   | नागरिक जागरूकताका साथै नीजि क्षेत्रसँग समन्वय गर्न आवश्यक नीति तथा नियमहरु र तालिमहरु आयोजना गर्नुपर्ने  |

|   |   |   |   |
|---|---|---|---|
| अन्तर स्थानीय सरकार   | गाउँपालिका/कार्यपालिका                        | पर्याप्त कानून र अन्तर पालिका व्यय सम्बन्धी कानून र नीतिगत समस्या   | अन्तरपालिका तर्फका कानून तथा नीतिहरुको छाता कानूनबाट आवश्यक नीति निर्माण गर्नुपर्ने |
| अन्तर विभाग वा महाशाखा वा शाखा  | प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत तथा प्रशासन शाखा      |   |   |
| <b>५. संस्थागत विकास, सेवा प्रवाह तथा सुशासन:</b> मानव संसाधन विकास, संस्थागत क्षमता विकास, सेवा प्रवाह मापदण्ड निर्धारण, सेवा प्रवाहमा विद्युतीय सूचना प्रणालीको प्रयोग, लेखाङ्कन, राजस्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन, लेखा परीक्षण, बेरुजु फ्लॉट, आन्तरिक नियन्त्रण (एकल तथा साभका अधिकारसँग सम्बन्धित) संघीय ऐनको थप व्यवस्था: भूमि व्यवस्थापन, वडा समितिहरूको कार्य, साभेदारी वा संयुक्त व्यवस्थापनमा कार्य, बजेट तर्जुमा प्रक्रिया, स्थानीय संञ्चत कोष व्यवस्थापन अखिलयारी, लेखा, लेखा परीक्षण, आन्तरिक नियन्त्रण, सूचना प्रविधि), सार्वजनिक खरिद, स्थानीय सरकारको सम्पत्ति संरक्षण |   |   |   |
| क्षमता विकास क्षेत्र  | भूमिका हुने महाशाखा, शाखा तथा इकाई र वडा सहित | कार्य सम्पादनलाई प्रभाव पारेको विषय   | क्षमता विकासका उपायहरु (शाखा तथा वडागत रूपमा)                                       |
| <b>(क) मानव संसाधन विकास</b>  |   |   |   |
| विषय क्षेत्रगत नीति नियमहरू   | प्रशासन शाखा                                  | संघ प्रदेशले छाता ऐन कानून अनुसार हुने  |   |
| समावेशी विकास नीति (लैंगिक, बालबालिका, सीमान्तीकृत वर्ग, गरीबमुखी विकास)  | सामाजिक विकास शाखा/महिला तथा बालबालिका शाखा   | जन प्रतिनिधीले चासो नदिनु, कर्मचारीको क्षमता नपुग्नु, ऐन कानून निर्माणमा विज्ञताको अभाव र खर्चको मापदण्ड प्रष्ट नहुनु। गरिव पहिचानको उचित आधार नभएको/ सबै वर्गका लागि पर्याप्त वजेट, स्रोत साधनको कमी | समावेशी विकास नीतिको संवेदनशिलतावारे जनप्रतिनिधी र कर्मचारीलाई तालिम दिनुपर्ने      |
| वार्षिक योजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयन   | गाउँसभा /गाउँपालिका/ वडा समिति योजना          | अनावश्यक दबाव   | योजना तर्जुमा बारे प्रशिक्षण  |
| अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणाली   | योजना शाखा/प्रशासन शाखा                       | वजार अनुगमन तथा अन्य विभिन्न क्षेत्रको अनुगमनका लागि स्रोत र मानवीय साधनको समस्या भएको  | योजनामा ज्ञान हुनका लागि तालिम / नागरिक सचेतनाको आवश्यकता                           |
| विषय क्षेत्रगत नीति नियमहरू   | प्रशासन शाखा                                  | संघ प्रदेशले छाता ऐन कानून निर्माण गरेको भए तापनि पालिका भित्र कानून ज्ञाताको अभाव  | कानून विज्ञको व्यवस्था र कानून निर्माणबारे अभिमुखिकरण आवश्यक                        |
| <b>(ख) संस्थागत क्षमता विकास</b>  |   |   |   |
| सेवा पहिचान र सेवा प्रवाहको लागि कर्मचारीको क्षमता विकास  | प्रशासन शाखा                                  | O & M Survey नभएको  | O & M Survey गर्नु पर्ने  |

|   |  |  |  |
|---|--|--|--|
| आन्तरिक सञ्चार  | सुचना प्रविधि शाखा                     |  |  |
| कर्मचारीहरूको आचारसंहिता  | प्रशासन शाखा                           |  |  |
| कर्मचारीको कार्यविवरण र<br>कार्यसम्पादन मूल्यांकन                             | प्रशासन शाखा                           |  |  |
| <b>(ग) सेवा प्रवाह मापदण्ड निर्धारण</b>                                       |  |  |  |
| कार्यक्रम, बजेट र खर्च प्रणाली  | गाउँसभा/कार्यपालिका/लेखा र योजना शाखा  | न्युन वजेटको आधारमा असिमित योजना तथा कार्यक्रम सञ्चालन गर्नुपर्दा पर्याप्त काम गर्न समस्या                             |  |
| सार्वजनिक खरिद प्रणाली  | खरिद ईकाई                              | घटिघटाउमा जाँदा गुणस्तरमा कमी हुने गरेको   |  |
| सम्पत्ति व्यवस्थापन   | जिन्सी शाखा                            |  |  |
| सेवाको गुणस्तर सुनिश्चितता  | प्राविधिक/ प्रशासन शाखा                |  |  |
| आन्तरिक नियन्त्रण र लेखा परिक्षण  | आलेप शाखा                              |  |  |
| <b>(घ) सूचना व्यवस्थापन</b>   |  |  |  |
| अभिलेख व्यवस्थापन   | सुचना प्रविधि शाखा र प्रशासन           | पुरानो अभिलेखीकरण बाहेक फरक प्रविधि अनुसार वेभसाइटमा राखिने हुदा सहज भएतापनि इन्टरनेटको समस्याले खासै प्रभावकारी नभएको |  |
| सूचना प्राविधिको उपयोग  | सुचना प्रविधि शाखा                     | जनशक्ति अभाव   | कर्मचारीको आपूर्ति र क्षमता अभिवृद्धि गर्नुपर्ने   |
| <b>(ङ) राजश्व परिचालन र वित्तीय अनुशासन</b>                                   |  |  |  |
| जनसहभागिता (नितिगत तह र<br>कार्यान्वयन तह)<br>योजना चक्र, समावेशी, सरोकारवाला | योजना शाखा/वडा कार्यालय/उपभोक्ता समिति | योजना कार्यान्वयन तहमा जनसहभागिता एकदमै न्युन भएको/नाम मात्रको जनसहभागीता भएको   | योजना अपनत्वको लागि नागरिक चेतनाका साथै टोल विकास समिति र उपभोक्ता समितिहरूलाई विकास सम्बन्धी तालिम सञ्चालन गर्नुपर्ने |
| पारदर्शिता तथा सूचना प्रवाह   | गाउँपालिका/वडा/सबै शाखा                | सुचना प्राविधिको पुण्ठतया प्रयोग हुन नसकेको/योजनाको सामाजिक परिक्षण गरिकाले पारदर्शिता कायम भएको                       | सुचना प्राविधिका बारेमा जनचेतना तथा प्रयोग सम्बन्धमा अभिमुखिकरण गर्नुपर्ने/सुचनाको हक्कबारे नागरिक सचेतना गर्नुपर्ने   |
| जवाफदेहिता र गुनासो व्यवस्थापन  | गुनासो सुनुवाई अफिसर/कार्यालय प्रमुख   |  | गुनासो व्यवस्थापनबारे गुनासो सुनुवाई अधिकारीलाई अनुशिक्षण  |

अनुसूची २ स्थानीय सरकारको संस्थागत क्षमता (नेतृत्व तह) लेखाजोखा (नेतृत्व तहको क्षमता विकास आवश्यकताको लेखाजोखा अनुसूचि ३ मागमा आधारित)

| क्षमता विकास क्षेत्र  | भूमिका हुने प्रमुख/उपप्रमुख समिति/उपसमिति | कार्यसम्पादनलाई प्रभाव पारेको विषय                              | क्षमता विकासका उपायहरु  |
|---|---|---|---|
| स्थानीय सभा व्यवस्थापन  | सभाअध्यक्ष/ सभासचिव                       | सबै सदस्यलाई सभा सञ्चालन ज्ञानको अभाव                           | सभा सञ्चालन सम्बन्धी प्रशिक्षण  |
| कार्यपालिका बैठक व्यवस्थापन र निर्णय प्रक्रिया                        | सभाअध्यक्ष/ सभासचिव                       |   | बैठक सञ्चालन र निर्णय प्रक्रियाको चरणवद्ध तालिम   |
| दूरदृष्टि र रणनीतिक (आवधिक वा गुरु वा एकीकृत) पालिका/गाउँ विकास योजना | गाउँसभा/कार्यपालिका/योजना शाखा            |   |   |
| आवश्यक ऐन कानून तर्जुमा र कार्यान्वयन                                 | गाउँसभा/कार्यपालिका                       | कानूनको दक्ष जनशक्तिको अभाव                                     | कानूनको जनशक्तिको व्यवस्थापन गरी गाउँसभाका सदस्यहरुलाई कानूनका बारेमा प्रशिक्षण गरिनुपर्ने                                  |
| संरचना तथा व्यवस्थापन विकास   | कार्यपालिका                               | सिमित वजेटका कारण पर्याप्त संरचनाको अभावमा सेवा प्रवाहमा समस्या | संरचना निर्माणका र पालिका व्यवस्थापनका लागि आवश्यक स्रोत साधनको व्यवस्थापन आवश्यक   |
| वडा कार्यालय व्यवस्थापन   | कार्यपालिका                               | सिमित वजेटका कारण पर्याप्त संरचनाको अभावमा सेवा प्रवाहमा समस्या | संरचना निर्माणका र वडा व्यवस्थापनका लागि आवश्यक स्रोत साधनको व्यवस्थापन आवश्यक  |
| न्यायिक समितिको कार्यप्रणाली तथा कार्य सम्पादन                        | उपाध्यक्ष/न्यायिक समिति संयोजक            | गाउँपालिकामा कानून सम्बन्धी जनशक्ति वा कर्मचारीको अभाव          | मेलमिलापकर्ताको उत्पादन, पदाधिकारीलाई न्याय सम्पादन सम्बन्धी आधारभुत तालिम र बेलाबेलामा कानूनी विषयमा अभिमुखिकरण गरिनुपर्ने |
| समिति, उपसमितिहरूको परिचालन   | उपाध्यक्ष                                 | क्षेत्राधिकार भित्रको ज्ञानको कमी                               | समितिको संवेदनशिलता र जिम्मेवारी बारे प्रशिक्षणको आवश्यकता भएको   |
| सामाजिक समावेशीकरण तथा निर्णय प्रक्रियामा सहभागिता                    | कार्यपालिका तथा सबै निर्वाचित पदाधिकारी   | समावेशीकरणमा न्युन ज्ञान  | कार्यपालिका सदस्यहरुलाई GESI तालिमको व्यवस्थापन गरिनुपर्ने  |

|                                      |  |  |   |
|--------------------------------------|--|--|---|
| सहकार्य, समन्वय र साझेदारिता         | अध्यक्ष/उपाध्यक्ष/वडा अध्यक्ष                      | समन्वय सहकार्य भएपनि सोहि अनुरूप कार्यसफलतामा कमी                              | नीजि क्षेत्रसँगको साझेदारीताका लागि लगानी सम्मेलन जस्ता कार्यक्रम बनाउनुपर्ने |
| पारदर्शिता तथा गुनासो सुन्ने प्रणाली | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत/ गुनासो अधिकारी /उपाध्यक्ष | दक्षताको अभाव  | गुनासो व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम आवश्यक                                       |
| अनुगमन तथा मूल्यांकन                 | उपाध्यक्ष र प्राविधिक कर्मचारी                     | नतीजामुखी अनुगमन प्रणालीको विकास गर्न बाँकी भएको हुदा अनुगमन औपचारिक मात्र भयो | नतीजामुखी अनुगमन प्रणालीको विकास गर्नुपर्ने                                   |
| संस्थागत मूल्य तथा मान्यता           | कार्यपालिका /कर्मचारी सबै/गाउँ सभा सदस्य           |  | संस्थागत मूल्य मान्यता सम्बन्धमा तालिम तथा प्रशिक्षणको आवश्यकता               |

अनुसूची ३ आपूर्तिमा आधारित क्षमता विकास आवश्यकता पहिचानका फाराम (अनुसूचि ५ मा आधारित)

(क) गाउँपालिकाको अधिकारको उपयोगको अवस्था

| गाउँपालिकाको अधिकार  | उपयोग भए/नभएको | जनशक्ति भए/नभएको     |
|--|----------------|----------------------|
| (क) एकल अधिकार क्षेत्र   |                |                      |
| ग्रामिण प्रहरी   | नभएको          | नभएको                |
| सहकारी संस्था  | भएको           | भएको                 |
| एफ.एम. संचालन  | भएको           | भएको                 |
| स्थानीय कर, सेवा शुल्क, दस्तुर                                   | भएको           | भएको                 |
| स्थानीय सेवा व्यवस्थापन  | भएको           | भएको                 |
| स्थानीय तथ्यांक र अभिलेख व्यवस्थापन                              | भएको           | भएको                 |
| स्थानीय स्तरका विकास आयोजना तथा परियोजना                         | भएको           | भएको                 |
| आधारभूत र माध्यमिक शिक्षा  | भएको           | भएको                 |
| आधारभूत स्वास्थ्य र सरसफाई                                       | भएको           | भएको                 |
| स्थानीय बजार व्यवस्थापन, वातावरण संरक्षण र जैविक विविधता         | भएको           | भएको                 |
| स्थानीय सडक, ग्रामिण सडक, कृषि सडक र सिँचाइ                      | भएको           | भएको                 |
| गाउँसभा, मेलमिलाप र मध्यस्थिताको व्यवस्थापन                      | भएको           | भएको                 |
| स्थानीय अभिलेख व्यवस्थापन  | भएको           | भएको                 |
| जग्गाधनी दर्ता प्रमाणपूर्जा वितरण                                | नभएको          | नभएको                |
| कृषि तथा पशुपालन, कृषि उत्पादन व्यवस्थापन, पशु स्वास्थ्य, सहकारी | भएको           | भएको                 |
| ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र अशक्तहरूको व्यवस्थापन    | भएको           | भएको                 |
| बेरोजगारको तथ्यांक संकलन   | भएको           | भएको                 |
| कृषि प्रसारको व्यवस्थापन, सञ्चालन र नियन्त्रण                    | भएको           | भएको                 |
| खानेपानी, साना जलविद्युत् आयोजना, वैकल्पिक ऊर्जा                 | भएको           | भएको                 |
| विपद् व्यवस्थापन   | भएको           | भएको                 |
| जलाधार, वन्यजन्तु, खानी तथा खनिज पदार्थको संरक्षण                | आंशिक भएको     | भएको                 |
| भाषा, संस्कृति र ललितकलाको संरक्षण र विकास                       | हुँदै गरेको    | छुटौटै जनशक्ती नभएको |

|  |                                     |       |
|--|-------------------------------------|-------|
| (ख) साझा अधिकारबाट प्राप्त अधिकार  |                                     |       |
| खेलकुद र पत्रपत्रिका   | छैन                                 | छैन   |
| स्वास्थ्य  | भएको                                | भएको  |
| विद्युत, खानेपानी तथा सिंचाइ जस्ता सेवाहरू   | भएको                                | भएको  |
| वन, जंगल, वन्यजन्तु, चराचुरुङ्गी, जल उपयोग, वातावरण, पर्यावरण तथा जैविक विविधता      | स्थानीय आवश्यकता अनुसार हुँदै गरेको | नभएको |
| सामाजिक सुरक्षा र गरीबी निवारण   | भएको                                | भएको  |
| व्यक्तिगत घटना, जन्म, मृत्यु, विवाह र तथ्याङ्क                                       | भएको                                | भएको  |
| स्थानीय स्तरमा पुरातत्व, प्राचीन स्मारक र सँग्रहालय संरक्षण, संवर्द्धन र पुनःनिर्माण | भैरहेको                             | भएको  |
| सुकुम्बासी व्यवस्थापन  | नभएको                               | नभएको |
| प्राकृतिक स्रोतबाट प्राप्त रोयलटी  | पाएको                               | भएको  |
| सवारी साधन अनुमति  | नभएको                               | नभएको |
| संघसंस्था दर्ता तथा नवीकरण   | भएको                                | भएको  |
| भूमि व्यवस्थापन  | भएको                                | भएको  |
| सञ्चार सेवा  | नभएको                               | नभएको |
| यातायात सेवा   | नभएको तर उन्मुख                     | नभएको |
| घरेलु तथा साना उद्योग  | भएको                                | भएको  |

(ख) ऐन, नियम, विधि र प्रणालीको स्थापनाको अवस्था

यस वराहपोखरी गाउँपालिकाले आफ्नो आवश्यकताका आधारमा निम्न अनुसारका ३४ वटा ऐन, नियम, निर्देशिका तथा कार्यविधिहरु निर्माण गरेको अवस्था छ ।

| वराहपोखरी गाउँपालिका, खोटाङ |   |
|-----------------------------|---|
| कानूनहरु                    |   |
| सि नं                       | कानूनको शिर्षक  |
| १                           | वराहपोखरी गाउँपालिका शिक्षा ऐन, २०७६  |
| २                           | वराहपोखरी गाउँपालिका न्यायिक समिति कार्यविधि, २०७६  |
| ३                           | वराहपोखरी गाउँपालिका कृषी व्यवसाय प्रबद्धन ऐन, २०७६   |
| ४                           | वराहपोखरी गाउँपालिका विपद जोखिम तथा न्यूनिकरण ऐन, २०७६  |
| ५                           | वराहपोखरी गाउँपालिका प्रशासकीय कार्यविधि, २०७६  |
| ६                           | वराहपोखरी गाउँपालिका आर्थिक गतिविधि ऐन, २०७६  |
| ७                           | वराहपोखरी गाउँपालिका व्यवसाय दर्ता तथा नविकरण निर्देशिका, २०७६  |
| ८                           | वराहपोखरी गाउँपालिका शिक्षा नियमावली, २०७६  |
| ९                           | वराहपोखरी गाउँपालिका बजार अनुगमन निर्देशिका, २०७६   |
| १०                          | वराहपोखरी गाउँपालिका कृषी विकास कार्यक्रम सञ्चालन तथा व्यवस्थापन कार्यविधि, २०७६                        |
| ११                          | वराहपोखरी गाउँपालिका अनुदान तथा आर्थिक सहायता कार्यविधि, २०७६   |
| १२                          | वराहपोखरी गाउँपालिका मेडपा कार्यक्रम संचालन कार्यविधि, २०७६   |
| १३                          | वराहपोखरी गाउँपालिका उर्जा विकास सम्बन्धी कार्यविधि, २०७६   |
| १४                          | वराहपोखरी गाउँपालिका जेष्ठ नागरीक सम्बन्धी कार्यविधि, २०७६  |
| १५                          | वराहपोखरी गाउँपालिका आधारभूत तह (कक्षा-८) परीक्षा संचालन कार्यविधि, २०७६                                |
| १६                          | वराहपोखरी गाउँपालिका सल्लाहकार तथा परामर्श नियुक्ति, २०७६   |
| १७                          | वराहपोखरी गाउँपालिका करारमा प्राविधिक कर्मचारी व्यवस्थापन कार्यविधि, २०७६                               |
| १८                          | वराहपोखरी गाउँपालिका आपतकालिन कार्य संचालन कार्यविधि, २०७६  |
| १९                          | वराहपोखरी गाउँपालिका बैठक संचालन कार्यविधि, २०७६  |
| २०                          | वराहपोखरी गाउँपालिका राजपत्र प्रकाशन कार्यविधि, २०७६  |
| २१                          | वराहपोखरी गाउँपालिका एफ.एम. रेडियो संचालन कार्यविधि, २०७६   |
| २२                          | वराहपोखरी गाउँपालिका 'घ' वर्गको निर्माण व्यवसायी सम्बन्धी कार्यविधि, २०७६                               |
| २३                          | वराहपोखरी गाउँपालिका अनाथ तथा जोखिमयुक्त बालबालिका सुरक्षा सम्बन्धी कार्यविधि, २०७६                     |
| २४                          | वराहपोखरी गाउँपालिका आर्थिक ऐन, २०७६  |
| २५                          | वराहपोखरी गाउँपालिका संस्था दर्ता ऐन, २०७६  |
| २६                          | वराहपोखरी गाउँपालिका स्वास्थ्य तथा सरसफाई ऐन, २०७६  |
| २७                          | वराहपोखरी गाउँपालिका सहकारी ऐन, २०७६  |
| २८                          | वराहपोखरी गाउँपालिका सार्वजनिक खरीद नियमावली, २०७६  |
| २९                          | वराहपोखरी गाउँपालिका कार्य विभाजन नियमावली, २०७६  |
| ३०                          | वराहपोखरी गाउँपालिका कार्य सम्पादन नियमावली, २०७६   |
| ३१                          | वराहपोखरी गाउँपालिका साना व्यवसायिक कृषी उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्ययक्रम संचालन कार्यविधि, २०७६ |
| ३२                          | वराहपोखरी गाउँपालिका कृषक समुह गठन तथा व्यवस्थापन कार्यविधि, २०७६                                       |
| ३३                          | वराहपोखरी गाउँपालिका स्थानीय कृषी श्रोत व्यक्तिको विकास तथा परिचालन कार्यविधि, २०७६                     |
| ३४                          | वराहपोखरी गाउँपालिका उपभोक्ता गठन, परिचालन तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यविधि, २०७६                      |

(ग) कर्मचारी तथा पूर्वाधार अवस्थाको विश्लेषण महाशाखा/शाखाको नाम वा बडा नं.

| विद्यमान महाशाखा/शाखा                        | कर्मचारीहरू (तह, सेवा र संब्या)  |  | भवन/स्थान, फर्निचर तथा मुख्य उपकरणहरू (यन्त्र- machine), सवारी साधन, सूचना प्रविधि सफ्टवेयर समेत र अन्य) |   |
|--|--|--|--|---|
|  | विद्यमान   | थप आवश्यक  | विद्यमान   | थप आवश्यक   |
| १. प्रशासन शाखा                              | १  |  | कम्प्युटर र ल्याप्टप, फर्निचर  |   |
| २. योजना शाखा                                |  | १  |  |   |
| ३. आर्थिक प्रशासन शाखा                       | २  |  |  |   |
| ४. प्राविधिक शाखा                            | प्राविधिक अधिकृत ५ र<br>कम्प्युटर अपरेटर १   |  | ल्याप्टप २, फर्निचर,<br>ईन्जिनियरिङ उपकरण  | एवनी लेवल, Total Station,<br>Road Softner, Water sprayer, Motorcycle .                  |
| ५. सूचना संचार तथा प्रविधि शाखा              | IT Officer - १ र सहयोगी<br>१   |  | ल्याप्टप, फर्निचर  |   |
| ६. शिक्षा, युवा तथा खेलकुद शाखा              | १  | १  | ल्याप्टप, फर्निचर  |   |
| ७. स्वास्थ्य शाखा                            | २ जना सि.अ.हे.व. छैठौं तह<br>१ जना र अ.न.मी १ जना,<br>सि.अ.हे.व. पाचौं तह २,<br>सि.अ.न.मी २, अ.न.मी पाचौं<br>९, का.स. ६ जना,<br>अ.हे.व. चौथो १०, ब.पो.सि.१<br>जना र स्टाफ नर्स पाचौं १ | अ.हे.व. छैठौं ६, अ.न.मी पाचौं ४,<br>अ.न.मी चौथो ३, अ.हे.व. पाचौं<br>२, का.स. २, स्टाफ नर्स पाचौं १ | भवन १, फर्निचर ६, उपकरणमा<br>सफ्टवेर र सूचना प्रविधि ६   | भवन ६, सवारी साधन ८, सूचना<br>प्रविधि सफ्टवेर २ फर्निचर २<br>सफ्टवेर                    |
| ८. कृषि तथा पशु सेवा शाखा                    | ६  | ६  | आवश्यक फर्निचर   |   |
| ९. पर्जिकरण शाखा                             | २  | ०  | कम्प्युटर, फर्निचर र अन्य  |   |
| १०. रोजगार सेवाकेन्द्र                       | १ रोजगार सहायक   | १ जना प्राविधिक सहायक  | कम्प्युटर, ल्याप्टप र फर्निचर  | रोजगार सहायक प्र.स पदपूर्ति गर्नु<br>पर्ने  |
| ११. महिला, वालवालिका तथा<br>समाज कल्याण शाखा | ०  | ०  |  | ०   |
| १२. सबै ६ बडामा                              | ११ जना (सचिव र सहायक)  | १ जना सचिव आवश्यक  | कम्प्युटर, ल्याप्टप र फर्निचर  | डेस्कटप ६, ल्याप्टप ६, प्रिन्टर ६,<br>सूचना पाठी ६, नागरिक बडापत्र<br>६ र अन्य सामाग्री |

(घ) नयाँ अवधारणा, नीति तथा सूचना प्राविधिको उपयोगको अवस्था (प्र.प्र.अ. वा कुनै जिम्मेवार कर्मचारीबाट)

| अवधारण, नीति तथा सूचना प्रणाली   | हालको अवस्था  | अब के गर्ने                                 |
|--|---|---|
| राजस्व सुधार योजना तथा राजस्व प्रक्षेपण  | छैन   | तयार गर्ने                                  |
| आवधिक रणनीतिक योजनाहरू   | छ, तर निष्कृय   | अध्यावधिक गरी कार्यान्वयन योग्य बनाउनुपर्ने |
| गुरु योजनाहरू  | बनेको तर कमजोर  | अध्यावधिक गरी कार्यान्वयन योग्य बनाउनुपर्ने |
| मध्यावधिक खर्च संरचना  | छैन   | बनाउनुपर्ने                                 |
| वार्षिक बजेट तर्जुमा प्रणाली   | तयार भएको   |   |
| नीतिजामुखी अनुगमन प्रणालीको स्थापना  | तयार छैन  | बनाउनुपर्ने                                 |
| लैङ्गिक तथा सामाजिक समावेशीकरण   | लक्षित वर्ग, समुदायमा केन्द्रित बजेट विनियोजन भएका, हरेक योजना, नीति निर्माण र बजेट निर्माण प्रक्रियामा समावेशीकरण भएको |   |
| उत्थानशीलता (आर्थिक, विपद्, निर्माण, सामाजिक आदि)  | छैन   | बनाउनुपर्ने                                 |
| जलवायु परिवर्तन तथा कार्बन उत्सर्जन न्यूनीकरण  | छैन   | बनाउनुपर्ने                                 |
| निर्माण मापदण्ड तथा भवन संहिता   | छैन   | बनाउनुपर्ने                                 |
| सूचना प्रविधि तथा सफ्टवेयरहरू (SUTRA, राजस्व, घटना दर्ता, इ-विडिझ, योजना, IEMIS, EMIS, Token System, CC-TV, Digital Display Board, Digital Charter, ANB, DHIS आदि) | छ,  |   |
| उत्तरदायित्वका संयन्त्रहरू तथा उपयोग   | छ,  |   |
| फोहोरमैला व्यवस्थापन दिग्दर्शन, प्रणाली वा नीति  | नभएको   | तयार गर्नुपर्ने                             |
| आर्थिक विकास र निजी क्षेत्रसँगको साझेदारी अपाङ्गमैत्री कार्यस्थानको व्यवस्था आदि ।   | छैन   | तयार गर्ने                                  |

**अनुसूची ४ स्थानीय सरकारको विद्यमान मानव संसाधनको क्षमता लेखाजोखा फाराम (शाखागत रूपमा अनुसूचि द) (सबै शाखा र वडा कार्यालयबाट)**

| शाखाको नाम तथा वडा नं       | पदीय जिम्मेवारी         | कार्यविवरण अनुसार गर्नुपर्ने मुख्य कार्यहरू   | कार्यसम्पादनमा देखिएका कठिनाइहरू   | विद्यमान ज्ञान, सीप र दक्षता (स्वमूल्याङ्कन) |       |       | ज्ञान, सीप र दक्षता वृद्धिका लागि अपेक्षा गरिएको क्षमता विकास कार्यक्रम (विषयवस्तु) |
|-----------------------------|-------------------------|---|--|--|-------|-------|---|
|                             |                         |   |  | उच्च   | मध्यम | न्यून |   |
| प्रशासन शाखा                | प्रशासन शाखा प्रमुख     | स्थानीय सेवाको व्यवस्थापन सम्बन्धी नीति, मापदण्ड सेवा, शर्त, योजना, कार्यान्वयन र नियमन<br>स्थानीय सेवाको व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्य मानव संसाधन विकासका लागि अल्पकालीन तथा दिर्घकालिन योजना तर्फुमा | पर्याप्त कर्मचारी नहुदा सेवा प्रवाहमा तिव्रता कायम हुन नसकेको<br>मानव संसाधन विकासका लागि पर्याप्त तालिमको अभाव<br>जनशक्ति क्षमता विकास तालिमको अभाव |  | ✓     |       | विषयसँग सम्बन्धित तालिम   |
| योजना शाखा                  | शाखा प्रमुख             | विकास आयोजना तथा परियोजना सम्बन्ध नीति कानून मापदण्ड योजना र नियमन, उपभोक्ता समितिको विवरण र आवधिक प्रगति तथा प्रतिफलको समिक्षा   | विकास आयोजनाको दिगोपना सुनिश्चितताको अभाव  |  | ✓     |       | नतीजामा आधारित अनुगमन प्रणाली स्थापना बारे तालिम                                    |
| आर्थिक प्रशासन शाखा         | लेखा शाखा प्रमुख        | कारोबारको लेखा राख्ने, पारदर्शिता, प्रतिवेदन तयार गर्ने, लेखा परिक्षण गराउने आर्थिक कार्यान्वयन निति कानून मापदण्ड कार्यान्वयन र नियमन, आर्थिक प्रशासन र व्यवस्थापन                                 | नीतिगत समस्या, प्रविधिमा समस्या, जनशक्तिको अभाव  |  | ✓     |       | सफ्टवयर सम्बन्धी तालिम  |
| प्राविधिक शाखा              | शाखा प्रमुख (इन्जिनीयर) | पालिकाको योजनाहरूको कार्यान्वयनका लागि समग्र प्राविधिक जिम्मेवारी   | क्षमता विकास कार्यक्रम नहुनु कार्यालयमा आधुनिक प्राविधिमैत्री हुन नसक्नु, आवश्यक उपकरणको अभाव  |  | ✓     |       | PPMO पूर्ण तालिम,   |
| सूचना प्रविधि शाखा          | सूचना प्रविधि अधिकृत    | सूचना तथा सञ्चार प्रविधिमा आधारित तथ्यांक व्यवस्थापन अभिलेख तथा नियमन अभिलेख व्यवस्थापनमा नविनतम सूचना प्राविधिको प्रयोग  | प्राविधिक कठिनाई इन्टरनेटमा सबैको पर्याप्त पहुँच नहुनु स्थानीयमा विद्युतिय साक्षरताको कमी  |  | ✓     |       | IT Methodology Training   |
| शिक्षा युवा तथा खेलकुद शाखा | शिक्षा अधिकृत           | प्राविधिक शिक्षा तथा व्यवसायिक तालिमको योजना तर्फुमा, सञ्चालन, अनुमति र नियमन विद्यालय शिक्षक तथा कर्मचारी व्यवस्थापन विद्यार्थी प्रोत्साहन तथा छात्रवृत्तिको व्यवस्थापन                            | समयानुकूल पाठ्यक्रम नहुन विद्यार्थी प्रोत्साहनका लागि पर्याप्त छात्रवृत्तिको अभाव, भौगोलिक कठिनाई  |  | ✓     |       | समय समयमा शिक्षावारे तालिम, सेवाकालिन तालिम   |

| खेलकुदको विकास र प्रवर्द्धन           |                        |  |   |   |  |   |
|---------------------------------------|------------------------|--|---|---|--|---|
| स्वास्थ्य शाखा                        | स्वास्थ्य संयोजक       | आधारभूत स्वास्थ्य र सरसफाई सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड, योजनाको निर्माण, कार्यान्वयन तथा नियमन आधारभूत स्वास्थ्य सेवाको सञ्चालन र प्रवर्द्धन जनस्वास्थ्य निगरानी स्वास्थ्य सूचना प्रणालीको व्यवस्थापन  | उच्च स्तरीय ल्याव नहुन, आन्तरिक समन्वय कमजोर हुनु, सवारी साधनको अभाव  | ✓ |  | ल्याव व्यवस्था, वाईक र अन्य पुनरताजगी तालिम |
| कृषि तथा पशुसेवा शाखा                 | कृषि अधिकृत पशु अधिकृत | कृषिजन्य प्राकृतिक प्रकोप तथा महामारी रोगको नियन्त्रण उच्च मुल्ययुक्त कृषिजन्य वस्तुको प्रवर्द्धन, विकास तथा बजारीकरण कृषि वित्तविजन नश्ल, मलखाद र रसायन तथा औषधीहरूको आपूर्ति उपयोग र नियमन पशुपन्थीजन्य प्राकृतिक प्रकोप तथा महामारी रोगको नियन्त्रण पशु आहारको गुणस्तर नियमन पशुवधशाला र शितभण्डारको व्यवस्थापन र नियमन | प्राविधिक जनशक्तिको अभाव, कृषि प्रयोगशालाको अभाव, पर्याप्त बजेटको अभाव  | ✓ |  | क्षमता विकास तालिम र कृषिकाम बजेट वृद्धि ।  |
| पन्जीकरण शाखा                         | सहायक पाचौँ            | सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धि स्थानीय नीति, कानून, मापदण्ड, नियमन र अध्यायन अनुसन्धान गर्ने, व्यक्तिगत घटना दर्ता र अभिलेख व्यवस्थापन   |   | ✓ |  | सम्बन्धित विषयमा तालिम                      |
| रोजगार सेवा केन्द्र                   | रोजगार संयोजक          | बेरोजगारको तथ्यांक संकलन र व्यवस्थापन तथ्यांक अद्यावधि र प्रसारण   | कर्मचारी अभाव   | ✓ |  | कर्मचारी थप र तालिम                         |
| महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण इकाई | महिला विकास अधिकृत     | महिलाको आर्थिक, सामाजिक, राजनितिक शसक्तिकरण, क्षमता विकास बालबालिकाको हकक्षण संरक्षण सम्बन्धि स्थानीय नीति, कानून, मापदण्ड, योजना, कार्यान्वयन र नियमन ज्येष्ठ नागरिकको लगत, परिचयपत्र, सम्मान, स्वास्थ्य सुविधा, सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धि कार्य, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र अशक्तहरूको व्यवस्थापन सम्बन्धी अन्य कार्य        | अपाङ्गता, वृद्ध लगायतको परिचय पत्र वितरणमा समस्या बाल क्लबलाई एकद्वारा प्रणालीमा ल्याउन नसकीएको क्षेत्राधिकारमा अभाव दोहोरो क्षेत्राधिकार शिक्षा शाखा र महिला बालबालिका | ✓ |  | लैङ्गिक सामता तथा सामाजिक समावेशिकरण तालिम  |

|                                     |                   |   |  |  |   |  |   |
|-------------------------------------|-------------------|---|--|--|---|--|---|
| गाउँपालिकाका<br>सबै ६ वटा<br>वडाहरु | वडा सचिव र सहयोगी | वडास्तरीय तथ्यांकन संकलन तथा<br>अध्यावधिक गर्ने<br>वडाका विकास निर्माणका योजना तर्जूमा,<br>कार्यान्वयन, अनुगमन तथा आवधिक प्रगति<br>समिक्षा गर्ने,<br>अभिलेख व्यवस्थापन, सिफारिस तथा<br>प्रमाणित गर्ने | क्षमता विकास तालिमको अभाव<br>र कार्यालयलाई सूचना प्रविधिमैत्री<br>बनाउन नसक्नु |  | ✓ |  | एकिकृत विकास तथा<br>तथ्यांक व्यवस्थापन तालिम,<br>सूचना प्रविधि सम्बन्ध<br>तालिम |
|-------------------------------------|-------------------|---|--|--|---|--|---|

अनुसूची ५ स्थानीय सरकारको विद्यमान मानव संसाधनको क्षमता लेखाजोखा फाराम (शाखागत रूपमा अनुसूचि द) (सबै शाखा र वडा कार्यालयबाट)

| क्षमता विकासका क्षेत्र  | प्रशिक्षण/<br>अभिमुखीकरण/<br>अन्तररकिया/अन्य | कार्यक्रम किन<br>आवश्यक<br>परेको हो ?                              | कार्यक्रम कसका लागि (कृपया ठीक चिन्ह लगाउनु होला, एक भन्दा बढी पनि<br>हुन सक्दछ) |  |  |                                  |                   | अपेक्षित<br>उपलब्धि                                | कार्यक्रम<br>सञ्चालन गर्न<br>उपयुक्त महिना |
|---|--|--|--|--|--|----------------------------------|-------------------|--|--|
|   |  |  | कार्यपालिका<br>प्राविधिकारी  | वडा<br>समितिका<br>अध्यक्ष<br>तथा<br>सदस्यहरू | कर्मचारीहरू<br>(कुन स्तरका<br>कर्मचारी)            | वडा<br>कार्यालयका<br>कर्मचारीहरू | अन्य<br>(खुलाउने) |  |  |
| स्थानीय शासनसम्बन्धी<br>नीति, कानून र<br>सार्वजनिक प्रशासन                          | प्रशिक्षण                                    | सेवा प्रवाहमा<br>सहजता   | ✓ १२ जना   | ✓ ३० जना                                     | ✓ सबै अधिकृत वा<br>शाखा प्रमुखहरू<br>१५ जना        | ✓ ६ जना                          |                   | स्थानीय शासन<br>सञ्चालनमा<br>सहजता                 | भाद्र, असोज                                |
| स्थानीय न्यायिक तथा<br>मध्यस्थिता   | प्रशिक्षण                                    | न्यासम्पादनका<br>लागि  | ✓ १२ जना   |  | ✓ न्यायिक समिति<br>हेतौ कर्मचारी ३<br>जना          |                                  |                   | स्थानीय भै<br>झगडा मिलाउन<br>सक्षम                 | जुनसुकै बखत                                |
| नतिजामा आधारित योजना<br>तर्जुमा र अनुगमन तथा<br>मूल्याङ्कन प्रणाली                  | तालिम  | योजना तर्जुमा,<br>अनुगमन तथा<br>मुल्याङ्कनबारे<br>ज्ञान हासिल गर्न | ✓ १२ जना   | ✓ ३० जना                                     | ✓ योजना र<br>प्राविधिक कर्मचारी<br>१० जना          | ✓ ६ जना                          |                   | योजना चक्र<br>तथा मुल्याङ्कन<br>प्रणालीमा<br>सहजता | भाद्र, असोज                                |
| शहरी भू-उपयोग नीति<br>तर्जुमा तथा कार्यान्वयन                                       | तालिम  | नीति निर्माण<br>गर्न   |  |  | ✓ योजना र<br>प्राविधिक कर्मचारी<br>१० जना          |                                  |                   |  | साउन                                       |
| शहरी भवन संहिता   | तालिमा                                       | भवन संहिता<br>निर्माण गर्न   |  |  | ✓ योजना र<br>प्राविधिक कर्मचारी<br>१० जना          |                                  |                   | सहरी विकासको<br>अवधारणाबारे<br>ज्ञान               | साउन                                       |
| कार्यालय व्यवस्थापन<br>तथा अभिलेख प्रणाली   | प्रशिक्षण                                    | सेवा प्रवाह  |  |  | ✓ सबै आधिकृत १०                                    | ✓ ६ जना                          |                   | सेवा प्रवाह  |  |
| सार्वजनिक र सामाजिक<br>उत्तरदायित्व जवाफदेहिताका<br>अवधारणा, औजारहरू र<br>उपयोग सीप | तालिम  | उत्तर दायित्व<br>बहन हुने  | ✓ १२ जना   | ✓ ३० जना                                     | ✓ गुनासो सुनवाई<br>अफिसर/कार्यालय<br>प्रमुख, ३ जना |                                  |                   |  | जहिले पनि                                  |
| लैंगिक समानता र<br>सामाजिक समावेशीकरण   | प्रशिक्षण                                    | GESI बारे<br>जान्न   |  | ✓ ३०<br>जना                                  | ✓ महिला<br>वालवालिका र                             | ✓ ६ जना                          |                   |  | कार्तिक, मंसिर                             |

|  |            |  |          |          |   |  |  |             |
|--|------------|--|----------|----------|---|--|--|-------------|
|  |            |  |          |          | सामाजिक विकास<br>शाखाका कर्मचारी<br>१५ जना                              |  |  |             |
| सूचना तथा ज्ञान व्यवस्थापन (Information & Knowledge Management)  | प्रशिक्षण  | प्राविधिक ज्ञान हासिल गर्न                       |          |          | ✓ सूचना प्रविधि अधिकृत १ जना  |  |  | साउन, भाद्र |
| नेतृत्व सीप, Team Building, द्वन्द्व व्यवस्थापन  | अभिमुखिकरण | सिप विकास  | ✓ १२ जना | ✓ ३० जना | ✓ सबै कर्मचारी ५० जना   |  |  | कार्तिक     |
| स्थानीय परिप്രेक्ष्यसँग सम्बन्धित विषयहरू जस्तैः पूर्ण खोप, सरसफाई, साक्षर, बालविवाह, घटना दर्ता, र नियन्त्रणमुखी कार्य जस्तैः छुवाछुत, भेदभाव, दाइजो, छाउपडी, बोक्सी, आदि | प्रशिक्षण  | विभिन्न सवालबारे जानकारी लिन                     |          | ✓ ६ जना  |   | ✓ टोल विकास संस्थाका ३०० जना पदाधिकारी |  | मसिर, पुष   |
| सकारात्मक सोच (appreciative Inquiry)   | प्रशिक्षण  |  |          |          | ✓ सबै कर्मचारी ५० जना   | ✓ ६ जना                                |  | मसिर, पुष   |
| लेखा व्यवस्थापन, आन्तरिक लेखापरीक्षण, बेरुजु फछ्यौट  | प्रशिक्षण  | लेखा सम्बन्धी दैनिक कार्यसञ्चालन तथा लेखापरीक्षण |          |          | ✓ लेखा शाखाका कर्मचारी, जिन्सी हेनै कर्मचारी आ.ले.प. र प्र.प्र.अ. ५ जना |  | लेखा व्यवस्थापनमा कुसलता र बेरुजु रकम घटाउने     | मसिर, पुष   |
| सार्वजनिक खरीद व्यवस्थापन  | अभिमुखिकरण | खरिदलाई व्यवस्थीत गर्न                           |          |          | ✓ योजना, जिन्सी हेनै, लेखा हेनै कर्मचारी र प्र.प्र.अ. ७ जना             |  | सरकारी सम्पत्तीको व्यवस्थापन र अर्थिक पारदर्शिता | साउन, भाद्र |
| सार्वजनिक समारोह व्यवस्थापन अतिथी व्यवस्थापन, उद्घोषण  | प्रशिक्षण  | सार्वजनिक कार्यक्रम                              |          | ✓ ३० जना | ✓ सा.वि.शाखाका कर्मचारी ५ जना   | ✓ ६ जना                                | अतिथी सत्कार तथा उद्घोषण गर्न सक्षम              | पुष, माघ    |

|  |            |  |          |          |   |         |   |            |
|--|------------|--|----------|----------|---|---------|---|------------|
|  |            | सञ्चालनका लागि   |          |          |   |         |   |            |
| अनुगमन, मूल्यांकन, प्रतिवेदन   | प्रशिक्षण  | योजना लगायत विभिन्न क्षेत्रः जर्सै वजार, खानी अनुगमन मुल्यांकनबारे जान्न | ✓ १२ जना | ✓ ३० जना | ✓ अनुगमनमा संलग्न कर्मचारी ३ जना                  | ✓ ६ जना | अनुगमनका चरणहरु, मुल्यांकनका विधिहरु र प्रतिवेदनका बुँदाहरुका वारेमा जानकार हुन | पुष, माघ   |
| जनसम्पर्क तथा संवादशैली (Community Relations & Negotiation Skills) सूचना प्रविधि ( Computer Skills, Email, internet navigation, website) | अभिमुखिकरण | समन्वय तथा सहकार्यका लागि, सुचना प्रविधि तथा ईमेल, इन्टरनेट बारे जान्न   | ✓ १२ जना | ✓ ३० जना | ✓ सा.वि.का कर्मचारी र, सूचना प्रविधि अधिकृत ७ जना | ✓ ६ जना | आपसी समझदारी तथा समन्वय र पारस्पारिक सहअस्तीत्व, सूचना प्रविधिबारे ज्ञान हासिल  | मासिर      |
| फोहोरमेला तथा वातावरण व्यवस्थापन   | प्रशिक्षण  | वातावरण संरक्षण र कार्बन उत्सर्जन न्यूनिकरण                              |          |          | ✓ प्राविधिक शाखाका कर्मचारी ७ जना                 | ✓ ६ जना | वातावरण प्रदुषण न्युनीकरण, व्यवस्थापनबारे                                       | माघ, फागुन |

अनुसुची ६ क्षमता विकास योजना तथारी कार्यशालामा उपस्थित सहभागीहरु

आज मिति २०८८/१२/२५ तरिको बाहेपाँखटी हाउं पाल्टो को क्रमवाले विज्ञान विभाग तथा त्रिभुवन विद्यालय एवं पर्यावरण विभाग, अद्यत्तमा अनुसारु तथा अनुसारु अधिकारीहरुको उपाधिहरू, दो मिवाच्छ विद्युत आवास विभागको इन काम लेपन अन्तो।

| क्र.सं. | नाम                       | पद/विषय          | जो.नं.       | सही        |
|---------|---------------------------|------------------|--------------|------------|
| १.      | मी. शाक्तिराम वंजरा       | प्राचीनगति       | ४२४६४४३०६    | प्राचीनगति |
| २.      | मी. गोमाकेश्वर उपाधिका    | ४२४६४४३०८        | प्राचीनगति   |            |
| ३.      | मी. गोपनवदाहर वन          | प.प.उ.           | ४२४६४४३०४    | प्राचीनगति |
| ४.      | मी. ई. कुमार गोप्ता       | ७३. वाणिज्य      | ४२४६४४३०५    | प्राचीनगति |
| ५.      | मी. अमर वहादुर मग्न       | प्राचीनगति       | ४२४६४४३०६    | प्राचीनगति |
| ६.      | मी. राज कुमार जारा        | १३८. न.व.वाणिज्य | ४२४६४४३०८    | प्राचीनगति |
| ७.      | मी. शुभलराज राई           | ४२४६४४३०४        | प्राचीनगति   | प्राचीनगति |
| ८.      | मी. खेत्रेश राई           | १३८. वाणिज्य     | ४२४६४४३०५    | प्राचीनगति |
| ९.      | मी. दुर्गा वहादुर राई     | १३८. वाणिज्य     | ४२४६४४३०६    | प्राचीनगति |
| १०.     | मी. गणेश वहादुर विष्णु    | १३८. वाणिज्य     | ४२४६४४३०८    | प्राचीनगति |
| ११.     | मी. शिवा विष्णु           | १३८. वाणिज्य     | ४२४६४४३०५    | प्राचीनगति |
| १२.     | मी. दुर्गा वहादुर विष्णु  | १३८. वाणिज्य     | c.Banika     |            |
| १३.     | मी. विद्या राई            | १३८. वाणिज्य     |              |            |
| १४.     | मी. मुखिय तपाई १४५२८४७५५६ | १३८. वाणिज्य     | १३८. वाणिज्य |            |
| १५.     | मी. वालेश्वर आचार्य       | १३८. वाणिज्य     | १३८. वाणिज्य |            |
| १६.     | मी. शुभलराज आचार्य        | १३८. वाणिज्य     | १३८. वाणिज्य |            |
| १७.     | मी. शुभलराज ए. शेर्पा     | १३८. वाणिज्य     | १३८. वाणिज्य |            |
| १८.     | मी. अनन्तराज पाण्डी       | १३८. वाणिज्य     | १३८. वाणिज्य |            |
| १९.     | मी. ई. दिव्यरा काकी       | १३८. वाणिज्य     | १३८. वाणिज्य |            |
| २०.     | मी. दिव्यरा आचार्य        | १३८. वाणिज्य     | १३८. वाणिज्य |            |
| २१.     | मी. शुभा अधिकारी          | १३८. वाणिज्य     | १३८. वाणिज्य |            |
| २२.     | मी. द्वानाराज ईरामी       | १३८. वाणिज्य     | १३८. वाणिज्य |            |
| २३.     | मी. गवराज बन्दारा         | १३८. वाणिज्य     | १३८. वाणिज्य |            |
| २४.     | मी. गोपाल कोइराला         | १३८. वाणिज्य     | १३८. वाणिज्य |            |
| २५.     | मी. निधि चिरोला           | १३८. वाणिज्य     | १३८. वाणिज्य |            |

| क्रमांक | नाम                               | पत्ता/संदर्भ       | ठो. नं.    | जमीन |
|---------|-----------------------------------|--------------------|------------|------|
| २९      | मी. विजय शेषलाल (ए.ए.आरसा रायचौह) | SC60288622         | SC60288622 | पुणे |
| ३०      | मी. रोहन राजी                     | SC60298202         | SC60298202 | पुणे |
| ३१      | मी. छपिलदेव चोटी                  | SC60288522         | SC60288522 | पुणे |
| ३२      | मी. निरेज राई                     | SC62244860         | SC62244860 | पुणे |
| ३३      | मी. गिरा राई                      | किल्ड इफायब        |            |      |
| ३४      | मी. अगिमा बिठ्ठा                  | किल्ड इफायब        | SC64200533 | पुणे |
| ३५      | मी. देवेंद्र राई                  | मी. देवेंद्र इफायब |            |      |
| ३६      | मी. पुष्पलाल बिठ्ठा               | कासवाळे राहगोडी    | SC40642894 | पुणे |
| ३७      | मी. दिलबुमप राई                   | कासवाळे राहगोडी    | SC62466574 | पुणे |
| ३८      | मी. शुभा राहगोडी                  | कासवाळे राहगोडी    | SC82484748 | पुणे |
| ३९      | मी. कुमाराल दाखाळा                | कासवाळे राहगोडी    | SC42486766 | पुणे |
| ४०      | मी. कुमाराल दाखाळा                | कासवाळे राहगोडी    | SC40860212 | पुणे |
| ४१      | मी. एकांशुर बंजारा                | मी. एकांशुर बंजारा | SC82424669 | पुणे |
| ४२      | मी. विनिता वर्मा                  | कृषि युविले        | SC40860212 | पुणे |
| ४३.     | मी. उमर नैपाल                     | कृषि युविले        | SC82424669 | पुणे |
| ४४.     | को. मी. माधव आविकारी              |                    | SC89246368 | पुणे |

आज दिन २०८५/११/२७ वराहपोखरी गाँव पालक  
 रनाटाङ्क को धान बीड़ा योजना, गाँव पालक, २ गोदारकल  
 अवसरा डा. डा. कुमार रामेश अंगुष्ठा अंगुष्ठा छोटा  
 विकास योजना (३ तरह) श्रमिक समाज समाज उभे  
 सो गांव पालक ब्लॉक एवं समाविष्ट किंतु कामी गठ  
 सो गांव पालक प्रान्तके लाड आवश्यक प्रान्ते हांगन्पुराला

| क्र. सं. | नाम                    | पद/प्रतिष्ठा           | पो. नं. | प्र. |
|----------|------------------------|------------------------|---------|------|
| १.       | मी- गणेश पाटियार       | कामपालकी लहरी          |         |      |
| २.       | मी- मान वडाकुर वन      | प. प. श्रोदिष्ट        |         |      |
| ३.       | मी- खुडाप तामाङ्क      | स्वच्छा प्राकाश डा.    |         |      |
| ४.       | मी. डा. दुर्विज चन्द्र | इंजिनियर               |         |      |
| ५.       | मी. विराज काई          | संस्कृत अधिकारी        |         |      |
| ६.       | मी. अमितराज पटेल       | M.B.B.S Doctor         |         |      |
| ७.       | मी. विपिन लिशला        | सोनगढ़ शिवीजन          |         |      |
| ८.       | मी. छोंगराज देवी       | कृषि इंजिनियर          |         |      |
| ९.       | मी. छोंगराज आलम        | उत्तर. राज शास्त्री    |         |      |
| १०.      | मी. छोंगराज आलम        | मी. अ. च. ल. अ. झोंगरा |         |      |
| ११.      | मी. अमितराज अमाद देवी  | मी. इंजिनियर           |         |      |
| १२.      | मी. अमितराज देवी       | मी. इंजिनियर           |         |      |
| १३.      | मी. शिला देवी          | मी. इंजिनियर           |         |      |
| १४.      | मी. वलोपल वामदा        | इंजिनियर               |         |      |
| १५.      | मी. वलोपल वामदा        | मी. विजयकर्ण           |         |      |
| १६.      | मी. वलोपल वामदा        | मी. विजयकर्ण           |         |      |
| १७.      | मी. वलोपल वामदा        | मी. विजयकर्ण           |         |      |
| १८.      | मी. वलोपल वामदा        | मी. विजयकर्ण           |         |      |
| १९.      | मी. वलोपल वामदा        | मी. विजयकर्ण           |         |      |
| २०.      | मी. वलोपल वामदा        | मी. विजयकर्ण           |         |      |

## अनुसूची ७ क्षमता विकास योजना तयारीको क्रममा लिइएका तस्बीरहरू



## अनुसूची द सम्बन्धित पालिकाले अन्तिम प्रतिवेदन प्राप्त गरेको पत्र



प.सं: २०७८।०७९  
च.नं: १३३०

वराहपोखरी गाउँपालिका  
BARAHAPOKHARI RURAL MUNICIPALITY  
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय  
OFFICE OF THE RURAL MUNICIPAL EXECUTIVE  
बाल्चोरभन्ज्याङ, खोटाङ  
BALCHOKER BHANJYANG, KHOOTANG  
वराहपोखरी गाउँपालिका, अदेश नं. १, नेपाल  
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, अदेश नं. १, नेपाल  
बाल्चोरभन्ज्याङ, खोटाङ, नेपाल, प्रदेश नं. १, नेपाल  
१ ज. २०७८।०७९

मिति: २०७९।०१।२२

विषय: सिफारिस गरिएको सम्बन्धमा।

श्री प्रदेश प्रशिक्षण केन्द्र  
कलबलगुरी, ज्ञापा।

प्रस्तुत विषयमा चालु आ व २०७८।०७९ मा यस वराहपोखरी गाउँपालिकाको क्षमता विकास योजना (CD-Plan) निर्माणको लागि प्रदेश प्रशिक्षण केन्द्र, प्रदेश नं १ र यस वराहपोखरी गाउँपालिका, खोटाङ वीच मिति २०७८।१।१६ मा द्विपक्षीय समझदारी पत्रमा हस्ताक्षर भईसकेको व्यहोरा अवगत गराउँदै तहाँ केन्द्रमा सूचिकृत ३ वटा परामर्शदाताहरूबाट प्राविधिक तथा आर्थिक प्रस्तावहरु मिति २०७६।१।२१६ मा यस कार्यालयबाट माग गरी सबैभन्दा कम क्वोल गर्ने गोरखकाली मनकामना अध्ययन अनुसन्धान केन्द्र, सानोठिमी भक्तपुरलाई मिति २०७८।१।२५ मा कायदिश दिईएकोमा उक्त केन्द्रले तोकिएको समयभित्र काम सम्पन्न गरी गाउँपालिकाको क्षमता विकास योजनाको अन्तिम प्रतिवेदन पेश गरिसकेको व्यहोरा अवगत अनुरोध छ। सम्झौता अनुसार रु १५००००।०० (एक लाख पचास हजार मात्र) यस पालिकाबाट भुक्तानी हुने प्रकृयामा रहेको र बाँकी रु ४५०००।०० (चार लाख पचास हजार मात्र) तहाँ प्रशिक्षण केन्द्रबाट नियमानुसार भुक्तानी गराईदिन हुन सिफारिस गरिएको व्यहोरा अनुरोध छ।

मान बहादुर वन

प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत

मान बहादुर अधिकृत

प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत

बोधार्थ

➤ श्री गोरखकाली मनकामना अध्ययन अनुसन्धान केन्द्र, सानोठिमी, भक्तपुर

"कृषि, पर्यटन, प्राकृतिक सम्पदा र पूर्वाधार : सङ्घ समृद्धि वराहपोखरी गाउँपालिकाको मूल आधार"

www.barahapokharimun.gov.np info@barahapokharimun.gov.np ANB No. 1618070703601



प्रस्तुत  
वराहपोखरी गाउँपालिका  
प्रदेश नं. १, खोटाङ

प्रस्तुतकर्ता  
गोरखकाली मनकामना अध्ययन अनुसन्धान केन्द्र  
सानोठिमी, भक्तपुर